THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 259 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु. 11 2079 शनिवार, 3 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुंबई में धारा 144 लागू, दो जनवरी तक लागू रहेंगी कई पाबंदियां

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके तहत पूरी मुंबई में कई तरह के प्रतिबंध भी लागू कर दिए गए हैं। पांच या इससे अधिक लोगों के एक जगह पर इकट्ठे होने पर मनाही है। इसके अलावा सार्वजनिक सभा के प्रदर्शन पर भी रोक है। मुंबई पुलिस की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, पूरे राज्य में धारा 144 चार दिसंबर से दो जनवरी तक लागू रहेगी। मुंबई पुलिस की ओर से जारी किए गए आदेश के मुताबिक, राज्य में चार दिसंबर से दो जनवरी तक हथियारों पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लागू रहेगा।

अंतिम दौर के प्रचार में पीएम मोदी का बड़ा हमला

कांग्रेस ने रोका था गुजरात का विकास

अहमदाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान 1 दिसंबर को खत्म हो गया। 5 दिसंबर 2022 को दूसरे चरण के लिए मतदान होगा। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनासकांठा के कांकरेज में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। अंतिम दौर के इस प्रचार में पीएम मोदी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि गुजरात में फिर एक बार बीजेपी की रिकॉर्ड तोड़ वापसी होगी।

(फाइल फोटो)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राज्य में फिर एक बार बीजेपी की सरकार बन रही है। इसके पीछे लोगों का बीजेपी पर भरोसा है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस के पास दो ही काम हैं एक ईवीएम में कमी निकालना और दूसरा काम मोदी को गाली देना।

इससे पहले एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि सूखाग्रस्त सौराष्ट्र क्षेत्र में नर्मदा का पानी पहुंचाने की कोशिश में भी कांग्रेस ने रोड़े अटकाने का प्रयास किया था। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लटकाना और भटकाना कांग्रेस की आदत है। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस की फितरत है कि वह ऐसा कोई भी काम नहीं करती है जिसमें उसका अपना हित दिखाई न दे और मोदी का नाम है कि वह जो कहता है, वह करके दिखला देता है। अगर आप हमें आशीर्वाद देते हैं, तो हम और अधिक शक्ति के साथ कार्य करेंगे।

कांग्रेस ने इस चुनाव में हार मान ली :

पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात को विकसित गुजरात बनाने के लिए गुजरात की नारी शक्ति की भूमिका बहुत बड़ी होनी है। गुजरात के लोगों को बीजेपी पर भरोसा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस की विशेषता चुनाव के समय मोदी का अपमान करना और मतदान के समय ईवीएम का अपमान करना है। यह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि कांग्रेस ने इस चुनाव में हार मान ली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस ईवीएम को कोसने लगेगी तो आप समझ जाओगे कि कांग्रेस हाइप से भरी हुई है।

गुजरात में पीएम मोदी का 54 किमी लंबा रोड शो :

शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में 4 रैलियों को संबोधित किया। कांकरेज के बाद वह पाटन, सोजित्रा और अहमदाबाद में जनसभा किया। इससे पहले उन्होंने गुरुवार को गुजरात में 54 किमी लंबा रोड शो किया था। पीएम मोदी का ये अबतक का सबसे बड़ा चुनावी रोड शो है। इसे 'पुष्पांजलि यात्रा' नाम दिया गया। इस रोड शो में पीएम मोदी ने अहमदाबाद की 13 और गांधीनगर की 1 सीट को कवर किया। गुजरात विधानसभा चुनाव-2022 के लिए प्रधानमंत्री ने 6 नवंबर को चुनाव प्रचार की शुरूआत की थी। पीएम अब तक 23 जिलों में रैली कर चुके हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने 28 रैली और 2 रोड शो किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एमसीडी चुनाव पर रोक लगाने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि समय बीतने के साथ यह याचिका निरर्थक हो गई है। बता दें, दिल्ली एमसीडी चुनाव के लिए मतदान चार दिसंबर को होना है। वहीं, सात दिसंबर को मतगणना होगी।

सुप्रीम कोर्ट नेशनल यूथ पार्टी की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इसमें चुनाव के लिए वार्डों के परिसीमन को चुनौती दी गई थी, साथ ही एमसीडी चुनाव पर रोक लगाने की मांग की गई थी। जस्टिस संजय किशन कौल और अभय एस ओका की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि रविवार को मतदान होना है, ऐसे में वह इस समय चुनाव में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

बता दें, याचिकाकर्ता ने दिल्ली उच्च न्यायालय के नौ नवंबर के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत कोर्ट ने नगरपालिका चुनावों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था और याचिका खारिज कर दिया था।

जेएनयू की दीवारों पर लिखा ब्राह्मणों भारत छोड़ो

बनियों के खिलाफ भी लिखे नारे, वीसी ने कहा कैंपस में ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं होंगी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) की वीसी शांतिश्री डी. पंडित ने कैंपस में दीवारों पर लिखे गए नारों के मामले में संज्ञान लिया है। उन्होंने पत्र जारी कर कहा कि कुछ अज्ञात तत्वों ने कैंपस की दीवारों और फैकल्टी रूम के बाहर आपत्तिजनक स्लोगन लिखे हैं। इसके चलते स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज एंड शिकायत कमेटी के डीन को जल्द से जल्द जांच करने के आदेश दिए हैं और मामले में वीसी को एक रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा है।

जेएनयू के रजिस्ट्रार के नोटिस में कहा गया है कि प्रशासन कैंपस में ऐसी घटनाओं की निंदा करता है। इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि जेएनयू सभी का है। जेएनयू समावेश और समानता के लिए खड़ा है।

जाति विरोधी नारे लिखे :

जानकारी के अनुसार, 30 नवंबर की रात को कैंपस की दीवारों पर ब्राह्मणों और बनियों के खिलाफ नारे लिखे गए। स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की दीवारों पर लाल रंग से ब्राह्मणों कैंपस छोड़ो, ब्राह्मणों-बनियों हम तुम्हारे लिए आ रहे हैं, तुम्हें बख्शा नहीं जाएगा, शाखा लौट जाओ जैसी धमकियां लिखी मिलीं।

जेएनयू की उस महिला प्रोफेसर के केबिन के दरवाजे पर भी 'शाखा लौट जाओ' का नारा लिखा मिला, जिन्हें 8 नवंबर, 2019 को वामपंथी दल ने स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की उनकी ही क्लास में बंधक बना लिया था। वंदना को करीब 3 दिन के लिए हिरासत में रखा गया था।

एबीवीपी ने एआईएसए पर लगाए आरोप

इन नारों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (एआईएसए) के कम्युनिस्ट छात्रों पर निशाना साधा है। एबीवीपी का कहना है कि वामपंथियों ने खुली सोच वाले प्रोफेसर्स को डराने के लिए उनके चैंबर्स पर धमकियां लिख दीं। एबीवीपी ने जेएनयू प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। वहीं, एआईएसए के सदस्य और जेएनयू के पूर्व प्रेसिडेंट एन साईं बालाजी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता एबीवीपी किस बारे में बात कर रही है। हमने ऐसा कुछ नहीं किया है। ये एबीवीपी ने खुद किया होगा।

मंगलुरु विस्फोट : एनआईए ने दर्ज की प्राथमिकी

दक्षिण कन्नड़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलुरु विस्फोट मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की है और कर्नाटक तथा अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में फैले आतंकवाद की जड़ें तलाशने के लिए जांच तेज कर दी है।

जांच एजेंसी के मुताबिक उसने केंद्र के निर्देश पर मामला दर्ज किया है। आरोपी मोहम्मद शरीक के चिकित्सकीय रूप से फिट होने के बाद जांच एजेंसी ने अपनी जांच तेज कर दी और पुलिस ने उससे पूछताछ की। उसके आकाओं तक पहुंचने के लिए केरल में जांच तेज आगे बढ़ाई जा रही है। जांच से पता चला है कि दक्षिण भारत में आतंकवादी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए मादक पदार्थों व सोने की तस्करी की जा रही थी। सूत्रों ने कहा कि वीर सावरकर के फ्लेक्स लगाने पर हिंदू युवकों की हत्या, छुरा घोंपने की घटनाएं कर्नाटक में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की साजिश का हिस्सा हैं। जांच के दौरान पुलिस ने इसे आतंकी घटना घोषित किया था और इसके पीछे संदिग्ध आतंकवादी मोहम्मद शरीक की पहचान की थी। शुरू में उसने अपनी पहचान छिपाई और खुद को प्रेमराज बताया। जांच से पता चला कि उसने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के समारोह में बम विस्फोट करने की योजना बनाई थी। बाद में इस्लामिक प्रतिरोध परिषद (आईआरसी) नामक एक आतंकवादी संगठन ने जिम्मेदारी का दावा किया और चेतावनी दी कि वे जल्द ही और हमला करेंगे।

बांग्लादेश सीमा पर 4.5 करोड़ से ज्यादा के सोने के बिस्किट के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बंगाल में भारत-बांग्लादेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से एक तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

इसके पास से 66 सोने के बिस्किट बरामद किए गए हैं, जिसकी कीमत साढ़े 4 करोड़ से ज्यादा है। ये बिस्किट एक ट्रक में छुपाकर बांग्लादेश से भारत लाए गए थे। बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि गुरुवार को एक खुफिया सूचना के आधार पर दक्षिण बंगाल के पेट्रापोल गांव में जवानों ने बांग्लादेश से लौट रहे एक ट्रक को रोककर छानबीन की। तलाशी के दौरान ट्रक में छिपाए गए 8311.61 ग्राम बजन के 66 सोने के बिस्किट और 2 सोने के क्यूब बरामद किए हैं। इनकी कीमत 4,54,97,753 आंकी गयी है।

इस पूरी कार्यवाही को बीएसएफ की 145वी पेट्रापोल बटालियन ने अंजाम दिया है।

जानकारी के मुताबिक ये बिस्कुट एक ट्रक में छुपाकर बांग्लादेश से भारत लाए गए थे। पूछताछ के बाद ट्रक में आए तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अब आगे की जांच की जा रही है कि आखिर ये सोना किसे दिया जाना था और इस तस्करी में कौन कौन और लोग शामिल हैं।

ईडी ने 108 करोड़ रुपये के ट्रेडिंग फ्रॉड मामले में चार लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि जनता से 108 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक निजी फर्म के तीन निदेशकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों की पहचान ब्लूमैक्स कैपिटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के तीन निदेशक आर अरविंद, एस गोपालकृष्णन, एस भारतराज और तूतीकोरिन के उनके सहयोगी जे अमरनाथ के रूप में की गई। उन्हें एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें 12 दिनों की हिरासत में भेज दिया है।

ईडी ने ब्लूमैक्स कैपिटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ तमिलनाडु पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर अपनी जांच शुरू की। पुलिस को आम जनता से शिकायतें मिलीं कि उन्हें आरोपियों ने धोखा दिया, जिन्होंने उन्हें उच्च रिटर्न का वादा किया था और उन्हें विदेशी मुद्रा, वस्तुओं और सोने के व्यापार में अपनी मेहनत की कमाई का निवेश करने के लिए कहा था।

ईडी ने कहा कि पीड़ितों से करीब 108 करोड़ रुपये की ठगी की गई। जांच एजेंसी को पता चला कि निदेशकों ने नकली सुविधाओं के साथ कंपनी की एक वेबसाइट बनाई थी, जो निवेशकों के पैसे के साथ गलत रियल टाइम फॉरेक्स ट्रेडिंग दिखाती थी।

ईडी ने बताया कि, कंपनी की कार्यप्रणाली यह थी कि एक बार जब कोई व्यक्ति पैसे का निवेश करेगा, तो उन्हें एक खाता प्रदान किया जाएगा और कंपनी की वेबसाइट को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि, जब कोई व्यक्ति अपने खाते में लॉग इन करता है, तो उसके अंदर दिखाई गई सबी चीजें झूठी होती है। वेबसाइट को विदेशी मुद्रा में वास्तविक व्यापार, व्यापार चार्ट के माध्यम से वस्तुओं आदि का झूठा चित्रण करके निवेशकों को गुमराह करने के लिए डिजाइन किया गया था।

अक्टूबर 2019 में, निदेशकों ने जानबूझकर अपनी कंपनी के सर्वर की झूठी हैकिंग का मंचन किया और उसके बाद निवेशकों को सूचित किया कि उनका पैसा व्यापार में खो गया है। उन्होंने तब कुछ निवेशकों को आंशिक धन का सांकेतिक पुनर्भुगतान किया था, दूसरों को परेशानी में डाल दिया था।

ईडी की जांच से पता चला है कि, निवेशकों के पैसे को किसी भी व्यापारिक गतिविधियों में निवेश नहीं किया गया था, जैसा कि वादा किया गया था और अब गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने विभिन्न व्यावसायिक संस्थाओं के माध्यम से एक बड़ा हिस्सा डायवर्ट किया था और उनके नाम या उनके नाम पर नए व्यवसायों में निवेश किया था। साथ ही उन्होंने पत्नियों के नाम और गुप्त रूप से क्रिप्टो करेंसी में निवेश भी किया।

यह भी देखा गया कि तीनों निदेशकों ने मिलकर मुख्य रूप से संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग, बेलीज और यूके में अपतटीय स्थानों में ब्लूमैक्स ग्लोबल लिमिटेड के नाम से कंपनियां और बैंक खाते शुरू किए और उनमें पैसा जमा किया। इसके अलावा, उन्होंने विभिन्न व्यवसायों को भी शुरू किया था और धोखाधड़ी करने के लिए विदेशों में उनके नाम पर और अन्य असंबंधित व्यक्तियों के नाम पर बैंक खाते खोले थे।

भारतीय न्याय प्रणाली में स्थानीय भाषाओं को भी प्राथमिकता मिले : रिजिजू

चेन्नई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू आज तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में डॉ. अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के 12वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने यहां छात्रों को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में सबसे पहले उन्होंने दीक्षांत समारोह में कानून की डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायालयों और कानूनी प्रणाली की पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में क्षेत्रीय भाषाएं होनी चाहिए। मैंने मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों, उच्च न्यायालयों के सभी मुख्य न्यायाधीशों से बात की है कि भविष्य में हमें स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। बता दें कि इससे पहले 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट में 70,000 मामले लंबित हैं, उच्च न्यायालयों में लगभग 70 लाख और बाकी निचली न्यायपालिका में हैं। निचली न्यायपालिका में लंबित मामले हमारे ध्यान का केंद्र होना चाहिए।

इसरो जासूसी केस में पुलिस अफसरों की अग्रिम जमानत रद्द

साइंटिस्ट नंबी को फंसाने का आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने कहा-हाईकोर्ट दोबारा सुनवाई करे

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। साइंटिस्ट नंबी नारायणन को कथित रूप से 1994 इसरो जासूसी मामले में फंसाने वाले चार आरोपी पुलिस अफसरों की अग्रिम जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। मामले में केरल हाईकोर्ट ने आरोपियों की अग्रिम जमानत का आदेश दिया था, उसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया है। जस्टिस एमआर शाह की बेंच ने जमानत याचिकाओं को केरल हाईकोर्ट को वापस दे दिया है। साथ ही चार हफ्ते के भीतर मामले पर नए सिरे से फैसला करने को कहा है। इसके साथ ही हाईकोर्ट का अंतिम फैसला आने तक अंतरिम व्यवस्था के तौर पर पांच हफ्तों तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं करने का फैसला दिया है। चार आरोपी जिन्हें केरल हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत दी थी, उनमें गुजरात के पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार, केरल के पूर्व डीजीपी सिबी मैथ्यूज समेत दो पूर्व पुलिस अधिकारी एस विजयन और थम्पी एस शामिल हैं। मामले में सीबीआई ने केरल हाईकोर्ट के अग्रिम जमानत के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सीबीआई ने कहा था कि जमानत देने से मामले की जांच पटरी से उतर सकती है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 28 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

डॉक्यूमेंट लीक करने का लगा था आरोप :

1994 इसरो जासूसी मामले में नंबी नारायणन को पुलिस अधिकारियों ने कथित रूप से फंसाया था। उनके साथ भारत के अन्य पांच लोगों समेत मालदीव की दो महिला और दो वैज्ञानिकों पर स्पेस प्रोग्राम के सीक्रेट डॉक्यूमेंट को विदेशों में ट्रांसफर करने का आरोप लगा था।

स्पेस प्रोग्राम को नाकाम करना था आरोपियों का मकसद :

इससे पहले सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उन्हें जांच में पता चला है कि मामले में कुछ वैज्ञानिकों को प्रताड़ित किया गया और फंसाया गया है। इसके कारण क्रायोजेनिक इंजन के डेवलपमेंट पर असर पड़ा था। इसके चलते देश का स्पेस प्रोग्राम लगभग एक से दो दशक पीछे चला गया था। आरोपियों की जमानत के विरोध में सीबीआई ने कहा था कि यह बहुत गंभीर मामला है। विदेशी एजेंट के इशारों पर कोई बड़ी साजिश हो सकती है, जिसकी जांच की जा रही है। साथ ही दावा किया कि आरोपी एक ऐसी टीम का हिस्सा थे, जिसका मकसद क्रायोजेनिक इंजन के निर्माण को नाकाम करना था।

सुप्रीम कोर्ट में ऑल वुमन जज बेंच : इतिहास में ऐसा तीसरा, 4 साल में दूसरा मौका, 2 जजों ने 32 केस सुने

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। अमूमन सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों की अलग बेंच नहीं बनती, लेकिन गुरुवार को सिर्फ महिला जजों की बेंच बनी। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की बेंच कोर्ट नंबर 11 में बैठी। बेंच ने 32 मामलों में सुनवाई की। इनमें 10 वैवाहिक विवाद के थे। 11 जमानत से जुड़ी ट्रांसफर याचिकाओं और अन्य 11 अलग-अलग विवादों से जुड़े थे।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील आदिश चंद्र अग्रवाला ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह तीसरा मौका था। पहली बार साल 2013 में जस्टिस ज्ञान सुधा मिश्रा और जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की बेंच बनाई गई थी। दूसरा मौका साल 2018 में आया। तब जस्टिस आर. भानुमति और जस्टिस इंदिरा बनर्जी की बेंच गठित की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में 3 महिला जज हैं। जस्टिस हिमा कोहली, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी। जस्टिस नागरत्ना 2027 में पहली महिला सीजेआई बन सकती हैं। 1989 में जस्टिस एम. फातिमा बीवी के रूप में सुप्रीम कोर्ट को पहली महिला जज मिली थी। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में अब तक 10 महिलाएं जज रह चुकी हैं।

असम सीएम का दावा, हिंदू दंगों में शामिल नहीं होते

गुजरात दंगों का जिक्र कर बोले हिंदू शांतिप्रिय, वे जिहाद में भी विश्वास नहीं करते

गुवाहाटी, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा ने दावा किया कि आम तौर पर हिंदू दंगों में शामिल नहीं होते हैं। वे शांतिप्रिय हैं। एक समुदाय के रूप में भी हिंदू जिहाद में विश्वास नहीं करते हैं। उन्होंने यह जवाब 2002 में दंगाइयों को सबक सिखाने वाली अमित शाह की टिप्पणी पर दिया।

2002 के बाद से गुजरात में शांति :

बिस्वा ने कहा कि 2002 के बाद से, गुजरात सरकार ने राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए कई कार्रवाई की। अब राज्य में स्थायी शांति है। अब कोई कर्फ्यू नहीं होता है। दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मुझे यह सुनिश्चित करना है कि असम में भी शांति हो।

इंटरव्यू के दौरान जब बिस्वा से उनकी पार्टी के नेताओं की ओर से भड़काऊ भाषण, लव जिहाद, आफताब पूनावाला पर की गई टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, किसी भी वामपंथी झुकाव वाले व्यक्ति के लिए यह एक सांप्रदायिक टिप्पणी है, लेकिन मैंने यह एक राष्ट्रीय भावना में कहा।

उन्होंने लव जिहाद पर कहा कि एक साजिश है, जिसमें मुस्लिम पुरुषों पर हिंदुओं को लुभाने का आरोप लगाया जाता है और महिलाओं को धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है।

बिस्वा ने कहा, लव जिहाद को नजरअंदाज करना कुछ लोगों की ओर से तुष्टीकरण की राजनीति है। यह महिलाओं की सुरक्षा के लिए चिंता की बात है। लव जिहाद के सबूत हैं। यहां तक कि आफताब पूनावाला के पॉलीग्राफ टेस्ट में भी कहा गया है कि उसने खुलासा किया कि उसकी हरकतें उसे जन्नत तक ले जाएंगी। इस पर रिपोर्ट्स भी हैं।

कांग्रेस में 22 साल बर्बाद किए

कांग्रेस से भाजपा में आने को लेकर बिस्वा ने कहा कि कांग्रेस में उन्होंने 22 साल बर्बाद किए हैं।

कांग्रेस में रहते हुए आप एक परिवार की पूजा कर रहे होते हैं, जबकि भाजपा में रहते हुए आप देश की पूजा करते हैं। हिमंत ने 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद पार्टी ने उन्हें असम में जीत के बाद राज्य का सीएम बनाया।

2002 के गुजरात दंगे :

2002 के हुए गुजरात दंगों में 1,000 से अधिक लोग मारे गए थे, जिनमें से 800 से अधिक मुसलमान थे। दंगे तब शुरू हुए जब गोधरा में हिंदू तीर्थयात्रियों को ले जा रहे एक ट्रेन के डिब्बे में आग लगा दी गई, जिसमें 59 लोगों की मौत हो गई।

नौसेना व तटरक्षक बल के लिए डिफेंस शिपयार्ड अहम : राजनाथ

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि मुंबई स्थित डिफेंस शिपयार्ड की नौसेना और तटरक्षक बल के लिए अहम भूमिका है। मुंबई में शिपयार्ड में आयोजित रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक में उन्होंने यह बात कही।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा डिफेंस शिपयार्ड नौसेना और कोस्ट गार्ड को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह न केवल प्लेटफार्मों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करता है, बल्कि सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली रक्षा सामग्री भी सेना को उपलब्ध कराता है।

क्या अपनी ही पॉलिसी पर यू-टर्न लेगी कांग्रेस

खड़गे अध्यक्ष के साथ राज्यसभा में बने रह सकते हैं नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में बने रह सकते हैं, क्योंकि पार्टी ने अभी तक राज्यसभा में उनकी जगह किसी दूसरे को देने का फैसला नहीं किया है। अगर खड़गे दो पद संभातलते हैं तो यह कांग्रेस की 'एक व्यक्ति, एक पद' पॉलिसी का उलट होगा। सोनिया गांधी ने आज (3 दिसंबर को) कांग्रेस संसदीय दल के 'स्ट्रेटेजी ग्रुप' की बैठक बुलाई है। सूत्रों का कहना है कि इसमें सिर्फ खड़गे, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल को राज्यसभा से बैठक के लिए बुलाया गया है। दिग्विजय सिंह और पी चिदंबरम, जिन्हें राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है, उन्हें बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव में हुआ 'एक व्यक्ति, एक पद' पॉलिसी का जिक्र अक्टूबर में हुए कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव में 'एक व्यक्ति, एक पद' पॉलिसी का जिक्र हुआ था। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, जो कांग्रेस अध्यक्ष के लिए गांधी परिवार की पहली पसंद थे, वो उस समय सीएम पद को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। उनके करीबी कांग्रेस विधायकों का कहना था कि यदि गहलोत ने राष्ट्रीय भूमिका निभाई, तो उन्हें राजस्थान में पद छोड़ना पड़ेगा और उनके प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट को वो पद मिल जाएगा, जिस पर उन्हें आपत्ति है। इस पर राहुल गांधी ने साफ कर दिया था कि पार्टी अपनी नीति पर कायम रहेगी, जिसके बाद गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस से हटा दिया गया और खड़गे ने अक्टूबर में कांग्रेस अध्यक्ष चुनावों के लिए आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में कदम रखा। खड़गे ने कांग्रेस प्रमुख के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन सूत्रों का कहना है कि वह कम से कम 7 दिसंबर को शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के लिए इस भूमिका में बने रह सकते हैं।

दुष्कर्म मामले में निलंबित कांग्रेस विधायक के खिलाफ याचिका खारिज, अग्रिम जमानत को दी गई थी चुनौती

तिरुवनंतपुरम, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दुष्कर्म मामले में निलंबित कांग्रेस विधायक एल्धोज कुन्नाप्पिल्ली को केरल हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। उच्च न्यायालय ने उनकी अग्रिम जमानत रद्द के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। बता दें, अक्तूबर, 2021 को अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने एल्धोज कुन्नाप्पिल्ली को अग्रिम जमानत दी थी, जिसके खिलाफ पीड़िता व राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

ममता बनर्जी को चाय के लिए देश में अब कोई नहीं पूछने वाला, दिलीप घोष ने किया तंज

कोलकाता, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने शुक्रवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि ममता को देश में अब कोई पूछने वाला नहीं है। पहले वह विपक्षी एकजुटता के बहाने चाय पीने के लिए लखनऊ, पटना जाती थीं लेकिन अब उन्हें कोई नहीं पूछ रहा।

पहले चाय पीने पटना लखनऊ जाती थीं

न्यू टाउन के इको पार्क में प्रात भ्रमण करने पहुंचे दिलीप घोष से राज्यपाल के उस बयान के बारे में सवाल पूछा गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल देश का नेतृत्व करेगा। इस पर दिलीप घोष ने कहा कि राज्यपाल चाहते हैं कि बंगाल देश का नेतृत्व करे, लेकिन आज बंगाल में ऐसा कोई है ही नहीं जो ऐसा कर सके। ममता बनर्जी राष्ट्रीय नेता बनना चाहती हैं लेकिन उन्हें कोई नहीं पूछ रहा। पहले पटना जाती थीं, लखनऊ जाती थीं, चाय पीती थीं, भाषण देती थीं और चली आती थीं। अब उन्हें कोई नहीं बुलाता इसीलिए चेन्नई जा रही हैं। जिनकी स्वीकृति उनके खुद के राज्य में नहीं है वे देश का नेतृत्व करेंगे? बंगाल से राष्ट्रपति बने हैं, सेना प्रमुख बने हैं, नौसेना अध्यक्ष रह चुके हैं लेकिन आज बंगाल की दुर्दशा है। चोर डकैत गुंडा बदमाश राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं। आमता विस्फोट मामले की एनआइए जांच संबंधी आदेश पर भाजपा नेता ने कहा कि पुलिस को केवल तृणमूल कांग्रेस की ड्यूटी बजानी है। बाकी राज्य में कहां क्या हो रहा है, दुष्कर्म, हत्या, बम विस्फोट से पुलिसकर्मियों को कोई मतलब ही नहीं रह गया है। जहां हत्या होती है वही लोग सीबीआइ जांच की मांग कर रहे हैं। पुलिस अपना काम नहीं करके राजनीति में लिप्त रहेगी तो यही होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का तंज

इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी के घर के सामने अभिषेक बनर्जी की जनसभा को लेकर भी दिलीप घोष ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि जिनकी अपनी पार्टी और अपने घर में रोज मारपीट, हिंसा, हंगामा हो रहे हैं, वे दूसरों के घरों के सामने जा रहे हैं भाषण देने। वहां भाषण में वे लोग सुवेंदु के खिलाफ कटुक्ति के अलावा और क्या करेंगे।

राहुल की यात्रा में पूर्व विंग कमांडर ने उठाया अग्निवीर का मुद्दा

हिटलर से मोदी की तुलना

इंदौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को आगर जिले के सुमराखेड़ी गांव पहुंची। यहां कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने पूर्व विंग कमांडर अनुमा आचार्य के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अनुमा ने अग्निवीर योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना हिटलर से कर दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने छोटे से देश इजरायल का मॉडल भारत में बिना सोचे-समझे लागू कर दिया है। इससे अपने लोगों को सेना में एंट्री दी जा रही है। हिटलर ने भी ऐसा ही किया था और एसएस आर्मी में अपने लोग भर्ती किए थे। ये भी उसी तरह की कहानी है। इस प्रयोग से भारतीय सेना कमजोर होगी। युवाओं का कुछ भी भला नहीं होगा। विंग कमांडर अनुमा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने छद्म राष्ट्रवाद चलाकर राष्ट्रवाद की डीलरशिप लेने की कोशिश की है। यह पूरी तरह गलत है। हमने 1947 से 2014 तक हमने डेढ़ हजार से ज्यादा जहाज खरीदे। उसके बाद की सरकार ने सिर्फ 26 रफाल विमान खरीदे। उसका भी खूब प्रचार किया। उन्होंने कहा कि हम नहीं जानते यह संयोग है या प्रयोग, लेकिन जब भी भाजपा की सरकार होती है तभी कारगिल होता है, तभी संसद पर हमला होता है, तभी पुलवामा, उरी में हमले होते है। इस दौरान कांग्रेस विधायक विपिन वानखेड़े ने भी अपनी बात रखी।

भारत जोड़ो यात्रा इवेंट नहीं मूवमेंट है

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा को भाजपा एक इवेंट बता रही है। लेकिन यह एक मूवमेंट है, इवेंट नहीं। यह भारतीय राजनीति और कांग्रेस में बदलाव लाएगी। 140 दिनों का कोई इवेंट नहीं होता। यदि भाजपा इसे इवेंट मान रही है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह पैदल चलकर दिखाए।

सुकेश चंद्रशेखर धन शोधन मामला

दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश हुईं नोरा फतेही

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। अभिनेत्री नोरा फतेही कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और सहयोगियों के खिलाफ चल रही धन शोधन जांच के सिलसिले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए शुक्रवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश हुईं. ये तीसरी बार है जब नोरा फतेही को ईडी मुख्यालय बुलाया गया है. दरअसल नोरा को ईडी ने अपनी चार्जशीट में गवाह बनाया था. सूत्रों के मुताबिक चंद्रशेखर के बारे में पूछताछ की जाएगी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत उनका बयान दर्ज किया जाएगा.

ईडी ने इस मामले में दायर अपने पहले के आरोपपत्र में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को एक आरोपी के रूप में नामित किया था, जबकि फतेही का बयान उसी अभियोजन पक्ष की शिकायत में शामिल था.

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि 32 वर्षीय चंद्रशेखर ने फर्नांडीज के लिए उपहार खरीदने के लिए अवैध धन का इस्तेमाल किया, जो उसने फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह सहित हाई-प्रोफाइल लोगों को धोखा देकर कमाया था. यह राशि करीब 200 करोड़ रुपये की थी. चंद्रशेखर को ईडी ने गिरफ्तार किया था. जबकि दिल्ली की एक स्थानीय अदालत ने इस मामले में गिरफ्तार पिंकी ईरानी को तीन दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेजा है.

दिल्ली की एक अदालत ने चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को यह कहते हुए नियमित जमानत दे दी थी कि आरोपी को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया था, इसलिए यह जमानत देने का मामला बनता है. बता दें ईओडब्ल्यू ने जबरन वसूली मामले में फर्नांडीज से सितंबर में पूछताछ की थी.

धार्मिक स्थल पर मूर्ति खंडित, सामान सड़क पर फेंका, भावनाएं भड़काने का केस दर्ज

हिसार, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले के गांव सलेमगढ़ स्थित एक धार्मिक स्थल में आठ मूर्तियों के खंडित करने का मामला सामना आया है। इतना ही नहीं असामाजिक तत्वों ने धार्मिक प्रतिक को भी उखाड़ कर खेतों में फेंक दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष है। सुबह पुजारी धार्मिक स्थल पहुंचे तो घटना का पता चला। सूचना मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। सदर थाना पुलिस ने बलजीत की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज किया है।

जाति आधारित नाम वाले विद्यालयों का नाम बदलेगी पंजाब सरकार

चंडीगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने राज्य के उन सभी सरकारी विद्यालयों के नाम बदलने का आदेश जारी किया है, जिनका नाम किसी जाति और बिरादरी के आधार पर रखा गया है. उन्होंने कहा कि इससे समाज में जातिगत अलगाव को बढ़ावा देते हैं. बैंस ने यहां एक बयान में कहा, ''राज्य के कई सरकारी विद्यालयों के नाम किसी जाति से जुड़े होने के कई मामले सामने आए हैं.'' उन्होंने कहा कि पंजाब के सरकारी विद्यालयों में सभी विद्यार्थियों को समानता के आधार पर शिक्षा दी जा रही है, इसलिए सरकारी विद्यालयों के नाम किसी विशेष वर्ग या जाति से संबंधित नहीं हो सकते.

माता-पिता ने लगाया लव जिहाद का आरोप

बेटी ने कहा- 'रिहान से प्यार करती हूं'

बेंगलुरु, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कनार्टक से एक लव जिहाद का मामला प्रकाश में आया है। जहां लड़की के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि एक मुस्लिम लड़के ने बहला फुसलाकर मेरी बेटी को भगा ले गया है। लड़की के माता-पिता का आरोप है कि उनकी बेटी लव जिहाद का शिकार हुई है। पुलिस के अनुसार रायचूर शहर के नेताजीनगर मोहल्ले की रहने वाली भारती की मंगनी हुविनाहादगली के एक हिंदू युवक से हुई थी। लेकिन भारती उसी के साथ फूल की दुकान पर काम करने वाले रिहान के साथ फरार हो गई। रिहान और भारती ने 6 नवंबर को हैदराबाद शहर में रजिस्ट्रार कार्यालय में शादी कर इस्लाम कबूल कर लिया।

जबरन इस्लाम कबूल करने का दबाव

परिजनों ने स्थानीय पुलिस में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है। इसके बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराई कि रिहान ने उनकी बेटी को शादी के

जाल में फंसाया और उसे जबरन इस्लाम में परिवर्तित कर दिया। पुलिस की पूछताछ में लड़की ने रिहान के खिलाफ सभी आरोपों का खंडन किया। उसने पुलिस को बताया कि वह रिहान से प्यार करती थी और अपनी मर्जी से उससे शादी की। पुलिस ने मामले को बंद कर दिया है और उसके बयान के बाद उन्हें छोड़ दिया है।

लव जिहाद की 400 घटनाओं की सूची जारी

इसी बीच विहिप के संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने गुरुवार को नई दिल्ली में लव जिहाद की 400 से अधिक घटनाओं की सूची जारी किया था। उन्होंने कहा था कि श्रद्धा की हत्या मामले में इसका सबसे खतरनाक मामला सामने आया है। उन्होंने सामाजिक असंतोष और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति खतरे का निर्माण करने वाले लव जिहाद और अवैध धर्मांतरण को रोकने के लिए एक मजबूत केंद्रीय कानून की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि केरल उच्च न्यायालय ने 2010 में लव जिहाद को धर्मांतरण का सबसे खतरनाक रूप बताया था। जैन ने कहा कि इसको मात्र कुछ गलत मानसिकता वाले जिहादी युवकों की क्रूरता कहकर टाला नहीं जा सकता।

चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बची गर्भवती महिला,

छतरपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छतरपुर में चलती कार में अचानक आग लग गई। हादसे में कार के अंदर बैठी गर्भवती महिला की जान बाल-बाल बच गई। जिस वक्त कार में आग लगी उसी दौरान रास्ते से गुजर रहे पुलिसकर्मियों और टीआई ने आग बुझाई। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त महिला अपने परिजनों के साथ कार में सवार होकर जिला अस्पताल जा रही थी। जानकारी के मुताबिक मामला छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र के एनएच 39 बसारी के पास की है, जहां एक गर्भवती महिला को लेकर जा रही मारूति ओमनी कार में आग लग गई। इसी दौरान वहां से थाना टीआई अरविंद दांगी की पुलिस गाड़ी गुजर रही थी। घटना को देखकर उन्होंने गाड़ी रोकी और मौके पर पहुंचकर गाड़ी में लगी आग बुझाई और गर्भवती महिला सहित परिजनों का रेस्क्यू कर बाहर निकाला।

मनी लॉन्ड्रिंग केस: ईडी ने झारखंड की आईएएस अधिकारी की 82.77 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जेल में बंद झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की 82.77 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति धनशोधन रोकथाम कानून के तहत कुर्क की है. इन संपत्ति में एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, एक डायग्नोस्टिक सेंटर और रांची में दो भूखंड शामिल हैं. ईडी ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा सिंघल 2000 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी हैं और उन्हें मनरेगा योजना में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के आरोप में 11 मई को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था.

एजेंसी ने उनके परिसरों के अलावा उनके कारोबारी पति और एक चार्टर्ड एकाउंटेंट के यहां भी छापे मारे थे. इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं.

अब तक की जांच में क्या मिला?

सिंघल और अन्य के खिलाफ धनशोधन का मामला झारखंड पुलिस और सतर्कता ब्यूरो की प्राथमिकी (एफआईआर) पर आधारित है. ईडी के अनुसार जांच में पाया गया कि मनरेगा घोटाले में अपराध की आय पूजा सिंघल और उनके रिश्तेदारों के विभिन्न बैंक खातों में जमा की गई थी... पूजा सिंघल ने अपनी आय के ज्ञात स्रोत से काफी अधिक संपत्ति अर्जित की और इन अचल संपत्तियों में निवेश किए गए धन का स्रोत मुख्य रूप से अपराध से हुई आय से संबंधित था. सिंघल 2009-2010 में खूंटी की उपायुक्त थीं. इंडियन एक्सप्रेस ने ईडी सूत्रों के हवाले से कहा कि 2007-2013 के दौरान उनके खिलाफ अनियमितताओं के कई आरोप थे. ईडी ने अदालत को बताया खा कि विभिन्न वित्तीय वर्षों में जमा की गई नकदी वेतन से अधिक थी. ईडी ने कोर्ट को बताया, पूजा सिंघल और अभिषेक झा के (बैंक) खातों में इस अवधि के दौरान 1.43 करोड़ रुपये की बड़ी नकदी जमा है.

मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सोरेन से भी हुई है पूछताछ

ईडी राज्य में कथित अवैध खनन में धनशोधन के एक अन्य मामले में भी नौकरशाह की भूमिका की जांच कर रहा है. एजेंसी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एक राजनीतिक सहयोगी और दो अन्य को खनन मामले में गिरफ्तार किया है तथा सोरेन से पूछताछ की है.

कोरोना वायरस महामारी ने टीनएजर्स पर डाला गहरा असर

समय से पहले कर दिया बूढ़ा दिमाग

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। महामारी से जुड़े तनावों ने किशोरों के दिमाग की उम्र को बढ़ा दिया है जिसके भविष्य में गंभीर परिणाम हो सकते हैं. एक नई स्टडी में कहा गया है कि इन तनावों के चलते किशोर उम्र के बच्चों से उनकी चंचलता और चपलता छिन गई. साथ ही उन्होंने वयस्क लोगों की तरह ज्यादा सोचना शुरू कर दिया. अध्ययन (स्टडी) में नए निष्कर्षों के हवाले से बताया कि किशोरों पर महामारी के न्यूरोलॉजिकल और मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव और भी बदतर हो सकते हैं. इन्हें बायोलॉजिकल साइकेट्री: ग्लोबल ओपन साइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, अमेरिका के अध्ययन के अनुसार, अकेले 2020 में वयस्कों में चिंता और अवसाद की रिपोर्ट में पिछले वर्षों की तुलना में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है.

इस संबंध में शोध पत्र के प्रथम लेखक, इयान गोटलिब ने कहा, ''हम पहले से ही वैश्विक शोध से जानते हैं कि महामारी ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है लेकिन हमें नहीं पता था कि क्या असर डाला है या महामारी ने उनके दिमाग को भौतिक रूप से कितना प्रभावित किया.''

कोर्टेक्स में टिश्यू हो जाते हैं पतले

गोटलिब ने कहा कि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, मस्तिष्क की संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक रूप से होते हैं. यौवन और शुरुआती किशोरावस्था के दौरान, बच्चों के शरीर, हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला (मस्तिष्क के क्षेत्र जो क्रमशः कुछ यादों तक पहुंच को नियंत्रित करते हैं और भावनाओं को व्यवस्थित करने में मदद करते हैं) दोनों में वृद्धि का अनुभव करते हैं. उसी समय, कोर्टेक्स में टिश्यू पतले हो जाते हैं. महामारी से पहले और उसके दौरान लिए गए 163 बच्चों के एक समूह के एमआरआई स्कैन की तुलना करके गोटलिब के अध्ययन से पता चला कि लॉकडाउन के अनुभव के कारण किशोरों में विकास की ये प्रक्रिया तेज हो गई. उन्होंने कहा, ''अब तक मस्तिष्क की आयु में इस प्रकार के त्वरित परिवर्तन केवल उन बच्चों में प्रकट हुए हैं जिन्होंने लंबे समय तक विपरीत हालात का सामना किया चाहे वह हिंसा, उपेक्षा, पारिवारिक शिथिलता या ऐसे ही कोई अन्य कारक हों.'

ये स्पष्ट नहीं कि परिवर्तन स्थायी है

गोटलिब ने कहा कि इन अनुभवों को जीवन में बाद में खराब मानसिक स्वास्थ्य परिणामों से जोड़ा जाता है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि स्टैनफोर्ड टीम ने जो मस्तिष्क संरचना में बदलाव देखे हैं, वे मानसिक स्वास्थ्य में बदलाव से जुड़े हैं. उन्होंने कहा , ''यह भी स्पष्ट नहीं है कि परिवर्तन स्थायी हैं.'' गोटलिब स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्टैनफोर्ड न्यूरोडेवलपमेंट, अफेक्ट और साइकोपैथोलॉजी (एसएनएपी) प्रयोगशाला के निदेशक भी हैं. उन्होंने कहा, ''क्या उनकी कालानुक्रमिक आयु अंततः उनके 'मस्तिष्क की आयु' तक पहुंच जाएगी? यदि उनका मस्तिष्क स्थायी रूप से उनकी कालानुक्रमिक आयु से अधिक पुराना है, तो यह स्पष्ट नहीं है कि भविष्य में परिणाम क्या होंगे. 70 या 80 वर्षीय एक व्यक्ति के लिए, आप मस्तिष्क में परिवर्तन के आधार पर कुछ संज्ञानात्मक और स्मृति समस्याओं की अपेक्षा करेंगे, लेकिन 16 वर्षीय व्यक्ति के लिए इसका क्या अर्थ है यदि उनका दिमाग समय से पहले बूढ़ा हो रहा है?'' गोटलिब ने समझाया कि मूल रूप से उनका अध्ययन मस्तिष्क संरचना पर कोविड-19 के प्रभाव को देखने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया था. महामारी से पहले, उनकी प्रयोगशाला ने यौवन के दौरान अवसाद पर एक दीर्घकालिक अध्ययन में भाग लेने के लिए सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र के आसपास के बच्चों और किशोरों के एक समूह को भर्ती किया था- लेकिन जब महामारी आई, तो वह नियमित रूप से निर्धारित एमआरआई स्कैन नहीं कर सके.

किशोरों में गंभीर आंतरिक मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं

गोटलिब ने कहा, ''यह तकनीक तभी काम करती है जब आप मानते हैं कि 16 साल के बच्चों का दिमाग कॉर्टिकल मोटाई और हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला वॉल्यूम के संबंध में महामारी से पहले 16 साल के बच्चों के दिमाग के समान है.'' उन्होंने बताया, ''हमारे डेटा को देखने के बाद, हमने महसूस किया कि ऐसा नहीं हैं. महामारी से पहले मूल्यांकन किए गए किशोरों की तुलना में, महामारी खत्म होने के बाद मूल्यांकन किए गए किशोरों में न केवल अधिक गंभीर आंतरिक मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं थीं, बल्कि कॉर्टिकल मोटाई, बड़ा हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला भी कम हो गया था और दिमाग की उम्र भी बढ़ गई थी.''अमेरिका के कनेक्टिकट विश्वविद्यालय के सह-लेखक जोनास मिलर ने कहा, इन निष्कर्षों के बाद के जीवन में किशोरों की एक पूरी पीढ़ी के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं. मिलर ने कहा, ''किशोरावस्था पहले से ही मस्तिष्क में तेजी से बदलाव की अवधि है, और यह पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, अवसाद और जोखिम व्यवहार की बढ़ी हुई दरों से जुड़ी हुयी है.'' अध्ययन में कहा गया है कि जिन बच्चों ने महामारी का अनुभव किया है, अगर उनके दिमाग में तेजी से विकास होता है, तो वैज्ञानिकों को इस पीढ़ी से जुड़े भविष्य के किसी भी शोध में विकास की असामान्य दर को ध्यान में रखना होगा.

युवक ने शराब की दुकान पर की फायरिंग

जान बचाकर भागे कर्मचारी, सीसीटीवी में कैद हुआ पूरा नजारा

सतना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सतना जिले के कोलगंवा थाना क्षेत्र में स्थित बाबूपुर गांव में गोली चलने से सनसनी फैल गई। एक युवक बाइक से शराब दुकान पहुंचा और काउंटर में बैठे कर्मचारियों को निशाना बनाकर एक एक कर दो फायर कर दिए। हालांकि राहत की बात ये है कि गोली किसी कर्मचारी को नहीं लगी। सभी कर्मचारी जान बचाकर भाग निकले। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। मामला गुरुवार रात बाबूपुर में खुली लाइसेंसी शराब दुकान का है। आरोपी की पहचाना पतौरा गांव निवासी सागर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोपहर को सागर सिंह शराब दुकान पहुंचा था और कीमत को लेकर कर्मचारियों से बहस हुई थी। रात में सागर दुकान पहुंचा और बाइक से उतरकर बंदूक से शराब दुकान पर दो फायर दाग दिए। गोली चलते ही शराब दुकान के कर्मचारी जान बचाकर भागे। हालांकि आरोपी दोबारा बंदूक लोड कर पहुंचा लेकिन कोई कर्मचारी दुकान में नहीं था। करीब दस मिनट तक आरोपी दुकान के आसपास रहा, शराब के नशे में आरोपी झूमता दिखा। दुकान से कुछ ही दूरी पर बाबूपुर चौकी थी, लेकिन पुलिस नहीं पहुंची और आरोपी फरार हो गया। घटना की लिखित शिकायत बाबूपुर चौकी में की गई है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: प्रारम्भिक जीवन में कुछ असफलताएं उठाने से बहुत बड़ा व्यावहारिक लाभ होता है।

भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है टीआरएस : बंडी

लोगों से की उस दुष्प्रचार पर धयान न देने की अपील

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज टीआरएस नेताओं के उस प्रचार को खारिज कर दिया कि अगर अगले चुनाव में भाजपा सत्ता में आती है तो कल्याणकारी योजनाओं को खत्म कर दिया जाएगा। अपनी प्रजा संग्राम यात्रा के पांचवें दिन निर्मल जिले के कुंतला ब्लॉक के नंदन गांव में लोगों से बातचीत करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि टीआरएस सरकार वास्तव में सभी वर्गों के लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में विफल रही है। रैतु बंधु, रैतु बीमा और फसल बीमा जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन में कई खामियां हैं। धरनी पोर्टल त्रुटियों से भरा है, जिससे लाखों किसानों को अनगिनत समस्याएं होती हैं। इसी तरह, हजारों किसान रायथु बंधु और रायथु बीमा से लाभ प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं।

संजय ने कहा कि टीआरएस नेताओं के दुर्भावनापूर्ण अभियान में कोई सच्चाई नहीं है कि भाजपा सत्ता में आने पर सभी कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देगी। न केवल टीआरएस द्वारा शुरू की गई योजनाएं, हम पिछली सरकारों द्वारा शुरू की गई किसी भी कल्याणकारी योजना को नहीं रोकेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तव में, हम उन्हें अनियमितताओं और खामियों के लिए बिना किसी गुंजाइश के बेहतर तरीके से लागू करेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना में लागू की जा रही कई योजनाओं को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने शुरू किया था। केंद्र ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तेलंगाना को 2.40 लाख घरों को मंजूरी दी और 4,000 करोड़ रुपये जारी किए। महाराष्ट्र में, एक साल के भीतर हजारों घरों का निर्माण किया गया और गरीबों द्वारा उनका उद्घाटन किया गया, लेकिन तेलंगाना में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने इस योजना की पूरी तरह अनदेखी की है। उन्होंने अपने लिए एक विशाल फार्महाउस बनवाया, लेकिन गरीबों के लिए घर बनाने में असफल रहे। उसे लोगों को धोखा देने और उनके वोट बटोरने की जरूरत है।

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि तेलंगाना के गांवों में स्कूल, सड़क, उचित बिजली आपूर्ति, परिवहन सुविधा जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है। यह आरोप लगाते हुए कि केसीआर लोगों के बीच पैसा बांटकर सत्ता में वापस आने की सोच रहे हैं, जैसा कि उन्होंने हाल के मुनुगोडे उपचुनाव में किया था, भाजपा अध्यक्ष ने लोगों से अपने विवेक के अनुसार मतदान करने की अपील की। केसीआर द्वारा दिया गया पैसा ले लो, लेकिन मतदान करने से पहले दो बार सोचो। हम आपसे भाजपा को अंतर देखने का मौका देने की अपील कर रहे हैं। इससे पहले, ग्रामीणों ने संजय के सामने यह कहते हुए अपनी व्यथा रखी कि उन्हें केसीआर द्वारा किए गए वादे के अनुसार किसी भी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। बमनी गांव में संजय ने बीड़ी मजदूरों के मुद्दों को समझने के लिए उनके साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि चौबीसों घंटे काम करने के बावजूद वे दयनीय जीवन जी रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सत्ता में आने पर उनके मुद्दों को सहानुभूतिपूर्ण तरीके से हल करेगी।

विकलांग, बुजुर्ग और ट्रांसजेंडर कल्याण विभाग के लिए शासनादेश जारी : कोप्पुला

जगतियाल, 2 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने शुक्रवार को कहा कि वह विकलांगों, बुजुर्गों और ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक अलग विभाग बनाने से खुश हैं। शनिवार को निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के अवसर पर, राज्य सरकार ने इन वर्गों को महिला और बाल कल्याण विभाग से अलग करते हुए शुक्रवार को जारी जीओ एमएस नंबर 34 के माध्यम से विकलांग, वृद्ध और ट्रांसजेंडर कल्याण विभाग की स्थापना की।

पत्रकारों से बात करते हुए, ईश्वर ने जीओ जारी करके विकलांगों, बुजुर्गों और ट्रांसजेंडर समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावको धन्यवाद दिया। ये तबके लंबे समय से सरकार से अलग विभाग गठित करने की मांग कर रहे थे।पिछले साल विकलांग दिवस समारोह में भाग लेने के दौरान उन्होंने एक अलग विंग स्थापित करने का वादा किया था. इस प्रक्रिया को पूरा करने में एक साल का समय लगा।

वाईएस शर्मिला ने डीजीपी से की मुलाकात, पदयात्रा के लिए मांगी सुरक्षा

डीजीपी से की मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करती हुईं वाईएसआरटीपी की अध्यक्षा वाईएस शर्मिला।

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज पुलिस महानिदेशक एम. महेंद्र रेड्डी से मुलाकात की और उनसे उनकी पदयात्रा को सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। उसने डीजीपी को बताया कि पुलिस ने उन लोगों को जाने दिया जिन्होंने उन पर और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला किया और कहा कि वे पीड़ितों को इलाज के लिए हैदराबाद ले आए।

शर्मिला ने कहा कि उन्हें शहर की पुलिस ने तब गिरफ्तार किया जब वह प्रगति भवन में मुख्यमंत्री से मिलने जा रही थीं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या दोस्ताना पुलिस सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के नेताओं के लिए मायने रखती है? उन्होंने कहा कि वह चार दिसंबर को अपनी पदयात्रा फिर से शुरू करेंगी और इसे 14 दिसंबर तक जारी रखेंगी।

टीआरएस नेताओं ने केसीआर की जनसभा के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जुटाने को कहा

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के . चंद्रशेखर राव 9 दिसंबर को एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला रखने के बाद राजेंद्र नगर में तेलंगाना पुलिस ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करने जा रहे हैं, पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव टीआरएस नेताओं से जनसभा के लिए बड़ी संख्या में लोगों को मोबाइल पर भेजने और कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने को कहा है। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने शुक्रवार को यहां विधायकों, एमएलसी और जीएचएमसी नगरसेवकों सहित हैदराबाद टीआरएस नेताओं के साथ बैठक की और जनसभा के लिए लोगों को जुटाने के बारे में चर्चा की। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री शहर के माइंड स्पेस में एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे और बाद में उस दिन राजेंद्रनगर में जनसभा को संबोधित करेंगे। 6,250 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाली यह एक प्रतिष्ठित परियोजना है। प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर हवाई यात्रियों और आईटी कर्मचारियों के लिए मददगार होगा। तलसानी ने कहा कि यह परियोजना इतिहास में बनी रहेगी क्योंकि यह शहर में मौजूदा मेट्रो नेटवर्क के विपरीत राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेताओं को एक-दूसरे के साथ जिम्मेदारियों को साझा करना चाहिए और बड़ी संख्या में लोगों को जुटाकर जनसभा को भव्य रूप से सफल बनाना चाहिए।

ग्राहकों को धोखा देने के आरोप में रियाल्टर बी. लक्ष्मीनारायण गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ईओडब्ल्यू टीम, सीसीएस, डीडी हैदराबाद ने साहिति इंफ्राटेक वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रियाल्टार बी. लक्ष्मीनारायण को ग्राहकों को प्री-लॉन्च ऑफर योजनाओं के साथ अमीनपुर गांव में उनकी परियोजना साहिती के सरवानी एलीट की सीमा में 38 मंजिलों के हाई राइज अपार्टमेंट के 1200 वर्ग फीट से लेकर 1700 वर्ग फीट तक के डबल / ट्रिपल बेडरूम का लालच देने के लिए गिरफ्तार किया। उन्होंने एचएमडीए/जीएचएमसी से उचित अनुमति के बिना और 1700 से अधिक पीड़ितों/ग्राहकों से लगभग 539 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं।

जब परियोजना अमल में नहीं आई और पीड़ितों ने राशि वापस करने का आग्रह किया, तो उन्होंने एकत्रित राशि को 15% से 18% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सहित वापस करने का वादा किया और उक्त गणना की गई राशि के लिए चेक भी जारी किए और अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे। साहिती की सरवानी एलीट की परियोजना के अलावा, मेसर्स सहिति इंफ्राटेक वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड ने भी हैदराबाद के आसपास के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाएं शुरू कीं और अब तक साहिती इंफ्राटेक ने विभिन्न परियोजनाओं में 2500 से अधिक ग्राहकों को 900 करोड़ रुपये का चूना लगाया।

हैदराबाद सिटी पुलिस ने जनता से रियल एस्टेट कंपनियों द्वारा पेश किए जा रहे इस तरह के प्री-लॉन्च ऑफर के झांसे में नहीं आने की अपील की। पुलिस ने जनता को किसी भी फ्लैट/प्लट को खरीदने से पहले ऊंची इमारतों के निर्माण के लिए आवश्यक सभी प्रकार की अनुमतियों की जांच करने की सलाह दी और किसी भी जालसाजों के शिकार नहीं होने की सलाह दी।

टीपीसीसी प्रमुख रेवंत से मिले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने आज टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं ने एक घंटे तक चर्चा की। दोनों की चर्चा पार्टी सुप्रीमो राहुल गांधी की चल रही भारत जोड़ो पदयात्रा और देश के राजनीतिक हालात के इर्द-गिर्द घूमती है। इस मौके पर चव्हाण ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी को सत्ता में आना चाहिए। बैठक में पूर्व सांसद मल्लू रवि भी शामिल हुए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Service No. 6949643H, NK RAMA KRISHNA MARISETTI, S/o. Late Konda Marisetti, Residing at Panduru Village,Post, Kotavuratla mandal, Visakhapatnam-531 085, A.P., my Wife name changed from SURYA KALA to SURYA KALA MARISETTI, my elder daughter name changed from M HEMA LATHA to HEMA LATHA MARISETTI, and my younger daughter name changed from M KAVYA to KAVYA MARISETTI

I, MOHAMMED JAFFAR R/o, 18-8-251/69-70, HABEEB NAGAR, RIYASATH NAGAR, Hyd T.S, CHANGE NAME AS MOHAMMED JAFAR.

I, MOHAMMED MAZAHARALI R/o, 8-14-44, MUSTAFA NAGAR, FALAKNUMA, Hyd T.S, CHANGE NAME AS MOHAMMED MAZHAR S/o.MOHAMMED ISMAIL.

I, SUDHANSHU SUGANDHI, R/o.8-2-293/82/A/1055, Rd No.52, JUBILEE HILLS, HYD, T.S, CHANGE MY CHILD NAME FROM SHAURYA SUGANDHI TO GAURAV SUGANDHI S/o.SUDHANSHU SUGANDHI.

I, MOAZZAM KHAN, R/o.19-2-81/B/28, Ranjan Cly, Jahanuma, Hyd, T.S, changed my name as MOUZZAM KHAN S/o.AZAM KHAN.

I, M.Laxmi D/o. M.Ramulu R/o. H.No. 18-7-609/B/1, Uppuguda, Hyd. Have Changed After Marriage My Name As "Akula aparna W/o. Akula babu rao.

(Ro.No.6144132)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवाचन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

डीएससी-2008 चयनित अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन, नियुक्ति पत्र की मांग

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीएससी-2008 के चयनित उम्मीदवारों ने आज यहां इंदिरा पार्क में धरना दिया। आंदोलनकारियों की मांग है कि राज्य सरकार उन्हें नियुक्ति आदेश दे। प्रत्याशियों ने अपने बच्चों के साथ धरना दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, बीएड मेरिट छात्र संघ के अध्यक्ष उमा महेश्वर रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने उनके साथ न्याय करने का वादा किया था, लेकिन अपना वादा पूरा करने में विफल रहे। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने उनकी फाइल भी स्थानांतरित कर दी थी, लेकिन नियुक्ति पत्र देने की पूरी प्रक्रिया को राज्य सरकार ने अचानक रोक दिया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने अपने राज्य के उम्मीदवारों को नौकरी प्रदान की थी। उन्होंने राज्य सरकार को बताया कि हाईकोर्ट ने तत्कालीन राज्य सरकार से भी सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने को कहा था।

ईमानदार हैं तो अपनी सरकार भंग करें केसीआर : पोन्नम

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पोन्नम प्रभाकर ने आज मांग की कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव अपनी सरकार को खत्म कर दें, अगर वह अपनी बेटी और टीआरएस एमएलसी कविता का नाम सनसनीखेज शराब घोटाले में आने के बाद ईमानदार और राजनीतिक हैं। पोन्नम ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के परिवार ने जमीन घोटाला, बालू घोटाला और शराब घोटाला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र दोनों सरकारें शराब घोटाले में नाटक कर रही हैं और कहा कि कविता को गिरफ्तार करने की खुली चुनौती देने के बावजूद केंद्र सरकार उन्हें गिरफ्तार नहीं कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कविता शराब घोटाले में आरोपों का सामना करने के बावजूद गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही थीं और कहा कि शराब घोटाले में उनका नाम आने के बाद उन्हें अपने एमएलसी पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। राज्य के मंत्री गंगुला कमलाकर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री सीबीआई और ईडी के मामलों में व्यस्त हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार किसानों से किए गए वादों को पूरा करे और कहा कि उनकी पार्टी राज्य के किसानों के साथ खड़ी रहेगी।

केटीआर ने कुकटपल्ली में विकास कार्यों का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने शुक्रवार को कुक्कटपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में 28.51 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। बोवेन चेरुवु और मानसरोवर नाला 'टी' जंक्शन के चारों ओर एक रिटेनिंग वॉल के लिए नींव का पत्थर रखा गया है, जिसे 4.48 करोड़ रुपये की लागत से लिया जाएगा और बोवेनपल्ली में अली कांप्लेस से आरआर नगर प्राग टूल्स तक 5.5 करोड़ रुपये की लागत से तूफानी जल निकासी का काम किया जाएगा। रंगदामुनि चेरुवु और एचआईजी पार्क में 2 करोड़ रुपये के 9.80 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। केपीएचबी फेज 7 में 3.23 करोड़ रुपये से विकसित श्मशान घाट और केपीएचबीफेज 114 में वार्ड नंबर 114 में 1.5 करोड़ रुपये से विकसित शटल कोर्ट का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रमों में महापौर जी. विजयलक्ष्मी, कुक्कटपल्ली विधायक माधवरम कृष्ण राव, एमएलसी नवीन कुमार और अन्य ने भाग लिया।

खबरदार! साइबराबाद शी टीमों की बदमाशों पर पैनी नजर

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद शी टीमें शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। ग्यारह शी टीमें साइबराबाद में काम कर रही हैं और सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव करने वालों पर पैनी नजर रखती हैं।

नवंबर 2022 में, शी टीमों को व्हाट्सएप, ईमेल, हॉकआई, डायरेक्ट वॉक-इन आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से महिला पीड़ितों से 98 शिकायतें मिलीं और सभी शिकायतों पर कार्रवाई की गई और गुण-दोष के आधार पर उनका निपटान किया गया। 29 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से चार आपराधिक हैं और 25 छोटे मामले और 477 कांडों का संचालन विभिन्न स्थानों जैसे बस स्टॉप, शॉपिंग मॉल, रेलवे स्टेशनों, ट्यूटोरियल, कॉलेजों में किया गया और 31 बदमाशों को अभद्रता करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया सार्वजनिक स्थान पर अधिनियम और चार छोटे मामले दर्ज किए गए और शेष को परामर्श के लिए भेजा गया।

शी टीमें नियमित रूप से फूड कोर्ट, महिला छात्रावास क्षेत्रों, सॉफ्टवेयर कंपनियों, मेट्रो स्टेशनों, 100 फीट रोड माधापुर, कुकटपल्ली क्षेत्र के बस स्टॉप और अन्य हॉट स्पॉट पर रात्रिकालीन अभियान चलाती हैं और कुल 60 सदस्यों को रात के समय अश्लील हरकत करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया और 59 छोटे मामले दर्ज किए गए और शेष को काउंसलिंग के लिए भेजा गया। करीब 349 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 25,520 लोगों को संबोधित किया गया। 16 याचिकाओं में फोन पर रुख बदलने की चेतावनी दी गई थी। एक बाल विवाह रुकवाया गया और उनके माता-पिता को समझाइश दी गई। महिला एवं बाल सुरक्षा विंग, साइबराबाद में तीन परामर्श सत्र आयोजित किए गए, जिसमें 126 उत्तरदाताओं ने भाग लिया। सभी उत्तरदाताओं ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ आयुक्त कार्यालय, गाचीबोवली में साइबराबाद एसएचई टीमों द्वारा आयोजित परामर्श सत्र में भाग लिया।

अधिकांश पीड़ित महिलाओं ने व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर एसएचई टीमों द्वारा किए गए अच्छे काम की सराहना की है। साइबराबाद शी टीमें छेड़छाड़, पीछा करने या किसी अन्य अत्याचार से पीड़ित सभी महिलाओं से मोबाइल नंबर 9490617444 या डायल 100 पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर या sheteam.cyberabad@gmail.com पर ई-मेल भेजकर शी टीमों से संपर्क करने का अनुरोध करती हैं।

जग्गा रेड्डी ने खरीद-फरोख्त की रणनीति के लिए भाजपा पर निशाना साधा

हैदराबाद, 2 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के विधायक टी. जग्गा रेड्डी ने भाजपा की खरीद-फरोख्त की रणनीति के लिए उसकी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस नेताओं को पार्टी में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष कुमार को विशेष जांच दल ने टीआरएस विधायक अवैध शिकार मामले में नोटिस जारी किया था। जग्गा रेड्डी ने कहा, लेकिन संतोष कुमार अदालत के आदेशों को औजार के रूप में इस्तेमाल कर जांच से बचने की कोशिश कर रहे हैं। शुक्रवार को यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, कांग्रेस विधायक ने तेलंगाना में अशांति पैदा करने की कोशिश करने के लिए वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की नेता वाईएस शर्मिला को दोषी ठहराया। विभाजन के आठ साल बाद भी, आंध्र के सभी मूल निवासी तेलंगाना में खुशी से रह रहे थे। लेकिन वाईएस शर्मिला राजनीतिक लाभ लेने के लिए ओछी बातें कर रही हैं, जो तेलंगाना में काम नहीं कर रहा है। कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में कई मुद्दे थे और उन्होंने आसानी से उन समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया और यहां तेलंगाना में मुद्दों को उठाकर एक झूठी छवि पेश करने की कोशिश की। जग्गा रेड्डी ने कहा कि वाईएस शर्मिला निश्चित रूप से भाजपा के इशारों पर नाच रही हैं।

अपनी फसल महाराष्ट्र में बेच रहे हैं तेलंगाना के किसान

भैंसा, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना का कपास व्यापर से मशहूर प्रान्त रहा भैंसा अब फीका पड़ता दिखाई दे रहा है। भैंसा के जिनिंग व्यापारियों ने शुक्रवार को कपास का भाव ऊँचे में प्रति क्विंटल 8 हजार 7 सौ रुपये दिया है और पडोसी राज्य माहराष्ट्र जो भैंसा से करीब की सीमा पर पड़ता है, धर्माबाद वहां के व्यापारियों ने कपास का भाव 9 हजार 2 सौ रुपये प्रति क्विंटल दिया। इस बात की जानकारी पाते ही तेलंगाना के किसान अपनी फसल को लेकर महाराष्ट्र पहुँच रहे हैं। शुक्रवार को निर्मल जिले से कुछ किसान गए, जिनकी कपास ऊँचे भाव में बिकी और किसान का सम्मान भी किया गया।

नीतीश की सभा में हंगामा

कुर्सियां भी चलीं, सीटीईटी कैंडिडेट्स कर रहे थे प्रदर्शन, सीएम बोले- सरकार सबका कल्याण करेगी

मुजफ्फरपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कुढ़नी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभा में जमकर हंगामा हुआ। सभा में जमकर कुर्सियां चलीं। यहां सीटीईटी अभ्यर्थी नौकरी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। तभी पुलिस ने उन्हें वहां से हटने के लिए कहा। इसी बात पर वो हंगामा करने लगे। जनसभा में मौजूद कार्यकर्ताओं ने कुर्सी मारकर अभ्यर्थियों को भगाया। मंच से कैंडिडेट्स को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यहां चुनाव हो रहा है ये सब नहीं मत कीजिए। सरकार सबका कल्याण करेगी। जितना तेजी से काम हो रहा है तो उसकी चिंता मत कीजिए। तेजस्वी यादव ने भी आश्वासन दिया कि सब हो गया है। आप लोग चिंता मत कीजिए। कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मनोज कुशवाहा को सात दलों का समर्थन है। घर-घर जाकर सबकी बात सुन रहे हैं। सरकार सबका कल्याण करेगी। जितना तेजी से काम हो रहा है तो उसकी चिंता मत कीजिए। काम तो सरकार करती रहेगी और करती रहती है। कौन इलाका है तो जिसमें सरकार ने काम नहीं किया हैं। 39 पंचायत की जगह सीएम ने 29 पंचायत कहा। फिर माफी मांगी। ये सबसे बड़ी पंचायत है। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने लोगों से मनोज कुशवाहा को जीताने की अपील की। उन्होंने कहा कि सब लोग एकजुट हो चुके हैं।

बेतुके बोल के चलते फिर फंसे आजम खान

अजन्मे बच्चे पर बयान के बाद महिला ने दर्ज करवाया केस

रामपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी नेता आजम खान के खिलाफ रामपुर के गंज थाने में एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। उन पर आरोप है कि रामपुर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी आसिम रजा के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए महिलाओं को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी।

रामपुर के डीएसपी अनुज कुमार चौधरी ने बताया, "29 नवंबर को चुनावी सभा में सपा नेता के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए आजम खान द्वारा की गई एक टिप्पणी पर महिलाओं में आक्रोश था। शहनाज नाम की एक महिला ने थाने में तहरीर दी है। मामले में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज़ कर लिया गया है।" डीएसपी ने बताया, "शिकायतकर्ता ने कहा कि आजम खान ने कहा था कि मैं पिछली 4 सरकारों में मंत्री था और अगर मैं पावर का उपयोग करता तो अजन्मे बच्चे अपनी मां

से पूछते कि मां आजम खान से पूछो कि जन्म लेना है की नहीं। फिलहाल इस मामले में आगे की जांच जारी है।" इस बयान को लेकर आजम खान पर धारा 394बी, 354ए, 353ए, 505, 504, 509,125 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता महिला शहनाज ने गंज थाना में केस दर्ज कराते हुए कहा, "आजम खान ने महिला के खिलाफ अभद्र बयान दिया है। हम सबने उन्हें वोट दिया, उन्हें मंत्री बनाया और आज वह इस तरह की बातें बोल रहे हैं। ऐसा लगता है कि उनकी नजर में महिलाओं की कोई इज्जत नहीं है। इस बयान से मुझे तकलीफ हुई है। सभी औरतें एक ही जैसी हैं, सभी मेरी मां बहनें हैं। सब बोल रहे हैं कि उन्हें यह गंदी बात नहीं बोलनी चाहिए थी।"

आजम खान ने मुस्लिम समुदाय के लोगों पर भी दिया था विवादित बयान: इससे पहले आजम खान ने बीजेपी का समर्थन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों पर ताना मारते हुए एक विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा था कि 8 दिसंबर को रामपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद अब्दुल भगवा पार्टी के लिए पोछा लगाएंगे। भाजपा के मंचों पर देखे जा रहे कुरैशी समुदाय के लोगों पर निशाना साधते हुए पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया, "जिनके खिलाफ गोहत्या के 50-50 मामले लंबित हैं, वे आज भाजपा के मंच पर बैठे हैं। भाजपा का गाय प्रेम कहां गया?"

अखिलेश पर बरसे सीएम योगी, डिंपल को बताया बेचारी

कहा- मैनपुरी को समाजवाद नहीं, रामराज्य चाहिए

मैनपुरी, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मैनपुरी के क्रिश्चियन मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उनके निशाने पर समाजवादी पार्टी और सैफई परिवार ही रहा। सीएम योगी ने कहा कि ये जेपी का समाजवाद नहीं है। लोहिया का समाजवाद भी नहीं। सैफई परिवार में समाजवाद के कई ब्रांड हैं। शिवपाल का समाजवाद, जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी लठैत समाजवाद है। रामगोपाल यादव का समाजवाद पूंजीवाद में बदल गया है। अखिलेश यादव का समाजवाद अवसरवादी है।

सीएम योगी ने कहा कि जब भी समाजवादी पार्टी चुनाव हारती है, बेचारी डिंपल को आगे कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में सैफई परिवार से मुक्ति पाने का अवसर है। मैनपुरी को समाजवादी नहीं रामराज्य चाहिए। सीएम योगी ने सभा में आए लोगों से भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य के समर्थन में वोट करने की अपील की।

सपा बौखला गई है- योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मैनपुरी की जनता का उत्साह देख समाजवादी पार्टी बौखला गई है। सपा जब भी चुनाव हारती है, बहाना बनाती है। कभी ईवीएम को तो कभी चुनाव आयोग को। कभी भाजपा के नेताओं को, कभी प्रशासन-पुलिस को दोषी ठहराकर बहाना ढूढ लेती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोगों ने अपना विकास किया। अपने परिवार का विकास किया। मुख्यमंत्री योगी से पहले केंद्रीय राज्यमंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मेरे सपने में मुलायम सिंह आए थे। उन्होंने कहा था कि तुमने और रघुराज ने मेरा अपमान उतना नहीं किया, जितना अखिलेश ने अध्यक्ष पद से हटाकर मेरा अपमान किया। भाजपा को जिताकर मेरे अपमान का बदला लेना।

शिवपाल यादव- हम अखिलेश को पूरा जीवन दे सकते हैं

नेताजी के आदर्शों पर चलना है

इटावा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हम अखिलेश को पूरा जीवन दे सकते हैं, हमें नेताजी के आदर्शों पर चलना है। यह बात शुक्रवार को इटावा जिले में जसवंतनगर क्षेत्र में चल रही जनसभा में कही। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने कोई भी विकास का कार्य नहीं किया है। नेताजी के निधन के बाद यह पहला चुनाव है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान इस क्षेत्र में कभी भी झगड़ा नहीं हुआ है। कार्यकर्ताओं से बोले कि सभा आने वाले लोगों की गाड़ियों को सीओ और एसओ आने से रोक रहा था इनकी धमकी में मत आना। शिवपाल यादव ने विभिन्न मुद्दों पर भाजपा को आड़े हाथों लिया।

शिवपाल बोले कि वोटर लिस्ट से नाम सैकडों की संख्या में नाम काट दिए हैं। कोई भी वायदा पूरा नहीं किया। जनता में किसी का भी विश्वास नहीं जीता है। किसानों को बर्बाद कर दिया है। दो माह से नहरें सूखी पड़ी हैं। करोड़ नौजवानों को नौकरी देने के वायदे पूरे नहीं किए हैं। 15 लाख के झूठे वायदे पर राज कर रहे हैं।

जो समाज और गुरु का नहीं हुआ, किसका होगा

मैनपुरी लोकसभा चुनाव तय कर देगा डिंपल को इतने वोटों से जिताना कि भाजपा की जमानत जब्त हो जाए। भाजपा प्रत्याशी यदि सही शिष्य होता, तो पार्टी छोड़ता ही नहीं। साथ ही, जाने से पहले गुरु से आज्ञा लेकर जाता। जो समाज का नहीं हुआ, गुरु का नहीं हुआ..किसका होगा।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली या लखनऊ की सरकार हो जनता का कोई काम नहीं किया। किसी भी किसान को खाद नहीं मिली है और एक बोरी खाद 1800 रुपए में मिल रही है। पूरी रात गाय और सांड से फसलों को रखवाली नहीं मिल रही है।

एसडीओ एक महीने में कई लाख रुपए की वसूली करता है। ये सरकार मुठ्ठी भर पूंजीपतियों की मदद कर रही है। पुलिस खुलेआम रिश्वत लेती है। चार बार सपा सरकार रही किसी पर छापे मारे गए। इन दोनों भ्रष्ट सरकारों का भविष्य मैनपुरी लोकसभा चुनाव तय करेगा।

सम्राट चौधरी ने जेडीयू को लेकर दिया बड़ा बयान

कहा- वह पार्टी शराब और बालू के सहारे चल रही, निकाय चुनाव को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा किया

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी ने जेडीयू पर एक बड़ा बयान दिया। सम्राट चौधरी ने पटना के बीजेपी प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता में कहा कि जदयू केवल बालू, दारू और पैसे से चल रही। जिसके बाद राजनीतिक बवाल मच गया। साथ ही नगर निकाय चुनाव के तारीख के ऐलान पर भी सरकार की मंशा को लेकर भी सवाल खड़ा किया। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी इन दिनों लगातार सरकार पर हमलावर बने हुए हैं। आज बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान जेडीयू पर जब कर हमला बोला है। सम्राट चौधरी ने जेडीयू पर बड़ा आरोप लगाया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि जेडीयू पार्टी अपनी कमाई शराब और बालू से चल रही। शराब तस्करी और बालू के अवैध खनन से जेडीयू के नेता अपना बैंक बैलेंस भर रहें। सम्राट चौधरी ने कहा कि, बिहार की यह सरकार ठगबंधन की सरकार है। जदयू पार्टी बालू, दारू के पैसे से चल रही। साथ ही नगर निकाय चुनाव के तारीख के एलान पर भी सरकार की मंशा गलत है। बिहार सरकार नहीं चाहती की सरकार ओबीसी को उसके आरक्षण का हक मिले। इस लिए कोर्ट के आदेश के बावजूद, कोर्ट के आदेश को दरकिनार करते हुए निकाय चुनाव की घोषणा कर दी। सरकार ने जान बूझकर राज्य निर्वाचन आयोग को कागज का घोड़ा बना दिया है। यह निर्वाचन आयोग सरकार का आयोग बन गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अतिपिछड़ा समाज के साथ मजाक कर रहे हैं। कुढ़नी में उपचुनाव होने वाला है। जिसको लेकर बीजेपी और महागठबंधन के नेता लगातार अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं। इस दौरान सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के कुढ़नी उपचुनाव में प्रचार-प्रसार को लेकर भी हमला बोला।

सम्राट चौधरी ने कहा कि, नीतीश कुमार के जाने के बाद अब कुढ़नी की जनता बीजेपी उम्मीदवार को रिकार्ड वोट से जिताने का काम करेगी।

नीलांचल एक्सप्रेस में हादसा

कॉर्नर सीट पर बैठा था यात्री, गर्दन में घुसी लोहे की रॉड, ट्रेन रुकने से पहले मौत

अलीगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से आ रही नीलांचल एक्सप्रेस में सवार सुल्तानपुर के एक यात्री की सोमना और डांबर रेलवे स्टेशन के बीच लोहे की रॉड गर्दन में घुस जाने से मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेन में खलबली मच गई। रेलवे स्टेशन पर यात्री के शव को उतार लिया गया। यात्री की पहचान सुल्तानपुर के हरिकेश दुबे पुत्र संतराम निवासी गोपीनाथपुर सुल्तानपुर के रूप में हुई है। वे दिल्ली से सफर कर रहे थे। घटना के बाद रेलवे अफसर घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर रेलवे के स्तर से निर्माण कार्य हो रहा था। इसी दौरान लोहे की रॉड ट्रेन के कोच के शीशे को तोड़ते हुए सीट पर सवार यात्री की गर्दन में जा घुसी। जिससे युवक की मौत हो गई।

सपा विधायक और रिजवान का सरेंडर

रोते हुए पहुंचे पुलिस कमिश्नर आवास, पूछताछ जारी

कानपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर के जाजमऊ आगजनी और रंगदारी के मामले में फरार सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी ने सरेंडर कर दिया है। शुक्रवार सुबह पुलिस कमिश्नर के आवास पर पहुंचकर दोनों ने सरेंडर किया है। इस दौरान उनका परिवार, विधायक अमिताभ बाजपेई, विधायक हसन रूमी आदि मौजूद रहे।

इरफान सोलंकी और उनके भाई लगभग 30 दिन से फरार थे। पुलिस कमिश्नर के आवास पर जब इरफान सरेंडर करने पहुंचे, तो उनकी आंखों में आंसू थे। मीडिया के किसी भी सवाल का उन्होंने जवाब नहीं दिया। मीडिया ने इरफान और रिजवान से पूछा कि आप इतने दिन कहां थे?

इस पर दोनों ही चुप्पी साधे रहे। उनके साथ पूरी फैमिली और सपा विधायक अमिताभ बाजपाई, नगर अध्यक्ष भी मौजूद हैं। आज उनके घर कुर्की की नोटिस चस्पा हो सकती थी। इससे पहले ही इरफान ने सरेंडर कर दिया। विधायक और उनके भाई के खिलाफ यह कार्रवाई पड़ोसी महिला का घर फूंकने के आरोप में की जा रही है।

दोनों का सालों से प्लॉट को लेकर विवाद चल रहा है। डीसीपी क्राइम सलमान ताज पाटिल ने बताया कि सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। कोर्ट से उनके रिमांड की मांग की जाएगी।

हालांकि प्लॉट में आगजनी के मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ था। घटनास्थल पर ज्वलनशील पदार्थ की पुष्टि हुई थी। पटाखे से आग लगने की पुष्टि नहीं हो सकी थी। ऐसे में फोरेंसिक रिपोर्ट भी साजिश की ओर इशारा कर रही थी।

प्राइवेट स्कूल के प्रिंसिपल की मौत

निदेशक बोले- जहरीली शराब ने ली जान

हाजीपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। अबतक निर्धन और अनपढ़ लोगों की जहरीली शराब से मौत की खबरें आती रही हैं, लेकिन शुक्रवार को पहली बार एक प्राइवेट स्कूल के प्रिंसिपल की मौत पर संस्थान के निदेशक ने खुलकर कहा कि जहरीली शराब ने जान ली है। पश्चिम बंगाल के रहने वाले प्रिसिंपल जय प्रधान की मौत की वजह के रूप में जहरीली शराब की पुष्टि के लिए पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार भी कर रही है और साथ ही दावा भी कर रही कि शराब नहीं, बीमारी से यह मौत हुई है। दूसरी तरफ, जानकारी यह सामने आ रही है कि गुरुवार देर रात महनार थाना क्षेत्र के डीपीएस पब्लिक स्कूल में शराब की पार्टी हुई थी। इसी के बाद प्रिंसिपल की तबीयत अचानक बिगड़ी और अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई।

घटना के बाद परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है। मौत की खबर के साथ ही इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने कहा कि पिछले दिनों वैशाली में इसी जगह के आसपास शराब पीकर गए ड्राइवर ने 8 लोगों की जान ले ली थी, अब शराब से ही प्रिंसिपल की मौत हुई है। डीपीएस पब्लिक स्कूल के निदेशक मो. आमिर खान ने बताया कि महनार में खुलेआम शराब बिक्री होती है। जहरीली शराब का सेवन करने से ही प्रिसिंपल की मौत हुई। निदेशक ने बताया कि जय प्रधान मूल रूप से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी के रहने वाले थे। पिछले छह माह से यहां कार्यरत थे।

लोगों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और शराब के धंधे से जुड़े लोगों पर कार्रवाई करे। पुलिस अगर इस मामले की गंभीरता से जांच करेगी तो सच का खुलासा हो जाएगा।

खतौली में हुई श्रीकांत त्यागी की बड़ी बैठक

आरएलडी के समर्थन का एलान

मुजफ्फरनगर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीकांत त्यागी शुक्रवार को मुजफ्फरनगर में खतौली दौरे पर पहुंचे। इस दौरान श्रीकांत त्यागी ने भाजपा के खिलाफ गणेश गार्डन में बड़ी बैठक की। यह बैठक त्यागी समाज के साथ की गई। श्रीकांत त्यागी की बैठक में रालोद प्रत्याशी को समर्थन का एलान किया गया। त्यागी समाज के लोगों का कहना है कि श्रीकांत मामले को लेकर त्यागी समाज भाजपा से नाराज है। रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह की अगुवाई में कार्यकर्ता देहात क्षेत्र में नुक्कड़ सभाओं के बाद खतौली पहुंचे। यहां शहर की सड़कों पर गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व विधायक मदन भैया के समर्थन में रोड शो निकाला। रालोद अध्यक्ष ने कहा कि किसान और मजदूर भाजपा को सबक सिखाने की ठान चुके हैं। रालोद जिलाध्यक्ष संदीप मलिक, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत राठी समेत अन्य पदाधिकारी रोड शो के दौरान मौजूद रहे।

गिरिराज बोले: बिहार के स्कूलों में बच्चों को गीता और धर्म परिवर्तन से संबंधित कानून पढ़ाए जाने की जरूरत

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार के स्कूलों में बच्चों को गीता और धर्म परिवर्तन से संबंधित कानून पढ़ाए जाने की जरूरत है।

साथ ही स्कूलों में मंदिर बनाया जाए ताकि बच्चे धर्म के प्रति जागरूक रहें। आए दिन बिहार में धर्म परिवर्तन हो रहा है। लोग जानकारी के अभाव में दूसरे धर्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। लोगों को गुमराह कर ईसाई और मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए भ्रमित किया जा रहा है।

सिंह ने कहा कि ईसाई स्कूलों में बच्चे पढ़-लिख कर जब विदेश जाते हैं तो जानकारी के अभाव में गौमांस का भक्षण करते हैं क्योंकि

उन्हें स्कूल में संस्कार ही नहीं मिला है। उन्होंने कहा, बच्चे अगर शुरू से ही गीता का श्लोक पढ़ेंगे तो वे धार्मिक और संस्कारी बनेंगे। सिंह के बयान के बाद बिहार में सियासत गर्मा गई। कांग्रेस और राजद ने कहा कि गिरिरज सिंह धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ललन सिंह बोले- भाजपा आरक्षण विरोधी सरकार है

तंज कसते हुए कहा- हर कोई जान रहा है सिंडीकेट कौन चला रहा है

मुजफ्फरपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने भाजपा पर निशाना साधा है। मुजफ्फरपुर में शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर अपना गुस्सा निकाला। उन्होंने कहा कि हमारे नेताओं पर उंगली उठाने वाले बताएं कि यहां का सबसे बड़ा भूमाफिया कौन है? सिंडीकेट कौन चला रहे हैं?

इतना ही नहीं उन्होंने पूर्व मंत्री रामसूरत राय को आड़े हाथों लिया। कहा कि यहां का बच्चा बच्चा जानता है उनके बारे में। भाजपा शुरू से आरक्षण विरोधी सरकार रही है।

हमलोग हमेशा उनकी नीतियों का विरोध करते आ रहे हैं। सुशील मोदी हमारे नेताओं पर क्या आरोप लगाएंगे। पहले वे खुद अपने गिरेबान में झांक कर देख लें।

रेलवे स्टेशन पर प्रेमी ने प्रेमिका के गले पर चाकू से किए कई वार

आजमगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सिधारी थाना क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन के समीप एक प्रेमी ने प्रेमिका के गले पर चाकू से वार कर दिया। जिससे प्रेमिका की मौत हो गई। वहीं खुद को भी चाकू मारकर जख्मी कर लिया। युवती को अधिक चोट लगने के कारण उसे एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं जख्मी प्रेमी का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। दोनों मुंबई से गोदान एक्सप्रेस ट्रेन से घर लौट रहे थे।

जहानागंज थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी 22 वर्षीय धनंजय पुत्र शिवचंद बिलरियागंज थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव की रहने वाली एक युवती से प्रेमप्रसंग था। करीब पांच माह पूर्व वह लड़की को लेकर फरार हो गया था। वह गुरुवार की शाम गोदान एक्सप्रेस ट्रेन से उसके साथ आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचा। जहां उसके माता-पिता व परिवार के कुछ सदस्य भी थे।

लड़की को अपने साथ जाने के लिए धनंजय दबाव बनाने लगा। तभी उसके परिजन विरोध करने लगे। धनंजय ने चाकू से उसके गर्दन पर कई वार किए। जिससे युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं युवक ने खुद को भी गर्दन में चाकू से वार कर जख्मी कर लिया। युवती को उसके परिजन एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। अस्पताल ले जाते समय युवती की रास्ते में ही मौत हो गई। परिजन शव को लेकर बिलरियागंज चले गए। वहीं जिला अस्पताल में भर्ती युवक की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। धनंजय ने बताया कि वह पांच माह पूर्व युवती से मंदिर में शादी रचाई थी। पांच माह से वह इधर-उधर भाग रहे थे।

पुलिस के जवान ने चूहा वाला जहर खाया

बंगाल की डांसर ने जहर खा खुदकुशी की

सीवान, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जान देने की नीयत से सीवान में पुलिस के एक जवान के चूहा मारने वाला जहर खा लिया। जीबी नगर तरवारा थाना में पदस्थापित विक्रम कुमार ने जान देने की कोशिश क्यों की, इस सवाल को लेकर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जवान की हालत नाजुक है। अभी सीवान सदर अस्पताल में ही विक्रम को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पहले, सीवान जिले के ही जामो थाना इलाके के माधोपुर में शुक्रवार की सुबह कोलकाता के श्यामनगर की रहने वाली 26 साल की डांसर नंदनी दास ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। प्राप्त सूचना के अनुसार दो माह पहले ही जीबी नगर में विक्रम की पोस्टिंग हुई है। ऐसे में स्थानीय कारण भी नहीं माना जा रहा है और न ही जीबी नगर थाना के बाकी पुलिसकर्मियों को विक्रम के बारे में बहुत जानकारी है। ऐसे में कोई फिलहाल जान देने की इस कोशिश की वजह नहीं बात पा रहा है। इस बारे में जब जीबी नगर थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार से पूछा गया तो उन्होंने फूड प्वाइजनिंग की बात कही। कहा- रात में कुछ उल्टा-पुल्टा खा लिया है। लेकिन,

वहीं ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने बताया कि यहां पुलिस के जवान को इलाज के लिए लाया गया तो बताया गया कि चूहा मारने वाला जहर खा लिया है। उसी हिसाब से इलाज किया जा रहा है।

सीवान जिले के ही जामो थाना इलाके के माधोपुर में शुक्रवार की सुबह जिस नंदनी दास ने जहर खाकर आत्महत्या की, उसके साथी बॉन घोष ने बताया कि वह अपनी एक साथी डांसर के साथ ही सोई थी। दोनों लड़कियों में रात में किसी बात पर विवाद हुआ और सुबह पता चला कि नंदनी दास ने जहर खाकर जान दे दी है। वह माधोपुर के जिस ऑर्केस्ट्रा संचालक सुजीत के यहां काम करती थी, वह भी फरार है। इससे मौत के पीछे कुछ और भी वजह होने की आशंका जताई जा रही है। थानाध्यक्ष राजेश यादव से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने सुसाइड की खबर होने से भी इनकार किया।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन समय बढ़ाने के सिविल जज के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

मथुरा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दर्शन का बढ़ाने पर रोक संबंधी हाईकोर्ट का आदेश सेवायतों को देर रात मिल गया। यह आदेश हाईकोर्ट ने 28 नवंबर को जारी किया गया था। जिसमें सिविल जज जूनियर डिवीजन के दर्शनों का समय बढ़ाने संबंधी प्रार्थना पत्र पर रोक लगा दी गई है। वहीं, सिविल जज जूनियर डिवीजन ने इस संबंध में दिए गए सभी प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई के लिए 14 दिसंबर की तारीख तय की है। ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर के सेवायत गोस्वामी हिमाशु गोस्वामी व दीपक शर्मा एडवोकेट ने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिविल जज जूनियर डिविजन मथुरा द्वारा 14 नवंबर 2022 को मंदिर दर्शन का समय बढ़ाने के दिए आदेश पर स्टे लगा दिया है। उच्च न्यायालय ने रिटायर्ड जस्टिस सुधीर नारायण अग्रवाल को अपनी रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंपने के लिए कहा है। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में जिलाधिकारी मथुरा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के प्रति नाराजगी जाहिर की है।

कोर्ट ने कहा है कि जब हम इस प्रकरण को कोर्ट देख रहे थे तो उन अधिकारियों को न्यायालय में समय बढ़ाने का प्रार्थना पत्र नहीं देना चाहिए था। मंदिर के मैनेजर मुनीश शर्मा ने बताया कि राजभोग सेवायत मनोज गोस्वामी ने उन्हें हाईकोर्ट के उक्त आदेश की प्रति दी है। अधिवक्ता गिरधारी शर्मा ने बताया कि 30 नवंबर को दिया गया, प्रार्थना पत्र कोर्ट ने खारिज कर दिया। वहीं पूर्व में मंदिर के संबंध में दिए प्रार्थना पत्र पर 14 दिसंबर को सुनवाई होनी है।

'परंपरागत सेवा चलती रहेगी'

ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर के शयन भाग सेवाधिकारी सुमित गोस्वामी ने कहा कि बृहस्पतिवार को शयन भोग की सेवा में मैं भी मौजूद रहा। ठाकुर श्रीबांके बिहारी जी हमारे प्राणों से प्यारे हैं । हम उनकी परंपरागत जो सेवा चल रही है उसी को जारी रखेंगे। सेवायत आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि यह भी लीलाधारी प्रभु श्री बांकेबिहारीजी महाराज की ही लीला है। ठाकुरजी के दर्शन पूर्व निर्धारित समयानुसार ही खुले। प्राचीन परंपराओं का पोषण अति आवश्यक है। सिविल जज जूनियर डिवीजन की न्यायाधीश ने ठाकुर बांके बिहारी जी महाराज के दर्शनों का समय बढ़ा दिया था।

एमपी में भी बनेगी समान नागरिक संहिता के लिए समिति

चुनावों से पहले भाजपा को क्यों आई इसकी याद

भोपाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। समान नागरिक संहिता का मसला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। पहले उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने समिति बनाई। फिर अक्टूबर में गुजरात में। अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता या यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए समिति बनाने की घोषणा की है। पिछले दो हफ्तों में असम और कर्नाटक की सरकारों ने भी समान नागरिक संहिता को लागू करने के संकेत दिए हैं। भाजपा इसके लिए प्रतिबद्ध है और अब अपनी सरकारों वाली राज्यों के जरिये दिल्ली तक यह मुद्दा लाने का रास्ता तलाश रही है। राजनीतिक पंडित इसे भाजपा की 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के तौर पर देख रही है। आइये, आसान शब्दों में समझते हैं कि यह समान नागरिक संहिता क्या है? शिवराज सिंह चौहान ने क्या कहा? अन्य राज्यों में इस मुद्दे पर क्या हुआ है और यह मुद्दा भाजपा के लिए अहम क्यों है?

समान नागरिक संहिता क्या है?

संविधान के आर्टिकल-44 में समान नागरिक संहिता की चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार देश के हर नागरिक के लिए एक समान कानून लागू करने की कोशिश करेगी। हालांकि, ये कोशिश आज तक सफल नहीं हो सकी है।

समान नागरिक संहिता का मतलब है कि देश के हर नागरिक पर एक कानून लागू होगा। देश में शादी से लेकर तलाक, गुजारा भत्ता से लेकर बच्चों को गोद लेने तक के नियम एक जैसे होंगे।

समान नागरिक संहिता लागू करने के पीछे क्या तर्क हैं?

सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिकाओं में सभी धर्मों में तलाक और गुजारा भत्ता एक-सा करने की मांग की गई है। देश में अलग-अलग धर्मों में शादी, जमीन-जायदाद के उत्तराधिकार, दत्तक लेने, तलाक और गुजारा-भत्ते को लेकर अलग-अलग पांच कानून हैं। आदिवासियों, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड के लोगों को अलग रियायतें हैं। इन सभी कानूनों की जगह भाजपा देश के हर नागरिक के लिए एक कानून लागू करने की पैरवी कर रही है। इस समय हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन धर्म के लोगों पर हिंदू मैरिज एक्ट 1955 और हिंदू एडॉप्शन एंड मेंटेनेंस एक्ट 1956 के तहत तलाक और गुजारा भत्ता मिलता है। मुसलमानों के मामले वैध विवाह और निकाह से

पहले हुए समझौते की स्थिति के मुताबिक निपटाए जाते हैं। उन पर मुस्लिम महिला कानून 1986 लागू होता है। ईसाई भारतीय तलाक कानून 1869 और पारसी लोगों पर पारसी विवाह व तलाक कानून 1936 लागू होता है। जब दो अलग-अलग धर्मों के लड़का-लड़की शादी करते हैं, तो तलाक से जुड़े मामलों के लिए स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 है।

इसी तरह कहीं जायदाद में लड़कियों को हिस्सा नहीं दिया जाता। कहीं तलाक लेने से पहले एक साल समझौते के लिए रखा जाता है तो कहीं दो साल। इन मुद्दों को मानवाधिकार से जोड़कर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं भी दाखिल हुई हैं। इन सभी याचिकाओं का मुद्दा यह है कि समान नागरिक संहिता लागू की जाए, ताकि इन मुद्दों का समाधान निकाला जा सके।

आखिर क्या कहा शिवराज ने, जिस पर शुरू हुई चर्चा?

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को सेंधवा में थे। उन्होंने कहा कि भारत में अब समय आ गया है कि एक समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए। एक से ज्यादा शादी क्यों करे कोई? एक देश में दो विधान क्यों चले, एक ही होना चाहिए। मध्यप्रदेश में मैं कमेटी बना रहा हूं। समान नागरिक संहिता के तहत एक पत्नी रखने का अधिकार है, तो एक ही पत्नी सबके लिए होनी चाहिए। शिवराज के इस ऐलान के बाद सुगबुगाहट शुरू हो गई है कि मध्यप्रदेश में भी अगले साल के विधानसभा चुनावों में समान नागरिक संहिता मुद्दा बनेगा। कांग्रेस भी यही कह रही है कि समान नागरिक संहिता लागू करने में भाजपा की रुचि कम है और वह इसका इस्तेमाल सिर्फ चुनावों में ध्रुवीकरण के लिए करना चाह रही है।

समान नागरिक संहिता क्यों है भाजपा के लिए अहम?

1980 में स्थापना के बाद से तीन मुद्दे भाजपा के लिए अहम रहे हैं। इनमें अयोध्या में राम मंदिर और कश्मीर से धारा 370 को हटाना प्रमुख था। यह काम पूरे हो चुके हैं। अब तीसरा और अहम मुद्दा रह गया है- समान नागरिक संहिता। और, भाजपा इस मुद्दे को 2024 के लोकसभा चुनावों में भुनाना चाहती है। पिछले हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि उनकी सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने को प्रतिबद्ध है। जनसंघ के समय से ही पार्टी का यह मुख्य मुद्दा रहा है। उनका कहना है कि संविधान सभा ने संसद और राज्यों को उचित समय पर समान नागरिक संहिता लाने की सलाह दी थी। एक धर्मनिरपेक्ष देश में कानून किसी धर्म के आधार पर नहीं हो सकता। कुछ राज्यों में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जजों की कमेटी बनाई है। वह सभी धर्मों के लोगों की राय को लेकर कानून लागू करने की संभावनाओं को टटोल रही है। दरअसल, इस मामले में उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने मई में समिति बनाई। गुजरात में चुनावों से एक महीने पहले 29 अक्टूबर को समिति बनाई गई। हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने जीतकर आने पर समान नागरिक संहिता लागू करने की घोषणा की है। कर्नाटक और असम की सरकारों ने भी समान नागरिक संहिता को लागू करने के संकेत दिए हैं। गोवा को 1961 में आजादी मिली थी। तब से ही यहां समान नागरिक संहिता लागू है। इस वजह से गोवा इकलौता राज्य है, जहां सभी नागरिकों के लिए एक-सा कानून है। भाजपा इसी को आधार बनाकर अपनी सरकारों वाले राज्यों में इसे लागू करवाना चाहती है। निश्चित तौर पर 2024 के लोकसभा चुनावों और उससे पहले के विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा रहेगा।

केंद्र सरकार इस मसले पर क्या कर रही है?

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले सत्र के दौरान संसद में कहा था कि 'समान नागरिक संहिता का मसला विधि आयोग को देखना है।' इस वजह से गुजरात और हिमाचल प्रदेश में समितियों की घोषणा होने के तत्काल बाद केंद्र सरकार ने 22वें विधि आयोग के सदस्यों की नियुक्ति भी कर दी। ताकि इस मुद्दे पर फिर से चर्चा की जा सके। दरअसल, मोदी सरकार में ही विधि आयोग ने 2018 में कहा था कि समान नागरिक संहिता की आवश्यकता नहीं है। इसकी जगह पर्सनल लॉ को मजबूती देने की जरूरत है। इसके बाद दो साल तक तो आयोग के अध्यक्ष की कुर्सी खाली ही रही। नवंबर में ही नियुक्ति हुई है और इसे समान नागरिक संहिता को लागू करने की तैयारी देखा जा रहा है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रितुराज अवस्थी को 22वें विधि आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। जस्टिस केटी शंकरन, प्रोफेसर आनंद पालीवाल, प्रोफेसर डीपी वर्मा, प्रोफेसर राका आर्य और एम करुणानिधि इस आयोग के सदस्य होंगे।

महिला जिम ट्रेनर से लूट मामले का पर्दाफाश

16 किमी में लगे 250 सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद लुटेरा पकड़ा

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली की लोदी कॉलोनी में 26 नवंबर को महिला जिम ट्रेनर से हुई लूट की गुत्थी सुलझाने का दावा दक्षिण जिला पुलिस ने किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी इमरान उर्फ सुहैब उर्फ समीर (30) को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पहले से 22 मामले दर्ज है। पुलिस इसे मकोका में गिरफ्तार कर चुकी है। इसकी गिरफ्तारी से लूट के पांच मामले सुलझे हैं। पुलिस ने 16 किलोमीटर एरिया में लगे करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपी को दबोचा है। आरोपी भजनपुरा थाने का घोषित बदमाश है। पुलिस ने इसके पास से लूटी गई चेन, चोरी की स्कूटी, बाइक और एक खिलौना पिस्टल बरामद की है। लूट के दौरान आरोपी ने इसी खिलौना पिस्टल का इस्तेमाल किया था। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। दक्षिण जिला की पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि शिकायत के बाद स्थानीय पुलिस के अलावा एएटीएस ने भी जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की गई। पुलिस ने 16 किलोमीटर एरिया में करीब 250 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। बाइक के नंबर से उसके चोरी के होने का पता चला। छानबीन के बाद आरोपी की पहचान इमरान उर्फ सुहैब के रूप में हुई। आरोपी हाल में एक मामले में जेल से छुटकर आया था। जेल से आने के बाद वह लगातार लूटपाट की वारदात को अंजाम दे रहा था।

ग्रेजुएट होकर भारतीय सैन्य अकादमी की मुख्यधारा में हुए शामिल 69 कैडेट, इन्हें मिला पुरस्कार

देहरादून, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आर्मी कैडेट कॉलेज (एसीसी) के 69 कैडेट ग्रेजुएट होकर भारतीय सैन्य अकादमी की मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। शुक्रवार को अकादमी के चेटवुड सभागार में आयोजित एसीसी के 120 वें दीक्षा समारोह में इन कैडेट को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डिग्री प्रदान की गई। अकादमी के कमांडेंट ले. जनरल विजय मिश्रा ने कैडेट को दीक्षित किया। आईएमए में अब एक साल का प्रशिक्षण लेकर यह कैडेट बतौर अधिकारी सेना में शामिल होंगे। उपाधि पाने वालों में 31 कैडेट विज्ञान और 38 कैडेट कला वर्ग के हैं। कमांडेंट ने अफसर बनने की राह पर अग्रसर इन कैडेट के उज्ज्वल भविष्य

की कामना की। 10 दिसंबर को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में होने वाली पासिंग आउट परेड में निरीक्षण अधिकारी सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे होंगे। इस दौरान देश-विदेश के 344 जेंटलमैन कैडेट बतौर अधिकारी अपने-अपने देश की सेना का अभिन्न अंग बनेंगे। जिनमें 10 मित्र देशों के 30 कैडेट शामिल हैं। इससे पहले शुक्रवार को आईएमए

ग्वालियर में कब्रिस्तान के पास खुदाई में मिला ढाई सौ साल पुराना शिवलिंग

ग्वालियर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर में खुदाई के दौरान एक प्राचीन शिव शिवलिंग मिला है। खुदाई में मिले शिवलिंग के करीब ढाई सौ साल पुराने होने का दावा किया जा रहा है। खुदाई में शिवलिंग मिलने की खबर पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई, बड़ी संख्या में लोग यहां पूजा अर्चना करने पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि शहर के सागर ताल के पास कब्रिस्तान के नजदीक खुदाई के दौरान कुछ युवकों को शिवलिंग मिला है। युवक जब खुदाई कर रहे थे तो उस समय उन्हें कुछ आभास हुआ था और उसके बाद जब उन्होंने ऊपर से मिट्टी हटाई तो शिवलिंग नजर आया। और उसके बाद शिवलिंग को बाहर निकाला गया। जैसे ही स्थानीय लोगों को खुदाई के दौरान शिवलिंग मिलने की खबर मिली तो वहां सैकड़ों संख्या में लोग पहुंच गए और उसके बाद शिवलिंग को मौके पर ही स्थापित कर पूजा-अर्चना करने लगे। स्थानीय लोगों का दावा है कि यह प्राचीन शिवलिंग आक्रमण के दौरान मलबे में दब गया था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जहां पर यह शिवलिंग मिला है वहां पर मंदिर का निर्माण किया जाए। वहीं, प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि अभी जांच की जा रही है और शिवलिंग को मंदिर में स्थापित किया जाएगा। वहीं, पुरातत्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह शिवलिंग कितना पुराना है इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह कितना प्राचीन है।

रोहतक में अकाउंटेंट से लूट:पिस्तौल के बल पर 5 युवकों ने कार छीनी, भिवानी की तरफ भागे बदमाश

रोहतक, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में रोहतक के कलानौर में घर लौट रहे कार सवार अकाउंटेंट से पिस्तौल के बल पर लूट की घटना को अंजाम दिया। बीच रास्ते में पांच आरोपियों ने कार, मोबाइल व नकदी छीन ली। जिसके बाद आरोपी भिवानी की तरफ फरार हो गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी। गांव सैंपल निवासी बलमत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रोहतक की एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है। गुरुवार रात को अपनी कार में सवार होकर अपने घर जा रहा था।

लातवियाई महिला की हत्या का मामला

दोनों आरोपी दोषी करार, 2018 में वर्कला से लापता हो गई थी विदेशी पर्यटक

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। लातवियाई महिला पर्यटक से पहले दुष्कर्म फिर हत्या मामले में केरल की एक अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया है। 33 वर्षीय लातवियाई महिला केरल के वर्कला से 14 मार्च, 2018 को लापता पाई गई थी और उसका शव 20 अप्रैल 2018 को मिला था। पुलिस के मुताबिक विदेशी महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

महिला पर्यटक का कटा हुआ सिर बरामद हुआ था

महिला अपनी बहन के साथ आयुर्वेद इलाज के लिए केरल पहुंची थी। वह 14 मार्च, 2018 को कोवलम बीच के पास से लापता हो गई थी। 20 अप्रैल 2018 में पनाथुरा के पास उसका सिर कटा हुआ शव बरामद किया गया था। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में पनाथुरा निवासी उमेश (28) और उदयकुमार (24) को गिरफ्तार किया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि दोनों ने महिला को कोवलम के पास पर्यटन स्थलों पर ले जाने का लालच दिया।

धोखे से गांजा पिलाकर किया था दुष्कर्म

दोनों आरोपियों ने दुष्कर्म के इरादे से महिला को बहला फुसलाकर साथ ले गया था। फिर कुछ दूर जाने के बाद धोखे से गांजा भरी बीड़ी पीने को दे दी । इसके बाद उसे एक सुनसान जगह पर ले जाया गया जहां उसका शारीरिक शोषण किया गया। जब उसे होश आया तो अपने कपड़े उतारे देख वह आग बबूला हो गई। जैसे ही उसने वहां से जाने की कोशिश की, पुरुषों ने अपनी कोहनी महिला की गर्दन पर दबा दी और उसका गला दबा दिया।

नर्सिंग की छात्रा का अपहरण, हैवान ने पहले शराब पी फिर किया दुष्कर्म

काशीपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जीएनएम का कोर्स कर रही एक छात्रा का अपहरण कर गन्ने के खेत में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। वारदात के तीन दिन बाद पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। छात्रा ने कुंडा थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मुरादाबाद से जीएनएम का कोर्स कर रही है। वह एक हॉस्पिटल में प्रैक्टिस भी करती है। 29 नवंबर की शाम साढ़े पांच बजे वह अस्पताल से घर लौट रही थी। अंधेरा होने पर उसने अपने मित्र को बुलाया और उसे घर छोड़ने के लिए कहा। छात्रा के अनुसार वह मित्र के साथ बाइक से घर जा रही थी। बगवाड़ा के पास दो युवकों ने जबरदस्ती रोक लिया। आरोप है कि उसके मित्र को धमकाकर भगा दिया। छात्रा के अनुसार आरोपी उसे डरा-धमकाकर अपनी बाइक पर ले गए। जसपुर के रास्ते में एक सुनसान जगह पर बाइक रोक दी। आरोप है कि गुरविंदर गुरी ने गन्ने के खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसका साथी विक्की खेत के बाहर खड़ा होकर रखवाली करता रहा। बाद में दोनों ने शराब पी और गुरी ने उसके साथ फिर दुष्कर्म किया। सुबह फिर ऐसा ही हुआ। पीड़िता ने आरोपी की बाइक का नंबर नोट कर लिया था।छात्रा के अनुसार बदनामी के कारण वह रिपोर्ट नहीं लिखाना चाह रही थी। परिजनों की सहमति के बाद उसने केस दर्ज कराया है। एसपी अभय सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जेबकटी का सरगना पकड़ाया

40 साल से कर रहा जेबकटी, गैंग के 25 मेंबर्स यात्री वाहनों में सक्रिय

भोपाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच ने यात्री वाहनों में जेबकट गैंग आपरेट करने वाले सरगना मंसूर उर्फ बच्चा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके गैंग के एक मेंबर्स को भी पकड़ा है। मंसूर बच्चा पिछले 40 साल से जेबकटी कर रहा है। उसने अपने गैंग में 25 मेंबर्स जेबकटी के लिए जोड़ रखा है। जो शहर में अलग-अलग रूट पर चलने वाले यात्री वाहनों में सवार होकर वारदात को अंजाम देते हैं। पुलिस उसके गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में कर रही है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि विदिशा निवासी अखै सिंह मीणा किसान हैं। वह कवाड़खाना में ट्रैक्टर की मरम्मत कराने भोपाल आए। नादरा बस स्टैण्ड से टीटी नगर जाने के लिए वह लो-फ्लोर बस (लाल बस) में सवार हुए। इसी बीच रेलवे स्टेशन भोपाल से दो अज्ञात व्यक्ति लाल बस में चढ़े। थोड़ी दूर जाकर अखै सिंह ने जब टटोला तो उनके 50 हजार रुपए गायब मिले। वह कुछ समय पाते इससे पहले दोनों जेबकतरे बस से उतर कर भाग गए। अखै सिंह तुरंत ही मंगलवारा थाना पहुंचकर एफआईआर कराई। क्राइम ब्रांच, मंगलवारा पुलिस आरोपियों की पहचान में जुटी। पुलिस ने नसरुल्लागंज, सीहोर निवासी मंसूर उर्फ बच्चा (55) व उसके साथी आचार्य नरेन्द्रदेव नगर स्टेशन बजरिया भोपाल निवासी सुधीर शर्मा (36) को गिरफ्तार किया।

जींद में अश्लील वीडियो बना 7 लाख हड़पे

वॉट्सऐप कॉल पर युवती हुई नग्न; डिलीट करने के नाम पर लिए रुपए

जींद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में कनाडा से लौटे एक व्यक्ति को लड़की ने वॉट्सऐप पर कॉल कर अश्लील वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल कर 7 लाख रुपए हड़प लिए गए। वीडियो को डिलीट करने के लिए एक व्यक्ति ने पहले 31 हजार रुपए मांग और बाद में धीरे धीरे उससे 6 लाख 93 हजार 500 रुपए ले लिए। पुलिस ने अब विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। साइबर थाना पुलिस अभी किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

23 अक्टूबर को लौटा भारत

जींद के उचाना निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 2 नवंबर को सुबह उसके पास फेसबुक पर भावना सिंह नाम की लड़की की रिक्वेस्ट आई। उसने इसे स्वीकार नहीं किया। लेकिन फिर उसने उसे फेसबुक पर मैसेज भेज कर दोस्ती करनी चाहिए और उस से उसका वॉट्सऐप नंबर मांगा। उसने अपना कनाडा का वॉट्सऐप नंबर उसे दे दिया। वह वहां नौकरी कर रहा था। 23 अक्टूबर को ही वह भारत लौटा है।

स्क्रीन रिकॉर्ड से बनाई वीडियो

लड़की ने उसे वॉट्सऐप वीडियो कॉल किया। जैसे ही उसने कॉल उठाई तो दूसरी तरफ एक लड़की नग्न अवस्था में होकर अश्लील बातें करने लगी। उसने उसकी मर्जी के खिलाफ स्क्रीन रिकॉर्ड से वीडियो बना ली। बाद में उसे वह वीडियो भेज कर ब्लैकमेल किया और

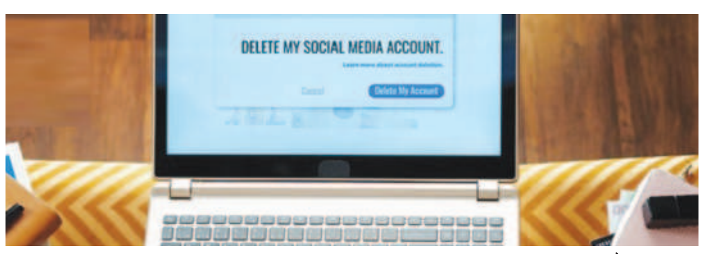

वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी।

ऐसे ठगे लाखों रुपए

कुछ समय के बाद वॉट्सऐप पर एक आदमी का कॉल आया और वीडियो डिलीट करने की एवज में 31 हजार रुपए मांगे। तब उसने डर के मारे उसे वह रुपए दे दिए। फिर उससे धीरे-धीरे कर लगभग 6 लाख 93 हजार 500 रुपए ले लिए। उसने अपने बैंक खाते से यह राशि दी है। ब्लैकमेल करने वालों की हरकतों को देख बाद में उसने अपने वॉट्सऐप को डिलीट कर दिया और फेसबुक आईडी को डिसेबल कर दिया। साइबर थाना पुलिस ने युवक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

तीन बार तलाक बोलकर महिला को घर से निकाला, पति समेत 9 पर केस दर्ज

यमुनानगर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में सदर थाना क्षेत्र के गांव अकालगढ़ निवासी एक महिला ने अपने पति पर उसे तीन बार तलाक बोलकर घर से निकालने का आरोप लगाया है। आरोप है कि शादी में दहेज की मांग पूरी न होने पर आरोपियों ने उसे प्रताड़ित किया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी व्यक्ति समेत ससुराल पक्ष के नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव अकालगढ़ निवासी शबनम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका निकाह इस्तकार के साथ हुआ था। निकाह के समय उसके मायके वालों ने उसे जरूरत का सारा सामान देकर विदा किया था। मगर उसका पति इस्तकार व ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य सलामू, असगरी, शादिया, फिरदौस, साजिद, नपीसा, ताहिर व नईम शादी में दिए गए दहेज से संतुष्ट नहीं थे। शादी के बाद से आरोपी उसे अधिक दहेज लेकर आने के लिए परेशान करने लगे। उसके मायके वालों ने आरोपियों की मांग को कई बार पूरा किया मगर आरोपी फिर से उसे परेशान करने लगते। शबनम ने बताया कि एक दिन उसका पति इस्तकार घर पर आया। आरोपी ने आते ही उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और तीन तलाक बोलकर उसे घर से निकाल दिया। उसके ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने भी उसके पति का साथ दिया। उसने मायके पहुंचकर आपबीती परिजनों को बताई।

आईएमडी ने बताया अगले तीन महीने के मौसम का हाल, भविष्यवाणी देख चौंक जाएंगे आप

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सर्दियों का मौसम आ गया है और दिन-ब-दिन ठंड भी बढ़ती जा रही है। मौसम में हो रहे बदलाव के बाद लोगों के मन में सवाल उठने लगा है कि इस बार सर्दियों में ठंड कितनी पड़ेगी। बता दें कि केदारनाथ में इतनी ठंड पड़ने लगी है कि झरनों का पानी बर्फ बनने लगा है। इसके साथ हीं दिल्ली और आसपास के हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कमी देखने को मिल रही है। आईएमडी ने इसे देखते हुए अगले तीन महीने के मौसम का हाल बताया है। मौसम विभाग की माने तो इस बार दिसंबर 2022 से फरवरी 2023 के बीच ठंड पश्चिम उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में अपना कम ही असर दिखाएगी।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमोत्तर भारत के कई हिस्सों में सर्दी में तापमान

सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। ऐसा पश्चिमी विक्षोभ के मंद पड़ने की संभावना के मद्देनजर है। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि तापमान में दिन-प्रतिदिन के आधार पर भिन्नता हो सकती है। आईएमडी ने कहा, सर्दियों के आगामी मौसम के दौरान भारत के कई हिस्सों और मध्य भारत के कुछ हिस्सों और पश्चिमोत्तर भारत के अलग-अलग हिस्सों में तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक रहने का अनुमान है। उसने कहा, पश्चिमोत्तर भारत के कई हिस्सों और पूर्वोत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में तापमान के सामान्य और सामान्य से थोड़ा अधिक रहने का अनुमान है। महापात्र ने पश्चिमोत्तर भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान के लिए पश्चिमी विक्षोभ के मंद पड़ने को एक कारण बताया। उन्होंने कहा, पश्चिम विक्षोभ गतिविधियां मंद पड़ने से दिन का तापमान अधिक रहने का अनुमान है। आईएमडी के मुताबिक आज 1 दिसंबर को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री और अधिकतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। साथ ही दिल्ली और एनसीआर में कोहरा भी देखने को मिलेगा। वहीं, अगर प्रदूषण की बात करें तो दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर कल शाम 6 बजे के करीब एक्यूआई 416 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में आता है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। लखनऊ में भी कोहरा छाया रहेगा। वहीं, गाजियाबाद की बात की जाए तो यहां न्यूनतम तापमान 11 डिग्री और अधिकतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। सुबह के वक्त गाजियाबाद में कोहरा रहेगा जबकि दिन में आसमान साफ रहेगा।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 3 दिसंबर, 2022

हिंद प्रशांत में भारत के शांति प्रयास

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत द्वारा किए जा रहे शांति प्रयासों का महत्त्वपूर्ण है. विश्व स्तर पर इन प्रयासों की सराहना हो रही है. इस मसले पर चीन अकेला पड़ता जा रहा है. अमेरिका ने इस क्षेत्र में भारत के साथ साझा प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया. इसके बाद आसियान देशों का भी भारत को समर्थन मिला है. प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी गणतंत्र दिवस पर आसियान देशों को आमंत्रित कर चुके हैं। इसमें बौद्ध सबसे बड़ा धर्म है। नरेंद्र मोदी ने एक सम्पूर्ण क्षेत्रीय संगठन मेहमान भारतीय गणतंत्र दिवस पर मेहमान बनाया था। आसियान के दस राष्ट्राध्यक्ष,गणतंत्र दिवस में मुख्य समारोह के गवाह बने थे। यह विदेश नीति का नायाब प्रयोग था। जिसे पूरी तरह सफल कहा गया थ। इसने आसियान के साथ भारत के आर्थिक, राजनीतिक, व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों का नया अध्याय शुरू किया था। महत्वपूर्ण यह था कि सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के निमंत्रण को स्वीकार किया। एक्ट ईस्ट की नीति कारगर ढंग से आगे बढ़ाया गया। चीन विश्वास के लायक नहीं है। इसलिए मोदी ने आसियान देशों के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया। मोदी की इस नीति से न केवल एशिया में चीन के वर्चस्ववादी रुख को धक्का लगा। इनमें से अनेक देश चीन की विस्तारवादी नीति को पसंद नहीं करते। यह बात आसियान में सामान्य सहमति का विषय है। केवल इसके लिए किसी को पहल करने की आवश्यकता थी। मोदी ने साहस के साथ पहल का ये काम किया। भारत और आसियान देशों के बीच अति प्राचीन सामाजिक व सांस्कृतिक रिश्ते रहे हैं। कई आसियान देशों में बौद्ध बहुसंख्यक हैं। सिंगापुर में तो नब्बे प्रतिशत आबादी बौद्धों की है। इसके अलावा इन सभी देशों में रामकथा व्यापक रूप से प्रचलित है। यहां के राजकीय प्रतीकों में रामायण से संबंधित चिन्ह मिलते हैं। इंडोनेशिया के मुसलमान भी रामायण संस्कृति पर विश्वास करते हैं। उन्होंने उपासना पद्धति बदली है, लेकिन अपनी सांस्कृतिक विरासत को नहीं छोड़ा। रामलीला का मंचन वहाँ बहुत लोकप्रिय है। ये सब भारत और आसियान देशों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने वाले हैं। एक्ट ईस्ट नीति की एक अन्य कारण से भी आवश्यकता थी। वह यह कि आसियान का विस्तार भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा तक हो गया था। म्यांमार, कम्बोडिया,लाओस और वियतनाम आसियान के सदस्य बने थे। इससे आसियान भारत के ज्यादा करीब हो गया। स्थापना के समय भारत से इसकी सीमा दूर थी। तब इंडोनेशिया, मलेशिया,फिलीपींस, थाईलैंड, सिंगापुर इसके सदस्य थे। ब्रुनेई, वियतनाम,म्यांमार बाद में सदस्य बने थे। इसीलिए मोदी ने आसियान को लेकर नीति में बदलाव किया। आसियान के केंद्र में शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत दुनिया की सुरक्षा और समृद्धि के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आसियान के सम्मेलन को संबोधित किया. दस देशों और आठ प्रमुख प्लस देशों की भागीदारी के साथ एडीएमएम प्लस क्षेत्रीय सुरक्षा के साथ ही विश्व शांति में भूमिका का निर्वाह कर सकता है. यह देश मिलकर दुनिया की आधी आबादी का हिस्सा हैं। हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया विघटनकारी राजनीति से बढ़ते संघर्ष को देख रही है। सबसे बड़ा खतरा अंतरराष्ट्रीय और सीमा पार आतंकवाद से है। उदासीनता अब प्रतिक्रिया नहीं हो सकती, क्योंकि आतंकवाद ने विश्व स्तर पर पीड़ित पैदा किये हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तत्काल और दृढ़ हस्तक्षेप करने की जरूरत है। आतंकवादी समूहों ने धन हस्तांतरण और समर्थकों की भर्ती के लिए नए युग की तकनीकों का सहारा लिया है और समर्थित महाद्वीपों में अंतर्संबंध बनाए हैं। साइबर अपराध भी नई तकनीकों के बढ़ते उपयोग की ओर इशारा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति की नई दिल्ली बैठक में इन घटनाक्रमों पर गंभीरता से ध्यान दिया है। समिति ने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग का मुकाबला करने के लिए 'दिल्ली घोषणा' को अपनाया। आतंकवाद बड़ा खतरा बने रहने के कारण कोरोना महामारी के बाद उभरने वाली अन्य सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चल रहे भू-राजनीतिक विकास ने ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में भारत ने बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता और खाद्यान्न देने में अपने सहयोगियों के साथ काम किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के आधार पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी व्यवस्था का आह्वान करता है। भारत बातचीत के माध्यम से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनों का पालन करने में विश्वास रखता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम उन जटिल कार्रवाइयों और घटनाओं के बारे में चिंतित हैं, जिन्होंने भरोसे को खत्म करके क्षेत्र में शांति और स्थिरता को कमजोर कर दिया है। भारत समुद्री विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने के लिए तैयार है। दक्षिण चीन सागर पर आचार संहिता के तहत चल रही बातचीत पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से यूएनसीएलओएस के अनुरूप होगी. उन राष्ट्रों के वैध अधिकारों और हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालना चाहिए जो इन चर्चाओं में शामिल नहीं हैं। हमारा मानना है कि व्यापक आम सहमति को दर्शाने के लिए क्षेत्रीय सुरक्षा पहलों को परामर्शी और विकासोन्मुख होना चाहिए। भारत इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने और वैश्विक आम लोगों की सुरक्षा के लिए एडीएमएम प्लस देशों के बीच व्यावहारिक, दूरंदेशी और परिणामोन्मुख सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद के चौथे संस्करण का शुभारंभ किया था. उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र के समग्र विकास और समृद्धि में भारत का सक्रिय योगदान रहा है। समकालीन दुनिया की बढ़ती वास्तविकताएं भू-राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भारतीय और प्रशांत महासागरों के संगम की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। भारतीय नौसेना और नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन को विशेष रूप से दुनिया के कुछ प्रमुख विशेषज्ञों और विचारकों की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है, जो इंडो-पैसिफिक के प्रबंधन, संरक्षण बनाए रखने और समुद्री डोमेन को सुरक्षित रखने की पहल पर चर्चा करेंगे। समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत ने हमेशा समुद्र को प्रेरणा के स्रोत के साथ-साथ विकास, समृद्धि और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के चालक के रूप में देखा है। भारत को हिंद महासागर में एक सहूलियत की स्थिति प्राप्त है और इस क्षेत्र के समग्र विकास और समृद्धि में सक्रिय योगदानकर्ता रहा है। समकालीन दुनिया की बढ़ती वास्तविकताएं भू-राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भारतीय और प्रशांत महासागरों के संगम की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। इंडो-पैसिफिक में कई चुनौतियां हैं जिन्हें हमें दूर करना होगा। इन चुनौतियों को 'त्रिमूर्ति' के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें पहला है बाहरी प्रभाव और दखलंदाजी। इससे निपटने के लिए समावेशी और अभिनव दृष्टिकोण के माध्यम से आपसी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देना होगा। चीन की ओर इशारा करते हुए नौसेना प्रमुख ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण तैयार करके क्षेत्र को अस्थिर करने की कोशिश करने वाली ताकतों से रक्षा करने पर जोर दिया। बाहरी प्रभावों के बारे में उन्होंने कहा कि महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता और बढ़ती बहु-ध्रुवीयता से प्रेरित, वैश्विक प्रतिस्पर्धा को फिर से आकार देना होगा। इसके अलावा कई प्राकृतिक आपदाओं और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों की चुनौती भी हमारे सामने है। विघटनकारी प्रौद्योगिकियां, सैन्य और नागरिक डोमेन में विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करती हैं। साइबर डोमेन, तकनीकों के साथ-साथ लक्ष्यों का उपयोग करते हुए बढ़ता हथियारीकरण भी बड़ा खतरा है। ये चुनौतियां भारत के लिए या इस क्षेत्र के किसी अन्य देश के लिए अद्वितीय नहीं हैं। हम यह भी मानते हैं कि इन चुनौतियों को अकेले एक राष्ट्र दूर नहीं कर सकता है।

राजनीति अमीरी का धंधा

यह बात जगजाहिर हो चुकी है कि चुनाव लडना और जीतना एक मुनाफे का धंधा बन चुका है। यही वजह है कि चुनाव जीतने के बाद जनप्रतिनिधियों की संपत्ति में दिन दूनी रात चौगुनी उछाल शुरू हो जाती है। इस तरह की संपत्ति में बढ़ोतरी से हर कोई हैरान है लेकिन पूछने वाला कोई नहीं है कि आखिर कौन सी जादू की छडी घुमाकर यह संपत्ति अर्जित की जा रही है। जनप्रतिनिधि में गांव के मुखिया से लेकर, पार्षद, विधायक व सांसद भी आते हैं। जिन्हें जनता की सेवा के बदले एक निर्धारित वेतन भी मिलता है। इसके बाद भी चुनाव दर चुनाव इनकी संपत्ति में बेहिसाब बढ़ोतरी होती जाती है। इसका खुलासा भी तब होता है जब वे दूसरी बार चुनाव लडने के लिए अपना हलफनामा भरते हैं। देश की राजधानी दिल्ली नगर निगम चुनाव कल यानी चार दिसंबर को होने वाले हैं। लेकिन दूसरी बार मैदान में उतरे प्रत्याशियों के हलफनामे का अध्ययन बताता है कि चौरासी में से पचहत्तर पार्षद ऐसे हैं, जिनकी संपत्ति में तीन से चार हजार चार सौ सैंतीस फीसद तक की वृद्धि हुई। हालांकि मामूली द बढ़ोतरी वाले पार्षदों की संख्या इक्का-दुक्का ही दिखाई दे रही है। एकाध पार्षद तो ऐसे भी हैं, जिनकी संपत्ति पहले से घटी है। लेकिन अधिकांश की संपत्ति पिछले पांच सालों में औसतन दो गुने से अधिक बढ़ी है। पिछले निकाय चुनाव के दौरान प्रत्याशियों की संपत्ति औसतन 2.93 करोड़ रुपए थी, जबकि इस बार के चुनाव में चौरासी पार्षदों की संपत्ति 4.37 करोड़ रुपए है। ऐसे ही हैरान करने वाले आंकड़े विधानसभा और संसद चुनाव में भी देखने को मिलते रहते हैं। आश्चर्य की बात है कि इस तथ्य को आम मतदाता भी अब प्रशंसा की दृष्टि से देखता है। उसे अपने प्रतिनिधि की तरक्की देख कर गर्व होता है कि उनका पार्षद इतना काबिल है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद वही फर्श से अर्श पर पहुंच गया है। देखा जाए तो इन जन प्रतिनिधियों को मामूली वेतन ही मिलता है, इसके बाद भी पांच सालों में उनकी जमा पूंजी में करोड़ों की बढ़ोतरी कैसे हो जाती है। सबसे मजेदार तो यह है कि न तो उन पर आय से अधिक संपत्ति जमा करने के मामले दर्ज किए जाते हैं और न उनकी पार्टी उनके खिलाफ कोई कठोर कदम उठाती है। आखिर यह कौन पूछेगा कि पांच सालों में उनकी आमदनी इतनी कैसे बढ़ जाती है कि उनकी संपत्ति में अनाप-शनाप बढ़ोतरी हो जाए। यह भी सब जानते हैं कि इस तरह की संपत्ति भ्रष्टाचार के जरिए ही जमा होती है। नगर निगम पार्षदों को विकास कार्य के लिए हर साल एक निर्धारित रकम जारी की जाती है। उस रकम के आबंटन में ठेकेदारों से निश्चित कमीशनखोरी की बंदरबांट जगजाहिर है। इसके अलावा भी अतिक्रमण, बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण कराने आदि के लिए उगाही के तथ्य से कौन नहीं परिचित है। चुनाव में विपक्षी राजनीतिक दल खुलेआम भ्रष्टाचार के आरोप लगाते फिर रहे हैं, लेकिन कार्रवाई कौन करे। इस कमीशन में सबका हिस्सा बंटा हुआ है। यह भी छिपी बात नहीं है कि जन प्रतिनिधि और अधिकारी भ्रष्टाचार से जुटाया बहुत सारा धन और संपत्ति अपने नाम से नहीं रखते। इस तरह उनकी अघोषित संपत्ति कितनी होगी इसका भी अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल होता जा रहा है। नगर निगम में वर्षों से भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल पाने से आए दिन प्रदर्शन होते रहते हैं। यहां तक कि कर्मचारी हड़ताल पर भी चले जाते हैं। नगर निगम के स्कूलों, मुहल्लों की गलियों, सड़कों, उनमें रोशनी, सार्वजनिक शौचालयों आदि की दशा कितनी दयनीय बनी हुई है। जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा है, इसके बाद भी आवंटित पैसा कहां जा रहा है कोई जानकारी नहीं दी जाती। दिल्ली नगर निगम में कचरा प्रबंधन तो इस बार के चुनाव में प्रमुख मुद्दा बन चुका है। इन सब पहलुओं पर ध्यान देने के बजाय निगम पार्षदों का ध्यान अपनी जेबें भरने पर लगा रहता है, तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। लेकिन अफसोस है कि ऐसे भ्रष्ट पार्षदों के खिलाफ उनकी पार्टियां भी कोई कार्रवाई करने से हाथ खींच लेती हैं।

चीन की अनावश्यक चिंता

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत, चीन और अमेरिका के बीच आजकल जो कहासुनी चल रही है, वह बहुत मजेदार है। उसके तरह-तरह के अर्थ लगाए जा सकते हैं। चीन सरकार के प्रवक्ता ने बयान देकर कहा है कि उत्तराखंड में भारत-चीन सीमा पर अमेरिकी और भारतीय सेना का जो 'युद्धाभ्यास' चल रहा है, वह बिल्कुल अनुचित है और वह 1993 और 1996 के भारत-चीन समझौतों का सरासर उल्लंघन है। सच्चाई तो यह है कि मई 2020 में चीन ने गलवान-क्षेत्र में अपने सैनिक भेजकर ही उक्त समझौतों का उल्लंघन कर दिया था। वास्तव में भारत-अमेरिका का यह युद्धाभ्यास चीन विरोधी हथकंडा नहीं है।

दोनों राष्ट्र इस तरह के कई युद्धाभ्यास जगह-जगह कर चुके हैं। यह चीन को धमकाने का कोई पैंतरा भी नहीं है। यह तो वास्तव में हिमालय क्षेत्रों में अचानक आने वाले भूंकप, बाढ़, पहाड़ों की टूटन, जमीन फटने जैसी विपत्तियों का सामना करने का पूर्वाभ्यास है। प्राकृतिक संकट से ग्रस्त लोगों की मदद के लिए अस्पताल तुरंत कैसे खड़े किए जाएं, हेलिपेड कैसे बनाए जाएं, पुल और सड़कें आनन-फानन कैसे तैयार किए जाएं और घायलों की जीवन रक्षा कैसे की जाए, इन सब कामों का अभ्यास ये दोनों सेनाएं मिलकर कर रही हैं। यह सब क्रिया-कर्म चीन की सीमा से लगभग 100 मील दूर भारत की सीमा में हो रहा है लेकिन लगता है कि चीन इसीलिए चिढ़ा हुआ है कि अमेरिका के साथ उसके संबंध आजकल काफी कटुताभरे हो गए हैं। यह तथ्य चीन के प्रवक्ता के इस कथन से भी सत्य साबित होता है कि अमेरिका की कोशिश यही है कि भारत और चीन के रिश्तों में बिगाड़ हो जाए। चीन नहीं चाहता कि उसके पड़ोसी भारत के साथ उसके रिश्ते खराब हों। यदि सचमुच ऐसा है तो चीन के शासकों से पूछा जाना चाहिए कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन अपने जंगी जहाज क्यों अड़ाए रखता है? वह श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार और नेपाल में भी अपना सामरिक वर्चस्व कायम करने की कोशिश क्यों कर रहा है? पाकिस्तान तो चीनी मदद के दम पर ही भारत पर खम ठोकता रहता है। क्या वजह है कि चीन का 2021 का फौजी बजट, जो कि 209 बिलियन डॉलर का था, वह भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान के कुल बजटों के जोड़ से भी ज्यादा था। चीन का एक तरफ यह कहना कि वह भारत से अपने संबंध अच्छा बनाना चाहता है और दूसरी तरफ वह अपने अमेरिका विरोधी रवैये को बीच में घसीट लाता है। भारत की नीति तो यह है कि वह अमेरिका और चीन तथा अमेरिका और रूस के झगड़ों में तटस्थ बना रहता है। न तो वह चीन विरोधी और न ही वह रूस विरोधी बयानों का समर्थन करता है। अमेरिका से उसके द्विपक्षीय संबंध शुद्ध अपने दम पर हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के अनुभव से परिपक्व होते राहुल गांधी

नरेंद्र तिवारी

भारत जोड़ो यात्रा ने आधे से अधिक सफर तय कर लिया है। अब यह जानना बहुत मुनासिब होगा कि इस यात्रा ने अपने घोषित एवं अघोषित उद्देश्यों को पूरा करने में कितनी सफलता प्राप्त की है। यात्रा के प्रमुख उद्देश्य भय कट्टरता की राजनीति में क्या परिवर्तन हुआ है? महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर यात्रा क्या प्रभाव डाल पाई है? घोषित उदेश्यों के अलावा अघोषित उद्देश्य जिसमें लगातार कमजोर होती कांग्रेस को मजबूती प्रदान करना, कांग्रेस पार्टी के निराशा में डूबे कार्यकर्ताओ में उत्साह का संचार करना, सबसे प्रमुख नेहरू-गांधी परिवार के वंशज ओर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की छवि में निखार लाना। इन घोषित एवं अघोषित उदेश्यों की प्राप्ति में भारत जोड़ो यात्रा आधे सफर के बाद कहां खड़ी है। दिसम्बर महीने की पहली तारीख को यात्रा मध्यप्रदेश के उज्जैन से अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रही थी। 7 सितम्बर 2022 को कन्याकुमारी से आरम्भ हुई कांग्रेस की महत्वाकांक्षी भारत जोड़ो पदयात्रा के संदर्भ में शुरूवातीं दौर में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना ओर महाराष्ट्र में जब भारत जोड़ो यात्रा में जनसैलाब उमड़ता दिखाई दे रहा था। तब भाजपा के नेताओं और प्रवक्ताओं का कहना था कि दक्षिण में कांग्रेस का प्रभाव हैं। यात्रा जब मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी तब असल परीक्षा शुरू होगीं। भारत जोड़ो यात्रा ने अपने तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार 23 नवम्बर को निमाड़ मॉलवा की हल्की-हल्की सर्द हवाओं के मध्य महाराष्ट्र राज्य से मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में प्रवेश किया तो यात्रा में नवीन रंग भर चुके थे। मध्यप्रदेश में प्रवेश करतें ही सर्दी में भी यात्रा ने माहौल में गर्मी पैदा कर दी थी। खंडवा-खरगोन जिलों में निमाड़ के आदिवासी रंगों की झांकी देखने को मिल रही थी। निमाड़-मॉलवा ने जो स्नेह कांग्रेस के पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ओर स्वर्गीय राजीव गांधी को दिया था। अमूमन वैसा ही या कहें उससे कुछ कम ज्यादा स्नेह भारत जोड़ों यात्रा में शामिल होकर राहुल गांधी को भी दिया है। निमाड़ का स्नेह और दुलार पाकर भारत जोड़ों यात्रा ने जब देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में प्रवेश किया तो वातावरण बिल्कुल बदल चुका था। भाजपा के नेताओं और प्रवक्ताओं के बयान मिथ्या साबित हो चुके थे। इंदौर मेहमानों की आगवानी के अपने घोषित चरित्र पर फिर खरा उतरा। इस शहर ने भारत जोड़ों यात्रा को उस ऊंचाई पर पहुचा दिया जिन उदेश्यों को लेकर यह निकाली जा रहीं हैं। महाकाल की नगरी उज्जैन में प्रवेश करते ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसे बदले-बदले नजर आ रहे थे। इंदौर-उज्जैन के अपने भाषणों में राहुल अपने विरोधियों द्वारा गढ़ी गयी छवि को एकदम झुटलातें हुए दिखाई दिए। जब उन्होंने वर्तमान केंद्र सरकार पर तपस्वियों की अनदेखी का आरोप लगाया तो लगा राहुल के लहजे ओर शब्दों में एक अनुभवी नेता की गम्भीरता आ चुकी हैं। अवंतिका नगरी में किसानों, मजदूरों , बेरोजगारों को तपस्वी की उपमा देने का अंदाज यह साबित कर रहा था कि भारत जोड़ों यात्रा के अनुभव ने एक परिपक्व राहुल गांधी का निर्माण कर दिया है। दरअसल पैदल यात्रा के अपने अनुभव हैं। विविधता लिए भारत मे कोस-कोस पर पानी बदले ओर चार कोस पर वाणी बदल जाती हैं। वाणी और पानी के साथ नागरिकों की जरूरतों और समस्याओं में भी भिन्नता आ जाती हैं। इस विविधता को नागरिकों के मध्य जाकर ही समझा जा सकता है। विभिन्न संस्कृतियों, रीतिरिवाजों, खान-पान ओर पहनावों की यहीं विशेषता ही भारत का असली सौंदर्य हैं। इसी विविधता रूपी खूबसूरती को समझकर भारत को समझा जा सकता हैं। भारत जोड़ों यात्रा भी भारत की इस विविधता को समझने का प्रयोग हैं।

राहुल गांधी के लिए अवसर था, राहुल ने इस अवसर का भरपूर लाभ उठाते हुए जनता का स्नेह पाया और प्यार लुटाते हुए भी दिखाई दिए। उनका गरीबों को गले लगाना, बच्चो के जूतों के लेस बांधना, गिरती बरसात के मध्य अपने भाषणों को जारी रखना, बुजुर्गों से आर्शीवाद लेना, दिव्यांगों से मिलना, कलाकारों की समस्याओं को सुनना, पुराने पार्टी कार्यकर्ताओ से मुलाकात करना, महिलाओं को सम्मान देना और सबसे अधिक आमलोगों से जुड़ी समस्याओं मंहगाई, बेरोजगारी आदि को लेकर लगातार मुखर रहना। यह सब राहुल के नए रूप को दर्शाने वाले प्रतीत हो रहा है। उनका आम आदमी जैसा व्यवहार भी उन्हें खास बनाता हैं। देश के श्रमिक, आदिवासी, शोषित, दलित वर्ग जिनका विश्वास इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और कांग्रेस पर था। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वह विश्वास राहुल गांधी के प्रति भी दिखाई दिया। यात्रा ने राहुल को महज निखारा ही नहीं है, एक अनुभवी नेता के रूप में प्रतिस्थापित किया हैं। भारत जोड़ों यात्रा नफरत की राजनीति के खिलाफ भी शंखनाद करती दिखाई दे रहीं है। केंद्र सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी ओर किसानों, मजदूरों की समस्याओं को लेकर भी यात्रा दबाव बनाती दिखीं। यात्रा के लिहाज से भारत जोड़ों अब तक अपने उदेश्यों को पूर्ण करती हुई दिख रही है। इस यात्रा ने राहुल की ऊर्जावान छवि को भी देश के सामने प्रदर्शित किया हैं। पैदल चलने की तखलिफ़, दुख, दर्द और पीड़ा पैदल चलने वाला ही जान सकता हैं। राहुल सहित भारत जोड़ो यात्रा के सहयात्रियों ने भारत को नापने के लिए पैदल यात्रा का कठिन विकल्प चयन किया है। यह यात्रा देश के माहौल में सकारात्मक परिवर्तन का कारण बन बन रहीं है। पैदल यात्राओं से ऊर्जा तो मिलती ही है, देश की जनता का प्यार भी मिलता है। इस लिहाज से भारत जोड़ो यात्रा कॉंमयाबी के पड़ाव दर पडाव तय कर रहीं है। इस यात्रा में शामिल राहुल गांधी सहित सभी सहयात्री देश की जनता का प्यार पाने में अब तक सफल दिखाई दे रहे है।

एक खबर में सबकी क़बर

डॉ. सुरेश कुमार

एक पत्रकार ने नौकरी छोड़कर यूट्यूब चैनल शुरु कर दिया। तब एक यूजर ने पूछा, यदि पहले की तरह किसी ने इसे भी खरीद लिया तो कहाँ जाओगे? पहले दिन उस पत्रकार ने पूरा मन लगाकर काम किया। तब एक यूजर ने फिर से पूछा, आज तुमने कितनी खबरें दिखाईं? पत्रकार ने कहा कि मैंने तो सिर्फ एक खबर ही दिखाई। यूजर चौंककर बोला, क्या सिर्फ एक ही खबर। आम तौर पर भौंकू चैनलों पर काम करने वाले हर भौंकने वाले पत्रकार दस से पंद्रह खबर तो छींक मारकर दिखा देते हैं। अच्छा ये बताओं तुमने कौनसी खबर दिखाई? एक खबर में सबकी क़बर । पत्रकार बोला। क्या! लेकिन तुमने यह कैसे किया? आश्चर्यजनक रूप से यूजर ने पूछा। पत्रकार ने कहा, एक यूजर ने कमेंट बॉक्स में लिख डाला कि दम है तो अपनी खबर से मुझे कबर तक पहुँचाओ। मैंने सबसे पहले दो हजार रुपए की नोट ली। उसे ऊपर से नीचे की ओर फेंक दिया। मैंने कहा इसे कहते हैं रुपए का गिरना। वह काफी प्रभावित हुआ। फिर मैंने कहा कि इसे मैं कहीं से भी ढूँढ़ सकता हूँ। मैंने अपने फोन में वाईफाई ऑन कर दो हजार के नोट में छिपे चिप से लिंक किया। गूगल मैप की तर्ज पर मुझे दो हजार रुपए का पता मिल गया। यूजर का होश उड़ता जा रहा था। मैं यहीं तक नहीं रुका। फिर मैंने कहा कि यह नोट गुलाबी है। गुलाबी रंग से प्यार बढ़ता है। इसलिए इस नोट को अपने जेब में संभाले रखना। प्रेम खर्च करने से जीवन में शांति के साथ-साथ बची-खुची खुशी भी चली जाएगी। इतना कहते ही यूजर ने अपना पर्स टटोला। उसमें रखी दो हजार की नोट गायब थी। मैंने उसे ढांढस बंधाते हुए कहा कि इसमें रोने जैसी कोई बात नहीं है। एक बार अपने फोन का मैसेज इनबॉक्स देख लो। उसमें संदेश आया होगा कि फलां केर फंड में दो हजार जमा करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपकी देशभक्ति वेरिफाइड हो चुकी है। यह पढ़कर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने साथ-साथ एक लाख फॉलोवर्स को मेरे यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइब करवाकर मेरा गुणगान कर रहा है। पहले यूजर ने कहा, वाह यह तो बड़े कमाल की बात है। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि बीस-पच्चीस ऐसे भी यूजर हैं जो बार-बार तुम्हारी हर प्रेजेंटेशन पर तारीफों के पुल बाँधते नजर आते हैं। वैसे ये हैं कौन? तब पत्रकार ने कहा, ये बड़े-बड़े न्यूज चैनलों के एंकर हैं, जो मेरा मसाला चुराकर अपने चैनलों पर लड़ने-झगड़ने की तड़कदार-भड़कदार रेसिपी बनाते हैं। अंदर की बात यह है कि बेवकूफ बनने वाले भी बेवकूफ बनाने का मसाला यहीं से ले जाते हैं। कुछ लोग मुझसे सवाल-जवबा तलब करते हुए इसी का प्रदर्शन करते हैं।

मार्शल लॉ की परंपरा वाला पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

1947 में भारत और पाकिस्तान एक साथ अंग्रेजों की दास्ता से स्वतंत्र हुये थे। भारत में लोकतांत्रिक परंपरा को अपनाकर चहुमुखी विकास किया परंतु पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवाद का सहारा लेकर नकारात्मक विकास की राह पकड़ी फ़ल स्वरूप 75 साल के स्वतंत्रता के बाद भी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था फिर गुलामी की ओर बढ़ने लगी है और भारत विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था तथा सामरिक शक्ति बन चुका है। 2023 में दिसंबर 22 से जी-20 की अध्यक्षता भी करेगा जो कि भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम है और यहीं से भारत के वैश्विक नेतृत्व करने की शुरुआत भी हो रही है। पाकिस्तान हमेशा मर्सला ला के प्रशासन लागू होने की आशंका में डूबा हुआ रहता है। पाकिस्तान के मार्शल लाल लगने के इतिहास में अयूब खान पहले मार्शल ला प्रशासक हुए जिन्होंने 1958 से लेकर 65 तक फील्ड मार्शल पाकिस्तान में शासन किया उसके बाद बख्तियार राणा ने पाकिस्तान के पश्चिमी क्षेत्र का प्रशासन संभाला था। इसी परंपरा में याहया खान 69-71 तक प्रशासक रहे जुल्फिकार अली भुट्टो सिविलियन प्रशासक बने, जुल्फिकार अली भुट्टो पाकिस्तान के चुने हुए प्रधानमंत्री भी रहे पर उनका तख्तापलट कर जनरल जिया उल हक ने 77 से लेकर 88 तक पाकिस्तान में मार्शल ला प्रशासन चलाया उन्होंने जुल्फिकार अली भुट्टो का तख्ता पलट कर उनको फांसी पर लटका भी दिया था. मोहम्मद जिया उल हक सबसे अधिक समय तक पाकिस्तान के मार्शल ला प्रशासक रहे उसके पश्चात परवेज मुशर्रफ 99 से 2002 तक मार्शल ला प्रशासक बने. इमरान खान के प्रशासन काल में पाकिस्तानी सेना के जनरल जावेद कमर बाजवा रहे और यह आशंका बलवती होती रही कि कभी भी मार्शल ला लगाया जा सकता है पर ले देकर इमरान ने अपनी सरकार चलाई और उन्हें भी अपने पद से हटना पड़ा,वहां लोकतांत्रिक तरीके से उनको हटाकर सहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बने। अब बाजवा के कार्यकाल बाद तख्तापलट की आशंका से मुक्त होकर पाकिस्तान के आई,एस,आई के पूर्व प्रमुख वरिष्ठ एवं लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर को पाकिस्तान का नया सेना प्रमुख बनाया गया है। जनरल मुनीर आई एस आई- और मिलिट्री इंटेलिजेंस के प्रमुख रह चुके हैं उन्हें पुलवामा कांड के मास्टरमाइंड के रूप में जाना जाता है और 8 महीने बाद ही 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान के जोर देने पर पद से हटाकर लेफ्टिनेंट जनरल फेज हामिद उनके के स्थान पर आईएसआई प्रमुख बनाया गया था। अब जनरल कमर बाजवा के सेवानिवृत्त होने पर मुनीर को सेना का प्रमुख बनाया गया है। सहवाग शरीफ सरकार ने इन्हें सेना का प्रमुख बनाकर प्रधानमंत्री इमरान खान से सरकार के विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया है।

पाकिस्तान को अस्तित्व में 75 साल हो चुके हैं और देश के आधे से अधिक समय पर सेना का शासन रहा है पाकिस्तान के मामले में यह माना जाता है की सेना का प्रमुख सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली पद होता है। मुनीर की नियुक्ति को भारत के डिप्लोमेटिक हलकों में गंभीरता से लिया गया है। जनरल मुनीर को भारत का कट्टर विरोधी माना जाता है एवं भारत में अशांति फैलाने के चलते मुनीर भी काफी हद तक जिम्मेदार रहे हैं। पुलवामा अटैक के मास्टरमाइंड मुनीर भारत के मधुर संबंध नहीं हो सकते पर यदि सहवाग शरीफ सरकार बनी रहती है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत के प्रति मुनीर तथा पाकिस्तान सरकार का नजरिया पॉजिटिव होता है या नेगेटिव। हालांकि पाकिस्तान अभी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है पाकिस्तान की आवाम वहां पर स्वयं मार्शल ला लगवाना चाह रही है वहां महंगाई चरम सीमा पर है। बिजली का बिल सीमा से बाहर जा चुका है, सरकार के पास शासन चलाने के लिए आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। चीन के साथ भी उसके संबंध बहुत मधुर नहीं रह गए हैं। अमेरिका पहले से ही उसकी मदद के लिए इंकार कर चुका है इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने अब कोई लोन देने से मना भी कर दिया है। ऐसे में सहबाज शरीफ सरकार के पास दुनिया भर से उधारी मांगने के अलावा कोई विकल्प नहीं शेष बचा है। पाकिस्तान किन्ही भी स्थितियों में भारत से युद्ध करने की स्थिति में नहीं है उसके पास ना तो इतने शस्त्र अस्त्र हैं कि भारत से युद्ध करके 15,20 दिन से ज्यादा टिके रह सके । पाकिस्तान को भारत से मित्रता के अलावा कोई चारा नहीं दिखाई देता है।

कल रविवार और एकादशी का योग

रविवार को मोक्षदा एकादशी है। इसी दिन गीता जयंती भी मनाई जाएगी। अगहन शुक्ल पक्ष की एकादशी पर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। रविवार को एकादशी होने से इस दिन भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण के साथ ही सूर्य भगवान का भी पूजन जरूर करें।

एकादशी पर ऐसे कर सकते हैं व्रत-उपवास

जो लोग एकादशी पर व्रत करते हैं, उन्हें सुबह जल्दी उठना चाहिए। स्नान के बाद भगवान विष्णु के सामने पूजा और व्रत करने का संकल्प लें। भगवान की पूजा करें और फिर पूरे दिन निराहार रहें। अगर भूखे रहना मुश्किल हो तो दूध, फल और फलों के रस का सेवन कर सकते हैं। शाम को भी भगवान विष्णु की पूजा करें। अगले दिन सुबह जल्दी उठें और पूजा-पाठ के बाद जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। इसके बाद खुद भोजन ग्रहण करें। इस तरह एकादशी का व्रत पूरा होता है।

रविवार को कर सकते हैं ये शुभ काम भी

एकादशी पर भगवान सूर्य को जल चढ़ाएं। जल चढ़ाते समय ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। सूर्य पूजा के लिए तांबे के लोटे का उपयोग करना चाहिए।

मंदिर में भगवान विष्णु के साथ महालक्ष्मी का अभिषेक करें। श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप बाल गोपाल का भी अभिषेक करें। अभिषेक के लिए दक्षिणावर्ती शंख और केसर मिश्रित दूध का उपयोग करें।

जो लोग व्रत नहीं कर रहे हैं, उन्हें भगवान विष्णु को केले या मौसमी फलों का भोग लगाना चाहिए। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप 108 बार करें। सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाना चाहिए।

एकादशी पर चांदी के बर्तन से शिवलिंग पर दूध चढ़ाना चाहिए और तांबे के लोटे से जल चढ़ाना चाहिए। बिल्वपत्र और आंकड़े के फूल शिवलिंग पर चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। सूर्यास्त के बाद भी शिवलिंग के पास घी का दीपक जलाएं।

विष्णु जी के साथ ही सूर्य पूजा भी करें

कौन हैं वास्तु देवता, जिनकी पूजा बिना अशुभ होता है भवन निर्माण

शास्त्रों में वास्तु देव को भूमि का देवता कहा जाता है।

दिशाओं को ध्यान में रखते हुए वास्तु पुरुष की पूजा व वास्तु दोषों को किया जाता है दूर।

शास्त्रों में वास्तु देव को भूमि का देवता कहा गया है, इसलिए भवन निर्माण से पहले वास्तु देवता की पूजा का विधान बताया गया है। कमरों से लेकर रसोई व पढ़ाई से लेकर पूजा घर तक हर कमरे भी वास्तु की दिशा को ध्यान में रखकर बनाना ही उचित माना गया है। मान्यता है कि ऐसा नहीं करना भूमि के मालिक की सुख- शांति को भंग कर सकता है। कम ही लोग जानते हैं कि ये वास्तु देवता कौन हैं, जिनकी प्रसन्नता हर घर के लिए जरूरी है। ऐसे में आज हम आपको उसी के बारे में बताने जा रहे हैं।

कौन हैं वास्तु देवता?

पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार, शास्त्रों में वास्तु देवता को भगवान शिव के पसीने की बूंद से निर्मित पुरुष बताया गया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब भगवान शिव व अंधकासुर राक्षस के बीच भयानक युद्ध हुआ तो शंकरजी के शरीर से पसीने की कुछ बूंदें जमीन पर गिर पड़ीं। उन बूंदों से आकाश व पृथ्वी को भयभीत करने वाला एक प्राणी प्रकट हुआ, जो देवताओं को मारने लगा। ये देखकर इंद्र आदि देवता डरकर ब्रह्मा जी की शरण में पहुंचे।

तब ब्रह्माजी ने देवताओं को उस पुरुष से डरने की बजाय औंधे मुंह गिराकर उस पर बैठने की सलाह दी। देवताओं ने वैसा ही किया। उसे उल्टा गिराकर सारे देवता उस पर बैठ गए। जब ब्रह्मा जी वहां पहुंचे तो उस पुरुष ने ब्रह्मा जी से प्रार्थना कर अपना दोष व देवताओं के साथ किए जाने वाले व्यवहार के बारे में पूछा।

इस पर ब्रह्मा जी ने उन्हें भी वास्तु देवता घोषित कर दिया। आशीर्वाद दिया कि किसी भी घर, गांव, नगर, दुर्ग, मंदिर, बाग आदि के निर्माण के अवसर पर देवताओं के साथ उसकी भी पूजा की जाएगी। जो ऐसा नहीं करेगा, उस व्यक्ति के जीवन में बाधाएं आती रहेंगी। दरिद्रता के साथ वह अकाल मृत्यु को प्राप्त होगा। तभी से वास्तु देवता को भूमि व भवन के देवता के रूप में पूजा जाता है

राजा रंतिदेव की कठोर परीक्षा लेकर भगवान ने दुनिया को दी यह सीख

कौन थे राजा रंतिदेव?

पौराणिक कथा के अनुसार, राजा रंतिदेव बड़े ही दयालु और दानवीर थे। राजा रंतिदेव के पिता का नाम राजा सकृति था। रंतिदेव दूसरे को कष्ट में नहीं देख सकते थे। वह जब भी किसी गरीब या असहाय को देखते, तो कुछ भी मिलता उसे दान कर देते थे। राजा रंतिदेव ने अपना संपूर्ण जीवन दूसरों की भलाई के लिए समर्पित कर दिया।

अकाल के समय राजा की परीक्षा

पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि एक बार जब राज्य में अकाल पड़ गया था, तो राजा रंतिदेव ने अपना सबकुछ दान में देकर लोगों की मदद की। रंतिदेव स्वयं 48 दिन तक भूखे प्यासे रहे। भूख प्यास के कारण राजा का शरीर कांपने लगा था। 50वें दिन उनको कहीं से भोजन मिला। उन्होंने भोजन का निवाला हाथ में लिया ही था कि एक ब्राह्मण अतिथि के रूप में उनके सामने आ गए। रंतिदेव ने श्रद्धापूर्वक ब्राह्मण को भोजन दिया। शेष भोजन अपने परिवार को देना चाहा, परंतु एक शूद्र अतिथि याचक उनके द्वार पर आ गया। राजा ने अन्न उसको भी दे दिया। तब अतिथि बोला कि उसका कुत्ता भी भूखा है, इसलिए उसके लिए अन्न चाहिए। राजा ने बचा हुआ अन्न शूद्र अतिथि को दे दिया।

त्रिदेवों ने दिए दर्शन

अन्न समाप्त हो जाने के बाद राजा के पास केवल इतना ही पानी बचा था कि किसी एक व्यक्ति की प्यास बुझ सके, वह जल ग्रहण करने वाला ही था कि चांडाल की दीन करुण याचना सुनी। राजा ने जल उस चांडाल को दे दिया। राजा ने प्रार्थना कि, मुझे कुछ नहीं चाहिए, बस सभी प्राणियों की रक्षा हो, उनके सभी कष्ट मैं भोग लूंगा। तभी त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश राजा रंतिदेव के समक्ष पेश हो गए। परीक्षा में राजा रंतिदेव का संयम, धैर्य व परोपकारिता देखकर तीनों देव प्रसन्न हुए और उन्होंने राजा व उसके परिवार को मोक्ष प्रदान किया। इस कथा से यह सीख मिलती है कि जब भी ईश्वर परीक्षा लेते हैं तो भक्त को संयम व धैर्य बनाकर रखना चाहिए।

कामधेनु गाय के दर्शन मात्र से दूर होते हैं सारे कष्ट

हिंदू धर्म में केवल देवी-देवताओं को ही नहीं, बल्कि पशुओं को भी दैविक दर्जा दिया गया है। इन पशुओं में गाय भी शामिल है, जिसे पूजनीय और माता लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। गायों में भी विशेष प्रकार से कामधेनु गाय को पूजा जाता है, जिन्हें सभी गायों की माता का दर्जा प्राप्त है। पौराणिक धर्म ग्रंथों के अनुसार, कामधेनु गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास है और साथ ही वे दैविक और चमत्कारी शक्तियों से परिपूर्ण भी मानी जाती हैं। कहते हैं कि कामधेनु गाय के दर्शन मात्र से ही सभी कष्टों का निवारण हो जाता है। इस गाय को सुरभि भी कहा जाता है।

कौन थीं कामधेनु गाय?

पौराणिक धर्म ग्रंथों के अनुसार, कामधेनु गाय के बारें में कहा गया है कि जब देवताओं ने समुद्र मंथन किया था, तब उस समुद्र में से अनेकों मूल्यवान वस्तुएं प्रकट हुई थीं।

जिनमें पवित्र अमृत कलश और माता लक्ष्मी भी शामिल हैं। क्षीर सागर से प्राप्त हुई 14 मूल्यवान चीजों में एक कामधेनु गाय भी थीं।

कहा जाता है कि इस गाय में समस्त देवी-देवताओं का वास था।

कामधेनु गाय की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सबसे पहले कामधेनु गाय ऋषि वशिष्ठ के पास थीं। कामधेनु गाय को पाने के लिए सभी ने ऋषि वशिष्ठ के साथ युद्ध किया। लेकिन, सभी को हार का सामना करना पड़ा था। एक दूसरी कथा के अनुसार, भगवान परशुराम के पिता, ऋषि जमदग्नि के पास भी कामधेनु गाय थीं। राजा सहस्त्रार्जुन, गाय को लेने उनके आश्रम पहुंचे और वहां आक्रमण कर दिया। इससे दुखी होकर, कामधेनु गाय स्वर्ग में वापस चली गई।

कामधेनु गाय की पूजा

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, अगर आपके घर में दैवीय गाय की मूर्ती या तस्वीर है, तो प्रतिदिन गाय माता की पूजा करें और पवित्र गंगाजल का उन पर छिड़काव करें। फिर अक्षत और फूल लेकर उनकी पूजा-अर्चना कर, उन्हें भोग लगाएं। कहते हैं कि अगर पूजा के समय कामधेनु गाय के इस मंत्र का जाप किया जाए तो आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। माना गया है कि सच्चे मन से कामधेनु माता की स्तुति कर, भक्त, अपनी किसी भी मनोकामना को पूरा कर सकते हैं।

- दर्शन अग्रवाल

इस दिन भूलकर भी ना लें कर्ज, वरना ऋण चुकाने में आ सकती हैं समस्याएं

कर्ज लौटाने के लिए मंगलवार व बुधवार का दिन शुभ माना गया है।

बच्चों की पढ़ाई से लेकर शादी व घर बनाने सहित अन्य कार्यों के लिए कर्ज लेना आम बात है, पर बहुत से लोग उस कर्ज को समय पर नहीं चुका पाते। इसकी वजह शास्त्रों में कर्ज लेने या चुकाने के लिए सही समय का चयन नहीं करना माना गया है, जिसकी वजह से चाहने पर भी कर्ज नहीं चूकता। ऐसे में जरूरी है कर्ज लेते और उसे चुकाते समय वार व नक्षत्रों का विशेष ध्यान रखा जाए। आज हम आपको ज्योतिषशास्त्र के अनुसार कर्ज लेने व देने से संबंधित शुभ व अशुभ समय के बारे में बताने जा रहे हैं।

कब ना लें कर्ज

पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार कर्ज लेने के लिए कुछ वार व नक्षत्रों का समय अशुभ माना गया है। ये वार मंगलवार, बुधवार व शनिवार

तथा हस्त, मूल, आद्रा, ज्येष्ठा, विशाखा, कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, रोहिणी आदि नक्षत्र हैं। रविवार को भी कर्ज लेने व देने दोनों की मनाही है। इन वारों व नक्षत्रों में लिया गया ऋण चूकने की संभावना बहुत कम मानी गई। इससे व्यक्ति पर ऋण का बोझ बढ़ता ही जाता है।

कर्ज लेने का शुभ समय

पंडित जोशी के अनुसार सोमवार, गुरुवार व शुक्रवार को कर्ज लेने के लिए उचित दिन माना गया है। वहीं नक्षत्रों की बात करें तो स्वाति, धनिष्ठा, शतभिषा, पुनर्वसु, चित्रा, अनुराधा, अश्विनी, मृगशिरा, रेवती व पुष्य सरीखे नक्षत्रों में कर्ज लेना शुभ माना गया है। मान्यता है कि इन वारों व नक्षत्रों में लिया गया कर्ज समय पर चुकता होने की संभावना रहती है।

फातिमा सना शेख को पड़ते हैं मिर्गी के दौरे, बोलीं- इतना डर गई थी कि...

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा कि वे मिर्गी की बीमारी से पीड़ित हैं. सना ने अपनी बीमारी का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार तो ऐसा हुआ था कि उन्हें लगा कि अब वो बचने वाली नहीं हैं. दरअसल, वे एक बार फ्लाइट से कहीं जा रही थीं अचानक उन्हें दौरे पड़ने लगे. आनन फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया. वे दो दिन तक हॉस्पिटल में एडमिट भी रहीं. शेख ने इस घटना को याद करते हुए बताया कि वहां उनकी देखभाल के लिए कई स्टॉफ थे लेकिन पहचान का कोई भी नहीं था. मैं जैसे तैसे बच गई. इस बीमारी की वजह से अब वो कभी भी अकेले ट्रेवल नहीं करतीं उनके साथ हमेशा कोई न कोई रहता है. हाल ही में हाल में ही फातिमा सना शेख ने नेशनल एपिलेप्सी अवयेरनेस मंथ के प्रोग्राम हिस्सा लिया था जहां उन्होंने पहली बार बताया कि वे इस खतरनाक बीमारी से जूझ रही हैं।

अपनी बीमारी के बारे में बात करते हुए सना ने कहा कि मैंने एपिलेप्सी को छिपाया नहीं है बस ऐसा मौका ही नहीं मिला कि कहीं कुछ बता पाऊं. हां, मुझे इसे समझने और स्वीकारने में कुछ वक्त जरूर लगा. मैं नहीं चाहती थीं कि लोग सोंचे की मैं बहुत कमजोर हूं.मैं ये सोचकर भी डरती थी कि कहीं मुझे इस वजह से काम मिलना बंद न हो जाए. लेकिन फिर मुझे लगा कि मैं जिनके साथ काम करती हूं मुझे उन्हें ये बात बतानी चाहिए।

मुझे कई बार सेट पर भी दौरे पड़े हैं और स्टॉफ ने मेरी मदद की है. आज मैं खुल कर अपनी बीमारी के बारे में बात कर रही हूं ताकि लोग इस बारे में जागरुक हों और ये न सोचें की किसी ने ड्रग्स लिया होगा. या किसी पर देवी आई होगी तो ऐसा हुआ होगा।

विद्युत जामवाल ने किया हाइलाइन स्टंट : सोशल मीडिया पर शेयर किया विडियो, यूजर्स बोले- रियल लाइफ स्पाइडर मैन

हाल ही में एक्टर विद्युत जामवाल का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वो जबरदस्त स्टंट करते हुए नजर आ रहे हैं। कमजोर दिल वालों के लिए यह स्टंट बिल्कुल नहीं है। दरअसल विद्युत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो हाइलाइन स्टंट की ट्रेनिंग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए विद्युत ने लिखा- 'मुझे एहसास हो गया है कि आप समझदार हैं, आपको थोड़ा सनकी होना चाहिए।'

इस तरह के स्टंट्स के लिए फोकस, ट्रेनिंग और टेक्निकल एक्सपर्टीज की बहुत जरूरत होती है। यही वजह थी कि विद्युत स्टंट करने से पहले प्रॉपर ट्रेनिंग लेते हुए नजर आ रहे हैं। शूटिंग शेड्यूल से समय निकालकर विद्युत ने हाइलाइनर्स के साथ समय बिताया और दुनिया के सबसे मुश्किल हाइलाइन्स पर स्टंट करने चले गए। सोशल मीडिया पर विद्युत का यह वीडियो खूब पसंद किया जा रहा है।

सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन ने चारू असोपा के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी, कही ये बात

टीवी एक्ट्रेस चारू और राजीव की निजी जिंदगी बीते कुछ महीनों से सुर्खियों में है। दोनों तलाक की खबरों के बीच एक-दूसरे पर कई गंभीर आरोप लगा चुके हैं। हाल ही में चारू असोपा ने कहा था कि राजीव सेन अपनी बेटी जियाना के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन खबरों पर अब राजीव सेन ने पलटवार करते हुए चारू पर निशाना साधा है। राजीव ने अपने यूट्यूब अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह कह रहे हैं कि चारू ने व्यूज पाने के लिए बेटी को यूज किया है।

राजीव सेन इन दिनों अपने दिल्ली वाले घर पर हैं जहां उनकी मां भी साथ में हैं। राजीव सेन खुद का यूट्यूब चैनल चलाते हैं जहां उन्होंने अपने लेटेस्ट वीडियो में दिखाया कि वो घर में मां के साथ बंगाली खाना इंजॉय कर रहे हैं और साथ में शॉपिंग भी कर रहे हैं। वीडियो में राजीव कहते हैं कि मैं व्यूज लेने के लिए बेटी का इस्तेमाल नहीं करता। जियाना तो मेरे साथ रहती भी नहीं है। राजीव आगे कहते हैं कि चारू खुद व्यूज पाने के लिए जियाना को यूज करती है। राजीव कहते हैं कि उनके रास्ते अब अलग हो चुके हैं और तलाक के पेपर भी साइन हो चुके हैं।

राजीव सेन ने वीडियो में आगे बताया कि बहुत जल्द सब कुछ फाइनल हो जाएगा। राजीव ने कहा कि जिंदगी बहुत छोटी है, इतनी छोटी सोच मत रखो। चारू से अलग होने पर राजीव ने कहा कि मेरे पास तो अभी बेटी भी नहीं है और हम दोनों अलग हो रहे हैं ये सोचकर भी अजीब लगता है। राजीव-चारू की शादी टूटने की कगार पर है और ऐसे में दोनों को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें वायरल हो रही हैं। लोगों ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया है कि दोनों पब्लिसिटी के लिए ऐसा करते हैं। राजीव और चारू ने साल 2019 में शादी रचाई थी और शादी के 3 महीने के बाद से ही दोनों के बीच अनबन शुरू हो गई थी। राजीव-चारू की बेटी जियाना का जन्म 2021 में हुआ था, जिसका नाम उन्होंने जियाना रखा है।

रणवीर सिंह ने वीडियो में सुनाया दुखड़ा, बोले- 'मेरी न घर पर नहीं चलती है, ना ऑफिस में'

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह उन अभिनेताओं में से एक हैं जो अपनी फिल्मों के माध्यम से लोगों के रोजमर्रा के जीवन में असर डालने की क्षमता रखते हैं। वह बॉलीवुड में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले अभिनेताओं में से एक हैं और उनकी मैगनेटिक एनर्जी सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए काफी होती है। आजकल, वह अपनी आगामी फिल्म 'Cirkus' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जो 23 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म की रिलीज़ से पहले, फिल्म के निर्माताओं ने घोषणा की है कि 'सर्कस' का ट्रेलर 2 दिसंबर को रिलीज़ हो गया। अब यह खबर सामने आने के बाद बाद से रणवीर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन फैंस के साथ बॉलीवुड स्टार भी इस ट्रेलर के आने से पहले काफी उत्साहित हैं, रणवीर सिंह के इंस्टाग्राम पोस्ट उसी का सबूत हैं।

बीती रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें यूट्यूबर आशीष चंचलानी निर्देशक रोहित शेट्टी और फिल्म 'सर्कस' के ट्रेलर की रिलीज की तारीख से पहले फिल्म के ट्रेलर का दिखाने की मांग करते हैं। वीडियो में आशीष को रोहित शेट्टी के ऑफिस के अंदर घूमते हुए देखा जा सकता है। जल्द ही, वह ऑफिस की छत पर पहुंचते हैं, जहां वह सर्कस के कलाकारों को क्रिकेट का खेल खेलते हुए देखते हैं। मौके पर, वह रणवीर सिंह को

दूर से देखते हैं और ट्रेलर दिखाने की मांग करते हैं, जिसके जवाब में रणवीर कहते हैं, देख भाई, मेरी ना घर पर नहीं चलती है, ना ऑफिस में। मैं आपको ट्रेलर नहीं देखा सकता।

वरुण शर्मा और पूजा हेगड़े ने दिया ये रिप्लाई

बाद में, उन्होंने वरुण शर्मा और पूजा हेगड़े से पूछा, जिन्होंने उनकी इस मांग को मानने से इनकार कर दिया। बाद में, वह जॉनी लीवर से बात करते हैं, जो आशीष को यह कहकर आश्वस्त कराते हैं, ₹कमाल का ट्रेलर है। पागल हो जाओगे।₹ इस मस्ती से भरे वीडियो के अंत में, आशीष को रोहित शेट्टी से मिलने का मौका मिलता है।

शहनाज गिल का सबसे ग्लैमरस लुक आया सामने, 'हसल 2.0' के विनर एमसी स्क्वायर संग मचाने वाली हैं तहलका

'बिग बॉस' फेम शहनाज बीते दो सालों में अपने ट्रांसफॉर्मेशन से कई बार तारीफें पा चुकी हैं। वहीं अब एक बार फिर शहनाज का ऐसा लुक सामने आया है जिसे देखकर हर कोई उनका दीवाना हुआ जा रहा है। शहनाज अब जल्द ही 'हसल 2.0' के विजेता अभिषेक बैसला यानी MC SQUARE के साथ बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं। दोनों के सॉन्ग 'घनी सयानी' का पोस्टर रिलीज हो चुका है, जो अब खूब वायरल हो रहा है। शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रैपर के साथ पोस्टर शेयर किया है। 'बिग बॉस (13)' की पूर्व प्रतियोगी शहनाज पोस्टर में अपनी झिलमिलाती पोशाक में बहुत खूबसूरत लग रही हैं, जबकि एमसी स्क्वायर भूरे रंग की पैंट और चश्मे के साथ एक सफेद शर्ट में बहुत अच्छे लग रहे हैं। शहनाज, जो अक्सर अलग-अलग ट्रैक गाते हुए वीडियो साझा करती रहती हैं, ने कैप्शन में लिखा : ये रहा पहला पोस्टर (ये रहा पोस्टर) एमसी स्क्वायर के साथ हमारे आने वाले गाने 'घनी सयानी' का। एमसी स्क्वायर ने भी पोस्टर साझा किया और टिप्पणी की : इस साल का अंत एक धमाके के साथ करेंगे। 23 साल के रैपर एमसी स्क्वायर ने हाल ही में 'हसल 2.0' की ट्रॉफी अपने नाम की। उन्होंने कहा, शो में मेरी यात्रा सबसे खूबसूरत हिस्सा है, इसलिए मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि यह और अधिक सुंदर हो। मैं भविष्य में अपने शिल्प पर अधिक ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूं।

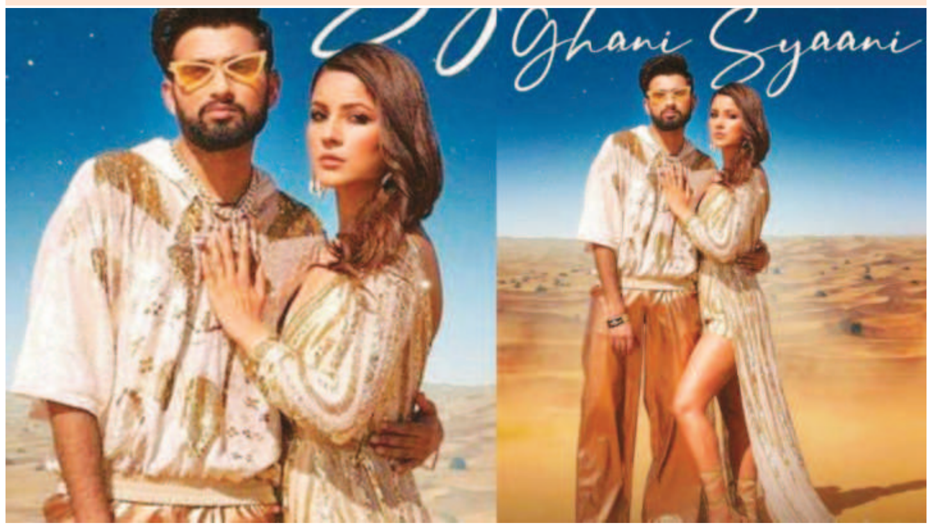

सनी लियोनी को आया उर्फी जावेद का फैशन सेंस पसंद, बोलीं- वाकई शानदार है

'बिग बॉस ओटीटी' फेम उर्फी जावेद अपने अनोखे फैशन स्टेटमेंट के लिए जानी जाती हैं. उनके अनोखे आउटफिट्स अक्सर लोगों का ध्यान खींचते हैं. रस्सी, तार, पत्थर, टूटा शीशा या फूलों की पंखुड़ियां चुनने से लेकर वह अपने ड्रेसिंग स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं. 'स्प्लिट्सविला एक्स4' की मेजबान सनी लियोनी ने भी उनकी छोटी काली पोशाक के लिए उनकी सराहना की, जिसमें दो हंसों ने उनकी छाती को ढक रखा था.

सनी, जिन्हें शो में एक होस्ट के रूप में देखा गया कहती हैः उर्फी तुम्हारा पहनावा अद्भुत है और समुद्र तट के कपड़े के रूप में बिल्कुल सही है. मुझे तुम्हारी पसंद का पहनावा पसंद है और यह शानदार दिखता है. उर्फी जवाब देती हैः मैं अपने यूनिक ड्रेस सेंस के लिए जानी जाती हूं. आप मेरे साथ प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं, लेकिन आप मेरे पहनावे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकतीं, क्योंकि यह हमेशा किसी की कल्पना से बाहर होता है. पोशाक और दो हंसों को देखते हुए, अर्जुन बिजलानी ने 'चलो इश्क लड़ाएं' गाना शुरू किया.

इसके अलावा, आने वाले एपिसोड में ऊर्फी का अपने कनेक्शन कशिश ठाकुर के साथ भारी झगड़ा होगा. दोनों अलग होने का फैसला करेंगे और शो में रोते हुए नजर आएंगे. अर्जुन बिजलानी और सनी लियोन द्वारा होस्ट किया जाने वाला डेटिंग-आधारित रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला एक्स4' एमटीवी पर प्रसारित होता है।

सोमी अली ने सलमान खान पर बोला बड़ा हमला : फिजिकल एब्यूज का लगाया आरोप, कहा-सालों तक मुझे सिगरेट से जलाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोमी अली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बिना नाम लिए सलमान खान पर बड़ा हमला किया है। सोमी अली ने अपनी पोस्ट में सलमान खान के साथ एक पुरानी फोटो शेयर करते हुए उन पर फिजिकल एब्यूज का आरोप लगाया है। हालांकि सोमी ने अपने इस पोस्ट को तुरंत डिलीट कर दिया है। सोमी ने अपने पोस्ट में सलमान खान के अलावा उन एक्ट्रेसेस पर भी हमला बोला है जो सलमान खान का सपोर्ट करती आईं हैं। बता दें कि सोमी अली एक समय पर सलमान खान की गर्लफ्रेंड हुआ करती थीं। हाल के दिनों में वो अक्सर सलमान खान पर हमलावर होती रही हैं।

मैं अपने डिफेंस में 50 वकील खड़ा कर दूंगी

सोमी ने हाल ही में अपनी और सलमान के साथ एक पुरानी

तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- अभी बहुत कुछ होगा। मेरे शो को इंडिया में बैन करा दिया और फिर वकीलो से मुझे धमकाया। तुम एक कायर आदमी हो। अगर तुम मुझे वकीलों का डर दिखाओगे तो मैं भी अपने प्रोटेक्शन में 50 वकील खड़ा कर दूंगी। वो सभी मुझे सिगरेट से जलाने और फिजिकल उत्पीड़न से बचाएंगे जो तुमने मेरे साथ सालों तक किया है।

लानत है उन सभी पर जो तुम्हारा सपोर्ट करते हैं

सोमी ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा- उन सभी फीमेल एक्टर्स को भी शर्म आनी चाहिए जो महिलाओं के साथ मारपीट करने वाले आदमी को सपोर्ट करती हैं। तुम्हें सपोर्ट करने वाले मेल एक्टर्स पर भी लानत है, और ध्यान रहे कि तुमने अपना इन्सोल पहना है चूंकि तुम्हारा कद पांच फीट छह इंच ही है। अब ये आर या पार की लड़ाई है। हालांकि उन्होंने अपने पोस्ट में किसी का भी नाम तो नहीं लिखा लेकिन सलमान के साथ फोटो शेयर करने पर इस बात का अंदाज लगाया जा सकता है कि उन्होंने ये सब बातें सलमान के लिए ही की है।

पहले भी सलमान पर कर चुकी हैं अटैक

सोमी ने इसी साल मार्च में सलमान की मैंने प्यार किया फिल्म की एक तस्वीर शेयर की थी। सोमी ने उस फोटो के कैप्शन में लिखा था- बॉलीवुड के हार्वी वाइंस्टाइन, तुम्हारा पर्दाफाश होगा जिन महिलाओं को तुमने अब्यूज किया है, वो एक दिन जरूर सामने आएंगी और अपनी सच्चाई बताएंगी। जैसे ऐश्वर्या राय बच्चन ने किया।

मैने प्यार किया देखकर सलमान पर फिदा हो गईं थीं

सोमी अली अमेरिका में रहती थीं। उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'मैने प्यार किया' देखी तो उनपर फिदा हो गईं। सलमान पर वो इस कदर फिदा हुईं कि इंडिया आकर उनसे शादी करने की ठान ली। वो इंडिया आईं और कुछ समय तक सलमान के साथ रिलेशनशिप में भी रहीं। इस दौरान उन्होंने अंत, माफिया और आंदोलन जैसी फिल्मों में काम किया। कुछ समय बाद उनका और सलमान का रिश्ता खत्म हो गया और वो दोबारा अमेरिका शिफ्ट हो गईं।

उमराह करने मक्का पहुंचे शाहरुख खान

सफेद लिबास में आए नजर, फैंस बोले- अल्लाह उनकी दुआएं कुबूल करें

फिल्म डंकी की शूटिंग पूरी करने के बाद सुपरस्टार शाहरुख खान इस्लाम के पवित्र शहर मक्का पहुचें। किंग खान ने वहां पर इस्लामी तीर्थ यात्रा उमराह की है। सऊदी अरब के एक पत्रकार ने ट्वीट करते हुए कंफर्म किया है कि शाहरुख ने मक्का पहुंच कर उमराह किया है। सोशल मीडिया पर शाहरुख के उमराह की वीडियोज सामने आ रहे हैं, जिसमें वो सिक्योरिटी से घिरे हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में शाहरुख ने इस्लामी तीर्थ के दौरान पहने जाने वाला सफेद लिबास पहना है।

बहुत समय पहले किंग खान ने ट्वीट किया था। जिसमें उन्होंने मक्का आने की ख्वाइश जताई थी। शाहरुख ने अपने पोस्ट में लिखा- 'मक्का-मदीना इंशा अल्लाह जल्द ही। मुझे याद है मेरे पास बहुत से खिलौने थे, मैं उन्हें मिस करता हूं। सऊदी नहीं जा पाया।' बता दें कि किंग खान का यह ट्वीट 2010 का है।

दरअसल शाहरुख खान इन दिनों डंकी की शूटिंग के लिए गए हुए थे। उन्होंने वीडियो शेयर शूटिंग पूरी होने की अनाउंसमेंट की थी। पोस्ट में शाहरुख ने फिल्म के सभी कलाकारों को धन्यवाद कहा। इसके अलावा उन्होंने सऊदी अरब के संस्कृति और फिल्म मंत्रालय का भी धन्यवाद कहा था।

नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप

बिहार की इस महिला बीजेपी विधायक ने दो मेडल्स पर लगाया निशाना

श्रेयसी सिंह जमुई से बीजेपी विधायक हैं राजनीति में आने के बाद भी श्रेयसी सिंह का शूटिंग में जलवा लगातार जारी है

श्रेयसी ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक हासिल किया है

नई दिल्ली में आयोजित हो रहे नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में एक विधायक का अलग-अलग इवेंट में दो मेडल अपने नाम करना दूसरे खिलाड़ियों के लिए किसी आदर्श से कम नहीं. जमुई से भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह ने गुरुवार को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के डबल ट्रैप स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया है, इससे पहले बीते मंगलवार को श्रेयसी सिंह ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के इसी आयोजन में शॉटगन इवेंट में कांस्य पदक जीता था. मतलब कह सकते हैं कि नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के एक ही आयोजन में अभी तक श्रेयसी सिंह ने दो अलग-अलग इवेंट में दो कांस्य पदक अपने नाम कर सफलता का परचम लहराया है.

एक ही प्रतियोगिता में एक से अधिक मेडल जीतना खिलाड़ी के लिए कितना संतोष दायक है, इस पर श्रेयसी सिंह ने कहा है कि हर पेशेवर खिलाड़ी के जीवन में कई ऐसे चरण आते हैं, जब उसे खेल के प्रतिभा के साथ-साथ विपरीत परिस्थितियों से लड़ने का मादा भी दिखाना पड़ता है और उसकी सफलता- असफलता इसी संघर्ष पर टिकी होती है. श्रेयसी सिंह ने अपने परिवारजनों अभिभावक सामान कुछ जमुई क्षेत्र के वासियों के शुभकामना का नतीजा को ही सफलता का कारण बताया है. श्रेयसी सिंह ने कहा है कि कि उनकी इच्छा रहेगी कि राजनीति और खेल जीवन में लगातार संघर्ष जारी रखकर जनसेवा का हर संभव प्रयास करती रहूंगी.

राजनीति में कदम रखने के बाद विधायक बन श्रेयसी सिंह ने इससे पहले भी आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था. इसके अलावा 64वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भी श्रेयसी सिंह ने गोल्ड मेडल जीत कर अपनी खेल प्रतिभा को दिखाया था. बताते चलें कि भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की पुत्री हैं, जिनकी मां पुतुल कुमारी भी बांका की पूर्व सांसद हैं. श्रेयसी सिंह 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया था, उसी साल उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर विधायक बनने के बाद भी श्रेयसी सिंह अपनी क्षेत्र की जनता के चिंता को दूर करने के साथ-साथ खेल की प्रतिभा को भी आगे बढ़ाने में लगी हैं. श्रेयसी सिंह के इस सफलता से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा है, खासकर उनके राजनीतिक क्षेत्र के लोग और समर्थक उत्साहित हैं.

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, इंटरनेशनल कॉमनवेल्थ गेम के शूटिंग इवेंट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली गोल्डन गर्ल श्रेयसी सिंह राजनीति में आने के बाद भी खेल में अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने में पीछे नहीं हैं. विधायक रहते हुए इंटरनेशनल शूटर श्रेयसी सिंह ने अब नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में दो मेडल अपने नाम कर अपनी प्रतिभा का एक बार फिर लोहा मनवा लिया है. श्रेयसी सिंह ने यह साबित कर दिया कि राजनीति में आने के बाद विधायक बन क्षेत्र के लोगों की परेशानी को समझते और अपनी पार्टी को मजबूती देते हुए खेल के दुनिया में भी लगातार बेहतर कर रही हैं.

भारतीय विकेटकीपर ने कहा - जब 30-32 साल का हो जाऊंगा तब किसी से तुलना करना

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खराब फॉर्म के चलते हो रहीं अपनी आलोचनाओं पर चुप्पी तोड़ी है। भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले से पहले बुधवार को 25 साल के पंत ने कमेंटेटर हर्ष भोगले के सवाल का जवाब देते हुए कहा- मेरा केवल फॉर्म खराब है। व्हाइट बॉल में रिकॉर्ड उतना खराब नहीं है, जितना लोग बोल रहे हैं।

क्या कहा पंत ने?

तीसरे वनडे से पहले कमेंटेटर ने पंत से पूछा- अटैकिंग स्टाइल देख कर लगता है कि आपका व्हाइट बॉल गेम बहुत अच्छा होगा, लेकिन आपका टेस्ट में रिकॉर्ड ज्यादा अच्छा है। इस पर पंत बोले- मेरा व्हाइट बॉल का रिकॉर्ड भी कोई खराब नहीं है। ठीक है ना। कम्पैरिजन करना तो अभी लाइफ का पार्ट ही नहीं है। अभी मैं 25 साल का हूं। कम्पैरिजन तब होनी चाहिए, जब मैं 30-32 साल को हो जाऊंगा। उससे पहले तो कोई लॉजिक नहीं है।

टी-20 में ओपनिंग करना चाहूंगा

अपनी बैटिंग पोजिशन के सवाल पर पंत ने कहा- टी-20 में ओपनिंग ही करना चाहूंगा। वनडे में नंबर 4-5 पर और टेस्ट में तो मैं अभी नंबर-5 पर खेल ही रहा हूं। अलग-अलग पोजिशन पर बैटिंग करने से गेम प्लान बदलना पड़ता है। टीम मैनेजमेंट देखता है कि प्लेयर का बेस्ट किस पोजिशन पर निकल सकता है। उसी नंबर पर उसे बैटिंग करने भेजा जाता है। कमेंटेटर ने पंत से पूछा किस फॉर्मेट में पहले से मन बनाकर शॉट्स खेलने होते हैं। इस पर पंत बोले- टेस्ट और वनडे में तो गेम के हिसाब से बैटिंग करनी होती है, लेकिन टी-20 में पहले से मन बनाकर शॉट्स खेलने होते हैं।

कमेंटेटर से इंटरव्यू के बाद तीसरे वनडे में भारत को टॉस हारकर पहले बैटिंग करने पड़ी। पंत नंबर-4 पर उतरे, लेकिन वे 16 बॉल पर 10 रन ही बना सके। पहले वनडे में भी उनके बल्ले से 23 बॉल पर 15 रन ही निकले थे। दूसरे वनडे में बारिश के चलते वे बैटिंग नहीं कर पाए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड से टी-20 की सीरीज में भी ऋषभ पंत 94.44 के स्ट्राइक रेट से 17 रन ही बना सके थे। उन्हें 2 बार ओपनिंग करने भेजा गया, लेकिन वे कुछ खास नहीं कर सके। न्यूजीलैंड दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान पंत 2 मैच में खेले। यहां वे जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 और इंग्लैंड के खिलाफ 6 रन बनाकर आउट हो गए। वह लिमिटेड ओवर्स यानी वनडे और टी-20 इंटरनेशनल में 19 मैचों से कोई भी फिफ्टी या सेंचुरी नहीं जड़ सके हैं। उन्होंने 17 जुलाई 2022 को आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में 125 रन की नॉटआउट पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। 2022 में पंत ने 12 वनडे और 25 टी-20 मैच खेले। इनमें 700 रन बनाए। इन 37 मैचों में वह 3 फिफ्टी और एक सेंचुरी लगा सके। टी-20 में उनकी आखिरी फिफ्टी वेस्टइंडीज के खिलाफ फरवरी में आई थी।

पंत ने भारत के लिए 2016 में टी-20 डेब्यू किया था। तब से उन्हें 66 मैचों में मौके मिले, जिनमें वह 126.37 के स्ट्राइक रेट से 987 रन बना सके, लेकिन उनका औसत 22.43 का रहा और वह 3 ही पारियों में 50 से ज्यादा रन बना सके। भारत के लिए 2018 में उन्होंने वनडे डेब्यू किया था। अब तक खेले 30 मैचों में उन्होंने 34.60 के औसत से 865 रन बनाए। इनमें एक शतक और 5 फिफ्टी आईं।

लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट में पंत कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन टेस्ट मैचों में उनका रिकॉर्ड हमेशा से शानदार रहा। इस साल खेले 5 टेस्ट में उन्होंने 532 रन बना डाले। इनमें 2 सेंचुरी और 3 फिफ्टी शामिल हैं। दोनों ही शतक विदेशी पिचों पर आए। एक साउथ अफ्रीका और एक सेंचुरी इंग्लैंड में भी जड़ी।

आईपीएल में अब 11 नहीं, खेलेंगे 15 खिलाड़ी

जानिए क्या है इम्पैक्ट प्लेयर रूल

आईपीएल 2023 की तैयारी शुरू हो गई है। आईपीएल के लिए मिनी ऑक्शन का आयोजन इस साल बीसीसीआई की ओर से किया जाना है, जिसकी तारीख 23 दिसंबर रखी गई है। आईपीएल के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि ऑक्शन कोच्चि में तय किया गया है। इस बीच बीसीसीआई ने लिस्ट भी जारी कर दी है, जो खिलाड़ी इस बार के ऑक्शन में शामिल होने वाले हैं। पता चला है कि इस बार 991 खिलाड़ी आईपीएल के मिनी ऑक्शन में भाग लेंगे। लेकिन खास बात ये है कि सभी दस टीमों की बात करें तो टीमों के पास इस वक्त कुल मिलाकर 87 स्पॉट खाली। यानी करीब 900 से ज्यादा खिलाड़ी इस बार अनसोल्ड जाने वाले हैं। इस बीच खबरें ये भी आ रही हैं कि बीसीसीआई आईपीएल के अगले सीजन में एक नया नियम लाने जा रही है, जिसे इम्पैक्ट प्लेयर रूल कहा जा रहा है, लेकिन अभी तक बीसीसीआई की ओर से इस बारे में कोई भी ऐलान नहीं किया गया है। इम्पैक्ट प्लेयर रूल काफी अहम है और आपको ये जानना चाहिए कि ये नियम आखिर है क्या और इसे कैसे लागू किया जाएगा।

इम्पैक्ट प्लेयर रूल क्या है, ये कैसे लागू होगा

बीसीसीआई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इस नियम को लाने का काम किया था। ऐसा इसलिए किया गया था, ताकि इसे चेक किया जा सके और सभी को पता भी चल जाए कि ये आखिरी होता क्या है। चलिए अब आपको बताते हैं कि इम्पैक्ट प्लेयर रूल है क्या। जब मैच शुरू होता और कप्तान टॉस के लिए मैदान पर जाते हैं तो अभी तक वे अपनी प्लेइंग इलेवन के बारे में बताते हैं। लेकिन इस नियम के लागू होने पर कप्तान 11 नहीं, बल्कि 15 खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपेंगी। 11 खिलाड़ी तो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे, वहीं चार खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के लिए तैयार रहेंगे, लेकिन इनमें से केवल एक ही खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर रूल के तहत खेल सकता है। ये भी ध्यान रखना होगा कि पारी के 14 ओवर के खत्म होने से पहले पहले कप्तान प्लेइंग इलेवन के एक खिलाड़ी को बाहर कर एक खिलाड़ी चार में से ले सकती हैं। 14 ओवर के बाद ये नियम लागू नहीं होगा। लेकिन अगर मैच कम ओवर का होता है और मैच केवल 10 से कम ओवर का हो जाता है तो फिर ये नियम लागू नहीं हो पाएगा। इसके लिए कम से कम 11 ओवर का खेल होना जरूरी है। इस नियम की खास बात ये है कि जो खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के तहत टीम में आएगा, वो बाकी सभी खिलाड़ियों की तरह गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों काम कर सकेगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बीसीसीआई ने लागू किया था नियम, ऋतिक शौकीन बने थे पहले खिलाड़ी

आपको ये जानकर हैरानी होगी कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ये नियम जब लागू हुआ था तो रितिक शौकीन इम्पैक्ट प्लेयर बनने वाले पहले खिलाड़ी थे। वे उस मैच में खेले और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन भी किया। बीसीसीआई की कोशिश है कि अगले साल के आईपीएल को और भी रोचक बनाया जाए। इम्पैक्ट प्लेयर आने से टीमों को काफी फायदा और नुकसान दोनों हो सकते हैं। खास तौर पर इम्पैक्ट प्लेयर के लिए ऑलराउंडर्स की भूमिका ज्यादा अहम हो जाएगी। देखना होगा कि क्या बीसीसीआई इस नियम को आईपीएल में लागू करेगी और दस में से कितनी टीमें इसका इस्तेमाल करेंगी और इसका असर मैच पर कितना पड़ेगा।

शोएब मलिक से शादी ? पाक एक्ट्रेस का जवाब

ऐसे रिश्ते भी होते हैं दुनिया में...

देश-दुनिया में पति-पत्नी और 'वो' के किस्से कम नहीं है. अक्सर इस तरह की कहानियां देखने-सुनने को मिल जाती हैं. प्यार-मोहब्बत, शादी, घर-परिवार के बीच 'वो' की एंट्री से न जाने कितने रिश्ते-टूटते बिखरते रहते हैं.ताजा मामला है टेनिस स्टार रहीं सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक का.

वर्ष 2010 में पति-पत्नी बने दोनों के बीच 'वो' की एंट्री हो चुकी है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि किसी ने नहीं की है, लेकिन चारों तरफ यह चर्चा का विषय है. शोएब सानिया की दूरी के बीच पाकिस्तान की जिस एक खूबसूरत अभिनेत्री और मॉडल का नाम आ रहा है उनका नाम आयशा उमर है. पाकिस्तान के लाहौर में 12 अक्टूबर 1981 को जन्मीं आयशा उमर पाकिस्तानी एक्ट्रेस हैं. आयशा कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं. कहा तो यह भी जा रहा है कि आयशा और शोएब एक टीवी शो की शूटिंग के दौरान एक दूसरे के करीब आए. सोशल मीडिया पर शोएब-सानिया के बीच तलाक की बातों ने जब जोर पकड़ा, तो उसी बीच इस मॉडल का भी जिक्र आया. शोएब सानिया के बीच आयशा का नाम आने के बाद लोगों ने उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनको भला बुरा कहना शुरू कर दिया. कई फैंस ने तो उन पर सानिया और शोएब की शादी बर्बाद करने का भी आरोप लगाया. एक फैन ने तो आयशा से यह तक पूछ दिया कि क्या वह शोएब मलिक से शादी करने की योजना बना रही हैं?

जिसके जवाब में एक्ट्रेस ने लिखा कि वह और शोएब सिर्फ अच्छे दोस्त और शुभचिंतक हैं, इस तरह के रिश्ते भी दुनिया में होते हैं. हालांकि अपनी पोस्ट में आयशा ने शोएब से शादी करने के जवाब में लिखा कि नहीं, वह शोएब से शादी करने नहीं जा रही. उनकी यानि शोएब की शादी हुई है और वह अपनी बीवी के साथ खुश है. मैं उन दोनों की बहुत इज्जत करती हूं. विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आयशा जब एक साल की थीं, तभी उनके पिता चल बसे थे. जिसके बाद उनकी देख भाल उनकी मां और भाई ने किया. बताया जा रहा है कि स्कूली शिक्षा के बाद आयशा ने नेशनल स्कूल ऑफ आर्ट्स से बैचलर्स और मास्टर्स की पढ़ाई की.

इसके अलावा उन्होंने डांस भी सीखा और मॉडलिंग का रूख किया. इस दौरान उन्होंने कई एड फिल्मों में भी काम किया. आयशा उस समय भी चर्चा में आईं थी, जब उन्होंने एक शो के दौरान खुद के यौन शोषण की बात का खुलासा किया था. तब उन्होंने पूरा वाक्या सुनाया था कि कैसे वह इस चीज का शिकार हुईं. अब आयशा एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन वजह दूसरी है. बहरहाल, सच्चाई जो भी हो, लेकिन पाकिस्तान से लेकर हिन्दुस्तान तक सानिया, शोएब और 'वो' यानि आयशा की चर्चा जोरों पर है. इस एक्ट्रेस ने कई फिल्मों में भी काम किया है. फिल्म 'लव में गम' और 'मैं हूं शाहिद अफरीदी' में आयशा आइटम नंबर के जरिये अपनी पहचान बना चुकी हैं. इसके अलावा वह कई टीवी शोज में भी आ चुकी हैं. आयशा उमर ने टीवी शो 'जिंदगी गुलजार है' में भी काम किया है, जो कि काफी चर्चित रहा है.

आयशा उमर

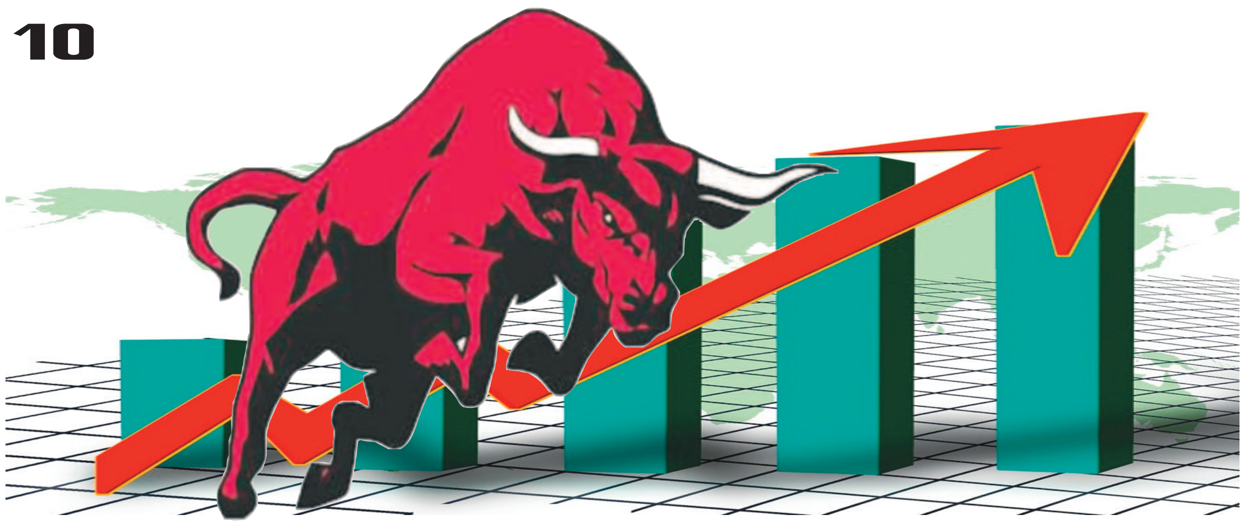

आधार कार्ड की मदद से कुछ ही घंटे में बन जाएगा पैन कार्ड! शुरू हुई यह नई सर्विस

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आधार कार्ड की तरह ही पैन कार्ड एक अहम दस्तावेज है, जिसका उपयोग बैंक खाता खोलने से लेकर कई जगहों पर किया जाता है।पैन कार्ड का रिकॉर्ड आयकर विभाग के पास होता है, जो लोगों के वित्तीय जानकारी पर नजर रखता है।इस दस्तावेज के नहीं होने पर आप कई सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित हो सकते हैं।फिनो पेमेंट्स बैंक की ओर से एक नई सर्विस शुरू की गई है, जिससे अब कुछ ही घंटों में डिजिटल पैन कार्ड पाया जा सकता है।इसके लिए बस आधार प्रमाणीकरण की आवश्यकता होगी।बैंक ने भारत में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में पैन कार्ड जारी करने की सेवाओं का विस्तार करने के लिए प्रोटियन ईगोव टेक्नोलॉजीज के साथ करार किया है।फिनो बैंक ने एक बयान में कहा कि टाई-अप प्रोटियन को फिनो बैंक के 12.2 लाख से अधिक मर्चेंट पॉइंट्स के फिजिटल नेटवर्क के माध्यम से देश के अन्य हिस्सों में अपनी पहुंच का विस्तार करने की अनुमति देगा। इस टाई अप के साथ फिनो प्रोटीन की पैन सेवा एजेंसी के रूप में कार्य करने वाला पहला भुगतान बैंक बन चुका है।फिनो बैंक सेंटर्स की मदद से कोई भी यूजर्स पैन कार्ड आधार अथेंटिफिकेशन के बाद पा सकते हैं।

टॉप-10 कंपनियों की लिस्ट में टॉप पर रिलायंस इंडस्ट्रीज

अडानी की दो कंपनियां भी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के दिग्गज और सबसे मुल्यवान फर्मों की लिस्ट जारी की गई है, जिसमें मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे वैल्यूएबल लिस्टेड कंपनी बनी है।इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस दूसरे स्थान पर है और एचडीएफसी बैंक तीसरे स्थान पर लिस्ट की गई है।चौथे स्थान पर आईसीआईसीआई बैंक को शामिल किया गया है।पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 टॉप 10 कंपनियों की लिस्ट में इन कंपनियों की वैल्यू 226 लाख करोड़ रुपये है।मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू 17.25 लाख करोड़ रुपये, जो टाटा की कंपनी से 6 लाख करोड़ रुपये अधिक है।टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस की वैल्यू 11.68 लाख करोड़ रुपये है।भारत में 500 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची के दूसरे एडिशन के अनुसार, तीसरे पायदान पर एचडीएफसी बैंक की वैल्यू 8.33 लाख करोड़ रुपये है।

टॉप 10 लिस्ट में अडानी की दो कंपनियां

टॉप-10 कंपनियों की लिस्ट में चौथे स्थान पर इंफोसिस को शामिल किया गया है, जिसकी वैल्यू 6.46 लाख करोड़ रुपये है।इसके बाद, पांचवे नंबर पर आईसीआईसीआई बैंक, जिसकी वैल्यू 6.33 लाख करोड़ और छठवें पर भारती एयरटेल की वैल्यू 4.89 लाख करोड़ है।सातवें पायदान पर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉपोरेशन की वैल्यू 4.48 लाख करोड़ रुपये, आईटीसी की वैल्यू 4.32 लाख करोड़ और अडानी टोटल गैस 3.96 लाख करोड़ रुपये की वैल्यू के साथ 9वें पायदान पर है, जबकि दसवें नंबर पर 3.81 लाख करोड़ रुपये की वैल्यू के साथ अडाणी एंटरप्राइजेज है।

10 साल से कम उम्र की 67 कंपनियां

2022 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से 67 कंपनियां 10 साल से भी कम हैं और तेजी से विकास कर रही हैं।500 कंपनियों की वैल्यू जीडीपी के 29 फीसदी के बराबर है। इस रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा, खुदरा, हॉस्पिटैलिटी और रेस्तरां—होटल सेक्टर की कंपनियों ने अच्छी ग्रोथ दिखाई है।इसके अलावा, सॉफ्टवेयर और सेवा क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जिन्हें पिछले साल की तुलना में कुल मिलाकर 6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही पॉलिसी बाजार, पेटीएम, जोमैटो और नायका जैसे स्टार्टअप को भी तगड़ा नुकसान हुआ है।रिपोर्ट में शामिल कंपनियों के निदेशक मंडल में 16 फीसदी महिलाएं मौजूद हैं।सर्वाधिक महिला कर्मचारियों के मामले में टीसीएस आगे है, जिसके पास 2.1 लाख महिला कर्मचारी हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक. 05-20	बजे
चंद्र-	मीन	में	धनु--- 07-34	बजे
मंगल	वृष	में	मकर- 09-38	बजे
बुध-	वृश्चिक	में	कुंभ - 11-39	बजे
गुरु-	मीन	में	मीन... 13-07	बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	मेष-- 14-43	बजे
शनि-	मकर	में	वृष-- 16-28	बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन.. 18-29	बजे
केतु-	तुला	में	कर्क... 20-40	बजे
			सिंह... 22-53	बजे
			कन्या.. 00-03	बजे
			तुला 03-09	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी **- 05 -34** अहोरात्र तक
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , शनिवार **Dec 03**
नक्षत्र -रेवती **- 06 - 16 -** अहोरात्र तक
योग - व्यतिपात **- 04 - 34 -** तक उप- वरियान
करण- वणिज **- 17 - 33 -** तक उप- विष्टि
विशेष:- मोक्षदा एकादशी व्रत स्मा.
व्रत -त्योहार - मौन एकादशी व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:19 से 10:42 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:34 - 07:56	अशुभ	लाभ	17:39 - 19:16	शुभ
शुभ.	07:56 - 09:19	शुभ	उत्पात	19:16 - 20:53	अशुभ
रोग.	09:19 - 10:42	अशुभ	शुभ	20:53 - 22:29	शुभ
उत्पात	10:42 - 12:06	अशुभ	अमृत	22:29 - 00:06	शुभ
चंचल	12:06 - 13:29	शुभ	चंचल	00:06 - 01:43	शुभ
लाभ	13:29 - 14:53	शुभ	रोग	01:43 - 03:20	अशुभ
अमृत	14:53 - 16:16	शुभ	काल	03:20 - 04:56	अशुभ
काल	16:16 - 17:36	अशुभ	लाभ	04:56 - 06:34	शुभ

गांवों से ज्यादा शहरों में 'नौकरी की किल्लत'

रिपोर्ट में दावा- नवंबर में 8% हुई बेरोजगारी दर

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में बेरोजगारी दर नवंबर महीने में पिछले तीन महीनों के उच्चतम स्तर 8 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन (सीएमआई) की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में बेरोजगारी दर ग्रामीण भारत की तुलना में कहीं अधिक है। शहरी भारत में जहां बेरोजगारी दर 8.96 प्रतिशत रही वहीं ग्रामीणा भारत में यह दर 7.55 प्रतिशत रही। इससे पहले अक्तूबर 2022 में शहरी बेरोजगारी दर 7.21 प्रतिशत जबकि ग्रामीण क्षेत्र की बरोजगारी दर 8.04 प्रतिशत रही थी।

बेरोजगारी के मामले में हरियाणा टॉप पर

राज्यवार बात करें तो हरियाणा बेरोजगारी दर के मामले में एक बार फिर अव्वल नंबर पर है। जहां यह आंकड़ा नवंबर महीने में 30.6 प्रतिशत दर्ज किया गया। उसके बाद सबसे अधिक बेरोजगारी दर राजस्थान में 24.5 प्रतिशत दर्ज की गई। जम्मू व कश्मीर में बेरोजगारी दर 23.9 प्रतिशत रही। सीएमआईई की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में यह 17.3 प्रतिशत जबकि त्रिपुरा में 14.5 प्रतिशत आंकी गई।

छत्तीसगढ़ समेत इन राज्यों का प्रदर्शन रहा बेहतर

सबसे कम बेरोजगारी दर के मामले में छत्तीसगढ़ सबसे आगे रहा। जहां बेरोजगारी दर महज 0.1 प्रतिशत रही। नवंबर महीने के दौरान उत्तराखंड में बेरोजगारी दर 1.2 प्रतिशत, ओडिसा में 1.6 प्रतिशत, कर्नाटक में 1.8% जबकि मेघालय में 2.1 प्रतिशत रही। अक्तूबर महीने में बेरोजगारी दर 7.77 प्रतिशत थी। सीएमआई के आंकड़ों के अनुसार उससे पहले सितंबर में बेरोजगारी दर 6.43 प्रतिशत थी।

वर्ष 2022 में हर महीने बेरोजगारी दर में जारी रहा उतार-चढ़ाव

मुंबई स्थित सीएमआईई के आंकड़ों पर कथित तौर पर अर्थशास्त्रियों और नीति निर्माता बारीकी से नजर बनाकर रखते हैं, क्योंकि सरकार की ओर से अर्थव्यवस्था से जुड़े मासिक आंकड़े जारी नहीं जारी किए जाते हैं। वैश्विक मंदी की आशंकाओं और महंगाई के बीच वर्ष 2022 में देश की बेरोजगारी दर निम्न रूप से दर्ज की गई।

मजबूत वैश्विक रुख से सोना 473 रुपये चढ़ा, चांदी 1216 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मजबूत वैश्विक रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 473 रुपये मजबूत होकर 54,195 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबार में सोना 53,722 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 1,216 रुपये की तेजी के साथ 66,064 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट दिलीप परमार ने कहा, 'मुद्रास्फीति के नीचे आने के संकेत, डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और सोने की अच्छी भौतिक मांग से घरेलू सोने की कीमतों को सपोर्ट मिल रहा है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,801.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा है जबकि चांदी की कीमत 22.73 डॉलर प्रति औंस रही।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आज आप अपने अहम् को छोड़कर कार्य करेंगे तो अच्छा रहेगा। संतान की समस्या को सुनने का प्रयास करें। यदि नौकरी पेशा हैं तो कार्यक्षेत्र में मन नहीं लगा पाएंगे। जीवन साथी का पूर्ण सहयोग आपको प्राप्त होगा तथा अपने और पराये के बारे में भी ज्ञान होगा। किसी बात के उजागर होने का भय आपके मन में बना रहेगा

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज जन्म स्थान से दूर जाने का विचार बना सकते हैं। चंद्रमा अनुकूल नहीं हैं। आपके अपने ही आपका साथ नहीं देंगे। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। अपनी मान-मर्यादा की सीमाएं तोड़ सकते हैं। संतान के लिये परिस्थिति थोड़ी कठीन है। धन-प्रबंध की आपको जहां से उम्मीद थी, वहां से निराशा हाथ लग सकती है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आज प्रात: से ही धार्मिक कार्यों में अपना योगदान देने का विचार करेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभप्रद है। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी हो सकती है। यदि आप प्रेम-संबंध में हैं तो दिन उत्तम है, अपने साथी के साथ अधिक समय निकालेंगे। साझेदारी व्यवसाय में कई महत्वपूर्ण निर्णय आपको लेने पड़ सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आज कई पुरानी समस्याओं को हल करने में जुट जायेंगे तथा अपनी सुझबुझ से काफी हद तक हल कर भी लेंगे। धन प्राप्ति के अच्छे योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा। आज किसी निवेश के बारे में ना सोचे। यार-दोस्तों के साथ दावत पर जाने का कार्यक्रम बना सकते हैं।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज चंद्रमा अनुकूल हैं तथा धन आने के योग भी बने रहे हैं, किन्तु धन आने से पहले धन के जाने के रास्ते तैयार हैं। कई लोग आपके निर्णयों से सहमत नहीं रहेंगे। जिस कारण आपको बदलाव करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में व्यर्थ की भागदौड़ बनी रहेगी। संतान के कार्यक्षेत्र में उन्हें कोई उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज दिन की शुरुआत मिली-जुली रह सकती है। होते-होते कार्यों में रुकावट आ सकती है। गुप्त शत्रुओं के कारण अनेक परेशानियाँ खड़ी हो सकती हैं। हाथ में आता हुआ धन भी कहीं अटक सकता है।व्यवसाय में गलत निर्णय लेना भारी पड़ सकता है।घर में किसी व्यक्ति की मदद मिलने से राहत प्राप्त हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आज आत्मविश्वास उच्चकोटि का बना रहेगा, रुके हुए कार्य पूर्ण होने लगेंगे। थोड़ी सी कोशिश से अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। नये-नये मित्रों से मुलाकात होगी जो आगे चलकर मददगार साबित होंगे। कार्यक्षेत्र में दिन अच्छा है तथा दैनिक इनकम में कुछ बढ़ोत्तरी हो सकती है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
आज अत्यधिक मेहनत करने का दिन है। छोटे-बड़े सभी व्यक्तियों को साथ लेकर कार्य करने में विश्वास रखेंगे। ग्रह स्थितियाँ समय को बलवान बना रही हैं। घर-परिवार तथा कार्यक्षेत्र में तालमेल अच्छा रहेगा, किन्तु कई जगह आपको कूटनीति का प्रयोग करना पड़ सकता है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आज दिन की शुरुआत मौज-मस्ती तथा घूमने-फिरने से होगी। सभी पुराने लोगों से मेल-जोल बढ़ाने का विचार करेंगे। निजी संबंध में कोई शुभ समाचार आपको प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता भी आपके पक्ष में रहेगी। किसी नई शुरुआत के बारे में विचार कर सकते हैं। बड़े भाई-बहन के लिये समय उत्तम है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज किसी प्रकार की गई लापरवाही आपको भारी पड़ सकती है।मन में भी अनेक प्रकार की दुविधायें उत्पन्न हो सकती हैं।आर्थिक दबाव यथावत बना रहेगा तथा कहीं से कोई मदद नहीं मिल पाएगी। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी आज दिन कमजोर है।यदि आप साझेदारी व्यवसाय से जुड़े हैं तो बड़े बदलाव के लिये कुछ प्रतीक्षा करें।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हुए लोगों के लिये अत्यधिक मेहनत करने का दिन है। घर-परिवार में कुछ चिंता का माहौल बना रहेगा। बड़े बहन-भाइयों के लिये उन्नति का दिन है। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो अधिक मेहनत के अनुरूप भी लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा। साझेदारी व्यवसाय में भ्रम की स्थिति बनी रहेगी।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आज अपने आप में बदलाव महसूस करेंगे, चाहें वह शारीरिक हो या स्वभाविक। कई प्रकार के ज्ञान को एक साथ अर्जित करने का प्रयास करेंगे। यदि आप किसी रिसर्च से जुड़े हैं तो आज आपके द्वारा किये गए प्रयास काफी सफल रहेंगे। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो अपने अधिकारियों को प्रसन्न करने के लिये कार्य कर सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

शेयर बाजार के लगातार 8 दिनों की तेजी पर लगा ब्रेक

गिरावट के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आठ दिनों के लगातार तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार की तेजी पर आज ब्रेक लग गया है।हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में मुनाफावसूली देखी गई।जिसके चलते मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स 63000 से नीचे गिरकर 415 अंकों की गिरावट के साथ 62,868 अंकों पर बंद हुआ है।वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 94 अंकों की गिरावट के साथ 19,042 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज बाजार में सभी दिग्गज सेक्टरों के शेयरों में गिरावट रही।बैंकिंग, ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी जैसे सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।केवल मेटल्स, रियल एस्टेट और मीडिया सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिली है।मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों भी शानदार तेजी के साथ बंद हुए हैं।निफ्टी के 50 शेयरों में 18 शेयर तेजी के साथ तो 32 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए हैं।तो सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 शेयर तेजी के साथ तो 20 गिरावट के साथ बंद हुए हैं।मिडकैप इंडेक्स 0.80 फीसदी तो स्मॉल कैप इंडेक्स 0.70 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।जिन शेयरों में तेजी रही उनपर नजर डालें तो डॉ रेड्डी 1.18 फीसदी, टाटा स्टील 1.13 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.11 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.56 फीसदी, एचसीएल टेक 0.35 फीसदी, भारती एयरटेल 0.29 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.25 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.18 फीसदी, एनटीपीसी 0.06 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

गिरने वाले शेयर

जिन शेयरों में मुनाफावसूली रही उनपर नजर डालें तो महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.08 फीसदी, एचयूएल 1.59 फीसदी, नेस्ले 1.52 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.52 फीसदी, एचडीएफसी 1.38 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.29 फीसदी, बजाज फाइनैंस 1.13 फीसदी, पावर ग्रिड 1.08 फीसदी, सन फार्मा 1.07 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

200 वंदे भारत ट्रेनों की मैन्युफैक्चरिंग

मेंटेनेंस के लिए बीएचईएल ने लगाई बोली जानें और कौन-कौन कंपनियां हैं शामिल

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पब्लिक सेक्टर की भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड अब जल्द ही भारतीय रेलवे के लिए काम शुरू कर सकती है।बीएचईएल देश की अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों के लिए प्रोडक्ट्स, सिस्टम्स ओर सर्विसेज में डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, परीक्षण, कमीशन को लेकर काम कर रही है।इसमें बिजली, उद्योग, परिवहन, ऊर्जा, तेल, गैस और रक्षा आदि शामिल है लेकिन अब रेलवे भी इसमें शामिल होने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को उन 5 बोलीदाताओं में शामिल किया गया है, जिन्होंने 200 वंदे भारत रेलगाड़ियों के विनिर्माण और अगले 35 सालों तक उनके रखरखाव के लिए बोली लगाई है। यह पूरा सौदा 58,000 करोड़ रुपये का है।

इसके लिए भेल ने टीटागढ़ वैगन्स के साथ एक गठजोड़ बना लिया है।इस सौदे के लिए बोली लगाने वालों में फ्रांसीसी रेलवे कंपनी एल्सटॉम , स्विटजरलैंड की रेलवे रोलिंग स्टॉक विनिर्माता स्टैडलर रेल और हैदराबाद स्थित मेधा सर्वो ड्राइव्स का गठजोड़ मेधा-स्टैडलर , बीईएमएल और सीमेंस का गठजोड़ और एक भारतीय फर्म के साथ रूसी रोलिंग स्टॉक विनिर्माता ट्रांसमाशहोल्डिंग का गठजोड़ हुआ है, शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, रेलवे इस सौदे के तहत 26,000 करोड़ रुपये रेलगाड़ियों की आपूर्ति के लिए अग्रिम दिए जाएंगे। साथ ही इनके रखरखाव के लिए 35 साल में 32,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। अब भारतीय रेलवे अनुबंध के लिए तकनीकी बोलियों का मूल्यांकन कर रहा है। मालूम हो कि रेलवे की ओर से ये वित्तीय बोलियां अगले 45 दिनों में खोली जानी तय हुई है।सफल बोली लगाने वाले को 24 महीने के अंदर वंदे भारत रेलगाड़ियों के लिए शयनयान श्रेणी का प्रोटोटाइप तैयार करना होगा।भारतीय रेलवे 2024 की पहली तिमाही तक वंदे भारत रेलगाड़ी के शयनयान श्रेणी वाले संस्करण को शुरू करने की योजना बना रहा है।

किरायेदार कमरा नहीं करता है खाली तो भरना होगा 4 गुना जुर्माना, जानिए क्या है नियम

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में कभी किराया न दे पाने से किसी किरायेदार को बाहर निकालने, तो वहीं मकान मालिक के बार-बार कहने पर भी किरायेदार द्वारा मकान खाली नहीं करने जैसे कई विवाद सामने आ चुके हैं।इन्ही विवादों को निपटाने के लिए सरकार ने मकान मालिक और किरायेदार को लेकर कुछ कानून बनाएं हैं, जो इनके अधिकारों की रक्षा करता है।इसके साथ ही यह कानून किरायेदार को अनुचित किराया चुकाने से भी बचाता है।मकान मालिकों और किरायेदारों दोनों के हितों को संतुलित करने और उनकी रक्षा करने के लिए वर्ष 1948 में एक किराया नियंत्रण अधिनियम पारित किया गया था।हर राज्य का अपना किराया नियंत्रण अधिनियम है, जैसे-महाराष्ट्र किराया नियंत्रण अधिनियम 1999, दिल्ली किराया नियंत्रण अधिनियम 1958 आदि।हालांकि, सभी राज्यों में कुछ नियम समान हैं।नियम के अनुसार, अगर कोई किरायेदार किसी मकान का किराया दे चुका है, लेकिन मकान मालिक के बार-बार कहने पर भी परिसर को खाली नहीं करता है, तो ऐसा किरायेदार मकान मालिक को बढ़ा हुआ किराया देने के लिए उत्तरदायी है।वहीं अगर किरायेदारी का कांट्रैक्ट समाप्त हो जाता है और उसको रिन्यू नहीं कराया जाता है, तो किरायेदार को बढ़ा हुआ किराया देना पड़ेगा।नियम यह कहता है कि यह बढ़ा हुआ किराया, किरायेदार को पहले दो महीने तक किराये के दोगुना और उसके बाद 4 गुना तक देना होगा, लेकिन अगर इस बीच वह कांट्रैक्ट को रिन्यू करा लेता है, तो उसे अतिरिक्त किराया जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी.इसके अलावा, अगर किरायेदार के साथ या उसके परिवार में कोई अप्रत्याशित घटना हो जाती है, तो ऐसी स्थिति में मकान मालिक किराएदार को घटना की समाप्ति की तारीख से एक महीने की अवधि के लिए परिसर में रहने की अनुमति देगा।

आईआईटी स्टूडेंट्स को मिले रिकॉर्ड पैकेज

जेन स्ट्रीट ने 3 छात्रों को 4-4 करोड़ सैलरी ऑफर की,25 को 1 करोड़ रु से ज्यादा का पैकेज

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्लेसमेंट्स का सीजन शुरू हो गया है। इस दौरान गुरुवार को हाई-फ्रीक्वेंसी एंड क्वांटिटेटिव फर्म्स ने आईआईटी से कई टॉप टैलेंट्स हायर किए हैं। इस बीच जेन स्ट्रीट कैपिटल नाम की एक कंपनी ने आईआईटी-कानपुर, दिल्ली और बॉम्बे कैंपस के 3 स्टूडेंट्स को 4-4 करोड़ रुपए से ज्यादा का रिकॉर्ड सैलरी पैकेज ऑफर किया है। आईआईटी कानपुर, दिल्ली और बॉम्बे के प्लेसमेंट ऑफिसर्स ने कहा कि जेन स्ट्रीट के यह ऑफर्स अब तक के सबसे ज्यादा हैं। कानपुर कैंपस की प्लेसमेंट टीम स्टूडेंट मेंबर ने कहा, 'जेन स्ट्रीट ने हमारे एक स्टूडेंट को 4 करोड़ रुपए से ज्यादा का पैकेज ऑफर किया है।' हालांकि, इस खबर को लेकर आईआईटी-कानपुर और जेन स्ट्रीट की ओर से अब तक कोई जवाब सामने नहीं आया है। प्रोपराइटरी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट कैपिटल के इस नए रिकॉर्ड ऑफर के बीच कई ब्लूचिप कंपनियों ने आर्थिक मंदी के बीच हायरिंग से दूरी बनाई हुई है। वहीं हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग और क्वांट कंपनियां ऐसे कैंडिडेट्स को हायर कर रही हैं, जो मैथमेटिक्ल और स्टेटिस्क्ल मॉडल का यूज करके मार्केट्स को एनालाइज कर सकते हैं। ग्लोबल रिसेशन के बावजूद, यह सेगमेंट आईआईटी से एक करोड़ और उससे भी ज्यादा की सैलरी देकर स्टूडेंट्स को हायर करने में कामयाब रहा है। क्वांटबॉक्स रिसर्च के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत सिंह ने कहा, 'एचएफटी फर्मों ने पिछले साल अच्छा रेवेन्यू जनरेट किया। हालांकि, 2023 में 2022 जितनी ग्रोथ नहीं हो सकती है। फिर भी 2023 में ग्रोथ अच्छी रहने की उम्मीद है। हम भारत, सिंगापुर, शिकागो और एम्स्टर्डम ऑफिसों के लिए हायरिंग कर रहे हैं।

पालतू कुत्तों पर केमिकल वेपन की टेस्टिंग करता था ओसामा

बेटे उमर ने कहा- मेरी आंखों के सामने होता था एक्सपेरिमेंट

दोहा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन अल-कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन अपने पालतू कुत्तों पर केमिकल वेपन की टेस्टिंग करता था।

9/11 अटैक का आरोपी था ओसामा

11 सितंबर 2001 को 19 आतंकियों ने 4 कॉमर्शियल प्लेन हाइजैक कर अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर टकरा दिए थे।

अमेरिका में इसे 9/11 अटैक के नाम से जाना जाता है।

इस अटैक में 93 देशों के 2 हजार 977 लोग मारे गए थे।

अमेरिकी सेना ने ओसामा को मार गिराया था

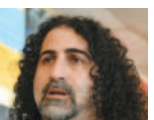

उमर दो मई, 2011 को कतर में थे, जब उन्होंने यह खबर सुनी कि अमेरिकी नेवी सील्स ने उनके पिता की हत्या कर दी है, जो पाकिस्तान के एक सुरक्षित घर में छिपे हुए थे। अमेरिकी नेवी ने बिन लादेन के शरीर को उसकी मौत के 24 घंटे में सुपरकैरियर यूएसएस कार्ल विंसन से समुद्र में दफन कर दिया गया था। उमर ने कहा- मुझे नहीं पता कि उन्होंने पिता ओसामा के शव के साथ क्या किया। वो कहते हैं कि उन्होंने उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन मुझे विश्वास नहीं होता।

इस बात का खुलासा उसके बेटे उमर ने किया है। इतना ही नहीं उसने एक इंटरव्यू में खुद को ओसामा का विक्टिम बताया। ब्रिटिश अखबार 'द सन' के मुताबिक, कतार आए ओसामा के सबसे बड़े बेटे उमर ने कहा- मेरे पिता चाहते थे कि मैं उनके नक्शे कदमों पर चलूं। मैं ऐसा नहीं चाहता था। हम जब अफगानिस्तान में रहते थे तो वो मुझे हथियार चलाना की ट्रेनिंग देते थे। उन्होंने हमारे पालतू कुत्ते पर केमिकल वेपन की टेस्टिंग भी की थी।

उमर बोले- पिता की हरकत से दुखी था जानवरों पर हो रहे केमिकल एक्सपेरिमेंट के बारे में बात करते हुए उमर ने कहा- मैंने अपनी आंखों से देखा है। मेरे पालतू कुत्ते पर केमिकल वेपन की टेस्टिंग की गई थी। मुझे ये बिल्कुल ठीक नहीं लगा। मैं इससे काफी दुखी था। मेरे लिए ये देखना बहुत मुश्किल था। मैं बस ये सब भूलना चाहता हूं।

उमर को उत्तराधिकारी मानता था ओसामा

41 साल के उमर इस समय अपनी पत्नी जैना के साथ फ्रांस के नॉरमैंडी में रहते हैं। फिलहाल कतर की यात्रा कर रहे हैं। इस दौरान एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा- हम चार भाई हैं। मैं आतंकी की दुनिया में नहीं रहना चाहता था। मैंने पिता ओसामा को गुडबाय बोला और उन्होंने मुझे गुडबाय कहा, लेकिन मेरे जाने से वो खुश नहीं थे। उन्होंने मुझसे सीधे तौर पर कभी कहा नहीं की मैं अल-कायदा से जुड़ जाऊं, लेकिन वो हमेशा कहते थे कि मैं उनका उत्तराधिकारी हूं।

यकीन नहीं होता कि पिता ने बुरे काम किए

उमर की पत्नी जैना ने कहा- उमर का बचपन काफी अंधेरे में गुजरा है। वो आज भी सदमे में हैं। वो बहुत स्ट्रेस में रहते हैं। उन्हें कभी-कभी पैनिक अटैक आते हैं। वो यकीन नहीं कर पाते की उनके पिता ने बुरे काम किए हैं। वो अपना बचपन याद नहीं करना चाहते क्योंकि छोटी उम्र में पिता के कहने पर उन्होंने हथियार थामें थे और अपने पेट्स पर एक्सपेरिमेंट होते देखा था।

तालिबान ने 'वॉयस ऑफ अमेरिका' का प्रसारण रोका

पत्रकारिता के सिद्धांतों के उल्लंघन का लगाया आरोप

काबुल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। तालिबान ने अमेरिकी सरकार की आधिकारिक प्रसारण सेवा 'वॉयस ऑफ अमेरिका' तथा रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी के एफएम रेडियो के प्रसारण पर रोक लगा दी है। तालिबान ने प्रसारण रोकने के पीछे की वजह पत्रकारिता के सिद्धांतों का पालन न करना बताया है। बता दें कि वॉयस ऑफ अमेरिका और आरएफई अमेरिकी सरकार द्वारा वित्त पोषित हैं। हालांकि, वे संपादकीय स्वतंत्रता का दावा करते हैं। अफगानिस्तान में सूचना और संस्कृति मंत्रालय के लिए प्रसारण की देखरेख करने वाले अब्दुल हक हम्माद ने ट्विटर पर जानकारी देते हुए लिखा कि अमेरिकी कब्जे के बाद प्रसारण शुरू करने वाले रेडियो लिबर्टी (आरएल) को पत्रकारिता के नियमों का पालन न करने के कारण 13 प्रांतों में बंद कर दिया गया है।

वॉइस ऑफ अमेरिका पर प्रतिबंध एक दिसंबर से प्रभावी

इस बीच, वीओए के अधिकारियो ने भी पुष्टि करते हुए बताया कि अफगान सूचना और संस्कृति मंत्रालय के एक नए निर्देश ने वीओए के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो एक दिसंबर से प्रभावी है। वॉइस ऑफ अमेरिका टेलीविजन कार्यक्रम, जिसे आशना टीवी के नाम से जाना जाता है, जो पहले टोलो टीवी, टोलोन्यूज और लैमर टीवी चैनलों पर प्रसारित किया गया था, इस साल 27 मार्च को अफगानिस्तान में अधिकारियों द्वारा निलंबित कर दिया गया था।

जिन जजों की डोनाल्ड ट्रंप ने की थी नियुक्ति

उन्हीं ने दिया 440 वोल्ट का झटका, एफबीआई के पक्ष में फैसला

वॉशिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है, जिसके बाद आने वाले वक्त में डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें काफी बढ़ सकती हैं। अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने फैसला सुनाया है, कि ट्रंप के फ्लोरिडा स्थिति मार-ए-लागो घर से एफबीआई ने छापेमारी में जो दस्तावेज जब्त किए थे, उनका इस्तेमाल डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक मुकदमे के दौरान किया जा सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने बरामद किए गये दस्तावेज की जांच के लिए एक जज को मध्यस्थ बनाने की याचिका को भी खारिज कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका

अमेरिका के अटलांटा स्थित 11वें सर्किट यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स ने फ्लोरिडा स्थित यूएस डिसट्रिक्ट जज ऐलेन कैनन के सितंबर के फैसले को चुनौती देने वाले न्याय विभाग के पक्ष में फैसला सुनाया है। जिसमें सभी रिकॉर्ड्स की समीक्षा करने के लिए एक ₹विशेष मास्टर₹ को मध्यस्थ बनाने के पूर्व फैसले को पलट

दिया है, जिसमें कहा गया था, कि स्पेशल जज तय करेंगे, कि उन दस्तावेजों का इस्तेमाल होना चाहिए या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 11वीं सर्किट यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स के तीन जजों के बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि, पूर्व अदालत के पास ये अधिकार ही नहीं था, कि वो डोनाल्ड ट्रंप के 'स्पेशल मास्टर' की नियुक्ति को लेकर फाइल मुकदमे पर फैसला सुनाए। आपको बता दें कि, एफबीआई ने 8 अगस्त को फ्लोरिडा स्थिति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लागो एस्टेट पर छापा मारा था और काफी संख्या में दस्तावेजों को जब्त किया था। वहीं, अदालत ने अपने फैसले में पूर्व अदालत के उस फैसले को भी पलट दिया है, जिसमें कहा गया था, कि ट्रंप के घर से बरामद दस्तावेजों का इस्तेमास उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने में नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने डोनाल्ड ट्रंप की याचिका को खारिज कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मुकदमा

आपको बता दें कि, जनवरी 20, 2021 को राष्ट्रपति पद से हटने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संवेदनशील डॉक्यूमेंट्स को चुराने और छिपाने के आरोप में आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है, कि क्या उन्होंने 1917 के कानून का उल्लंघन किया है, जिसे जासूसी अधिनियम कहा जाता है और जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक जानकारी जुटाने को अपराध बनाता है। जांचकर्ता इस मामले को लेकर कई तरह से ट्रंप के खिलाफ जांच कर रहे हैं। वहीं, ट्रंप के आवास पर जब एफबीआई ने छापा मारा था, तो एफबीआई एजेंटों ने करीब 100 क्लासीफाइड डॉक्यूमेंट्स रिकॉर्ड जब्त किए थे, जिन्हें व्हाइट हाउस से ले जाने की इजाजत डोनाल्ड ट्रंप को नहीं थी। वहीं, कोर्ट ने कहा कि, पूर्व राष्ट्रपति के आवास पर छापेमारी का वारंट जारी करना 'असाधारण' है, लेकिन कोर्ट ट्रंप के खिलाफ चल रहे किसी मुकदमे में हस्तक्षेप नहीं करेगा। वहीं, कोर्ट ने ये भी कहा, कि डोनाल्ड ट्रंप यह साबित नहीं कर पाए, कि उनके खिलाफ चल रहा ये मुकदना 'घृणित उद्येश्य' से किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप के पास अब क्या हैं ऑप्शन?

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ फैसला सुनाने वाले जजों में एक की नियुक्ति रिपब्लिकन पार्टी के ही पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने की थी, जबकि बाकी दो जजों की नियुक्ति डोनाल्ड ट्रंप ने ही की थी। वहीं, माना जा रहा है, कि 11वें सर्किट कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप की टीम अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। वहीं, 11वें सर्किट ने कहा कि उसका आदेश सात दिनों तक प्रभावी नहीं होगा और इस दौरान डोनाल्ड ट्रंप इसे चुनौती दे सकते हैं।

साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा की कुर्सी पर खतरा

चलाया जा सकता है महाभियोग

जोहान्सबर्ग, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा पर अब कुर्सी छोड़ने का दबाव बढ़ता जा रहा है. अपने गेम फार्म पर फर्नीचर में विदेशी करेंसी छिपाकर रखने के मामले में अब राष्ट्रपति रामाफोसा पर महाभियोग भी चलाने की तैयारी हो रही है. संसदीय जांच में पाया गया कि राष्ट्रपति रामाफोसा ने देश के भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों का उल्लंघन किया है. बता दें कि साल 2020 में पुलिस ने करोड़ों की विदेशी नकदी के साथ कुछ चोरों को पकड़ा था. चोरों ने ये रकम राष्ट्रपति रामाफोसा के निजी गेम फार्म से चुराई थी. कालाधन होने के कारण 70 वर्षीय रामाफोसा ने इस चोरी की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी. बतौर राष्ट्रपति अपने पद का दुरुपयोग करते हुए उन्होंने जांच भी प्रभावित करने की कोशिश की. संसदीय समित ने अपनी रिपोर्ट सौंपी राष्ट्रपति रामाफोसा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए संसद ने एक कमेटी का गठन किया था. इस कमेटी ने इसे एक गंभीर मामला माना है. इस स्वतंत्र पैनल ने कहा कि उसे पर्याप्त सबूत मिले हैं कि राष्ट्रपति ने प्रिवेंशन एंड कॉम्बेटिंग ऑफ करप्ट एक्टिविटीज एक्ट के सेक्शन का उल्लंघन किया है. समित ने अपनी रिपोर्ट को नेशनल असेंबली के सामने सौंप दी है.

राष्ट्रपति पर चल सकता है महाभियोग

इसकी जांच करने वाले पैनल की रिपोर्ट की अध्यक्षता रिटायर्ड चीफ जस्टिस ने सैंडिले नगकोबो की थी. समित की रिपोर्ट में राष्ट्रपति रामाफोसा दोषी पाए गए हैं. जिसके बाद उनपर कुर्सी छोड़ने का दबाव बढ़ता जा रहा है. कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद राष्ट्रपति रामाफोसा के खिलाफ महाभियोग की संभावित कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है. दक्षिण अफ्रीका के कानून के तहत अनुमति के बिना बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा नहीं रखी जा सकती है.

ब्रिटिश शाही महल में गरमाया नस्लवाद का मुद्दा

विलियम के दफ्तर ने दी सफाई, लेडी सुसान ने दिया इस्तीफा

लंदन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन का शाही महल एक बार फिर से नस्ली टिप्पणी को लेकर विवादों में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बकिंघम पैलेस की एक सदस्य 83 वर्षीय लेडी सुसान हसी (गॉडमदर) पर नस्ली टिप्पणी करने का आरोप है। मामले का खुलासा होने के बाद शाही परिवार की सदस्य को इस्तीफा देना पड़ा है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, शाही परिवार की इस सदस्य ने शाही महल से जुड़ा काम करने वाली एक अश्वेत महिला से बार-बार उसके मूल स्थान को लेकर सवाल पूछा था। इसके बाद प्रिंस विलियम के दफ्तर को सफाई देनी पड़ी कि नस्लवाद का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है।

लेडी सुसान ने काम करने आई अश्वेत महिला नगोजी फुलानी से बार-बार पूछा कि वह अफ्रीका के किस हिस्से से आई है जबकि उस महिला ने अपने ब्रिटिश होने की जानकारी दी और बताया कि वह हैकनी में पैदा हुई थी। सुसान ने इस पर भरोसा करने से इनकार कर दिया और सवाल पूछना जारी रखा। नगोजी फुलानी घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए चैरिटी का काम करती हैं। प्रिंस विलियम के दफ्तर ने कहा है कि ये टिप्पिणियां अस्वीकार्य थीं। इस घटना ने प्रिंस

और वेल्स की राजकुमारी की बोस्टन यात्रा के पहले दिन महल में "संस्थागत नस्लवाद" के आरोपों को फिर से हवा दे दी। यह घटना ब्रिटेन की महारानी कैमिला के कार्यक्रम में हुई। इस कार्यक्रम का आयोजन घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को लेकर किया गया था। 83 साल की प्रिंस विलियम की गॉड मदर लेडी सुसान हसी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं थी।

ऐसी टिप्पणी पर हमें खेद है : शाही महल

शाही महल के प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। प्रवक्ता के मुताबिक, इस तरह के मामलों को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस तरह की टिप्पणी पर हमें खेद है। हम नागोजी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं। यदि वह चाहें तो इस मामले पर व्यक्तिगत रूप से हमें अपने बुरे अनुभव बता सकती हैं। हालांकि प्रवक्ता ने इस दौरान उसका नाम नहीं लिया जिस पर नस्ली टिप्पणी करने का आरोप है। प्रवक्ता ने कहा कि उस सदस्य ने माफी मांगने की इच्छा जाहिर की है और उन्हें इस बात पर अफसोस है कि उनकी टिप्पणी से किसी को तकलीफ हुई है।

पहला नस्ली मामला नहीं

ब्रिटेन के शाही महल में नस्लभेद का यह कोई पहला मामला नहीं है। किंग चार्ल्स के छोटे बेटे प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मर्केल ने भी आरोप लगाया था कि महल में उन पर नस्लभेदी टिप्पणी की गई थी। मेगन ने कहा था कि उनके गर्भवती होने के दौरान महल के लिए काम करने वाले सदस्य ने उनके बच्चे के रंग को लेकर सवाल किए थे। लोगों को यह चिंता थी कि कहीं बच्चे का रंग अश्वेत न हो जाए।

यूएनएससी में भारत की दो टूक:कहा- कोई भी हमें ये न बताए कि देश को लोकतंत्र पर क्या करना चाहिए

न्यूयार्क, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी में भारत ने फ्रिडम ऑफ प्रेस और डेमोक्रेसी से जुड़े सवाल पर कहा कि किसी को ये बताने की जरूरत नहीं है कि हमें लोकतंत्र पर क्या करना है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा- किसी भी देश को ये बताने की जरूरत नहीं है कि भारत को लोकतंत्र पर क्या करना चाहिए। भारत हमेशा से एक लोकतांत्रिक देश रहा है। इसकी जड़ें 2500 साल पुरानी है। हमारे पास लोकतंत्र के चारों स्तंभ हैं- विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और प्रेस। इसलिए आज भी भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। 15 सदस्यीय यूएनएससी में रुचिरा कंबोज ने कहा- यहां हर 5 साल में इलेक्शन होते हैं। यहां हर व्यक्ति को बोलने की आजदी। हर कोई अपने विचार व्यक्त कर सकता है। देश में तेजी से सुधार और परिवर्तन हो रहा है। इसके रिजल्ट काफी इंप्रेसिव रहे हैं। देश में हो रहे पॉजिटिव चेंज पूरी दुनिया को दिख रहे हैं। इन्हें अलग से बताने की जरूरत नहीं है। दिसंबर महीने में भारत यूनाइटिड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) की अध्यक्षता कर रहा है। यानी इस पूरे महीने रूचिरा कंबोड यूएनएससी की प्रेसिडेंट रहेंगी। इसी के साथ महीने के अंत में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में भारत के दो साल का कार्यकाल का खत्म हो जाएगा। इस दौरान टेररिज्म और अन्य वैश्विक चुनौतियों के मुद्दे पर चर्चाएं होंगी। भारत काफी समय से सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भारत की राह में सबसे बड़ा रोड़ा चीन है। चीन के अलावा फ्रांस, अमेरिका, रूस और ब्रिटेन भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने पर अपनी सहमति जता चुके हैं, लेकिन चीन अलग-अलग बहानों से भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करता रहा है।

सरकार की आमदनी घटी

एक्साइज-जीएसटी समेत सभी मदों में गिरावट, लक्ष्य से कम जुटा राजस्व

चंडीगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बेहतर वित्तीय हालात के दावों के विपरीत पंजाब सरकार आर्थिक संकट से उबर नहीं पा रही। जीएसटी, पेट्रोल, शराब, स्टांप ड्यूटी से सरकार को होने वाली आमदनी निर्धारित लक्ष्य से कम है। पंजाब के महालेखाकार (एजी) के अनुसार अक्तूबर 2022 के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब सरकार को अक्तूबर माह के दौरान जीएसटी में जहां 0.64 फीसदी और शराब से आमदनी में 0.40 फीसदी की मामूली कमी पर संतोष करना पड़ा है, वहीं पेट्रोल-डीजल से होने वाली आमदनी में 16.62 फीसदी और स्टांप ड्यूटी में 3.28 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। एजी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य सरकार का राजस्व घाटा 11.10 फीसदी बढ़ा है जबकि वित्तीय घाटा 12.68 फीसदी तक बढ़ गया है। सरकार ने इस साल 119913.41 करोड़ रुपये की आमदनी का लक्ष्य रखा है लेकिन आठ महीने में यह लक्ष्य 50 फीसदी ही हासिल हो सका है। इस दौरान सरकार को 60744.89 करोड़ की आमदनी हुई है, जिसमें 13940.15 करोड़ रुपये का कर्ज भी शामिल है। राज्य सरकार के खर्च में 10.57 फीसदी का इजाफा हुआ है। सरकार ने जो 13940.15 करोड़ का कर्ज लिया है, उसके मुकाबले 8795.96 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में चुका दिए हैं। आंकड़ों के अनुसार, जीएसटी से होने वाली आमदनी का लक्ष्य 20550 करोड़ रुपये तय किया गया था लेकिन आमदनी 10543.13 करोड़ (51.30 फीसदी) ही हो सकी है, जो बीते वर्ष इसी अवधि में 51.94 फीसदी रही थी। शराब से आमदनी का लक्ष्य 9647.87 करोड़ रुपये रखा गया था लेकिन अप्रैल 2022 से अक्तूबर 2022 तक 4719.12 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। इसी तरह पेट्रोल-डीजल से आमदनी में बीते साल के मुकाबले 900 करोड़ रुपये की कमी आई है। वर्ष 2021 में अक्तूबर माह तक जहां 4275 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी, वहीं इस साल अक्तूबर तक यह कमाई 3345 करोड़ रुपये तक सीमित रही है। स्टांप ड्यूटी के मामले में भी पंजाब सरकार का लक्ष्य 3600 करोड़ रुपये कमाने का था लेकिन इस साल अक्तूबर तक 2160 करोड़ रुपये ही हासिल हो सके हैं।

इसी तरह जमीन की रजिस्ट्रेशन से सरकार को 51.09 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है लेकिन यह लक्ष्य से 20 फीसदी कम है। सरकार ने इस साल 150 करोड़ का लक्ष्य रखा था लेकिन कमाई 51 करोड़ रुपये ही हुई। इसी तरह राज्य सरकार को बिक्री कर के मामले में भी बीते वर्ष के मुकाबले 16.92 फीसदी की बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। सरकार ने इस मद में 6250 करोड़ का लक्ष्य रखा था लेकिन कमाई 3375.87 करोड़ की रही। स्टेट एक्साइज ड्यूटी में भी अनुमान 9647.87 करोड़ का था लेकिन आमदनी 4719.12 करोड़ की हुई। इसके साथ ही गैर-कर राजस्व भी 18.27 फीसदी घटा है।

पॉर्न से हटे प्रतिबंध, यह सबसे पुराना पेशा

एडल्ट इंडस्ट्री में 'क्रांतिकारी' बदलाव चाहती हैं मिया खलीफा

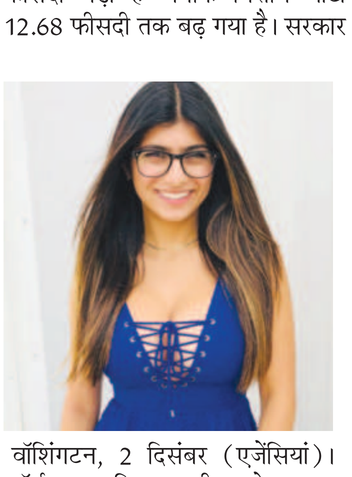

वॉशिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पॉर्न स्टार मिया खलीफा ने एडल्ट इंडस्ट्री में बदलाव की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री बड़ी मुश्किल दौर से गुजर रही है। ऐसे में इस इंडस्ट्री को बचाने के लिए बड़े बदलाव की जरूरत है। मिया खलीफा ने यह भी कहा कि पॉर्न इंडस्ट्री में काम करने वालों की उम्र को बढ़ाना चाहिए। उनका मानना है कि इस फैसले से पॉर्न इंडस्ट्री में काम करने वाले लोगों में ज्यादा जागरुकता आ सकती है। मिया खलीफा पॉर्न इंडस्ट्री का चर्चित नाम हैं। उन्होंने हिजाब पहनकर एक पॉर्न फिल्म की थी। इससे पूरी दुनिया में उनके खिलाफ नाराजगी फैली, लेकिन इसने उन्हें पूरी दुनिया में मशहूर भी कर दिया। एमिली राताजकोव्स्की के साथ अपने पोडकास्ट, हाई लो विथ एमराटा पर बात करते हुए मिया खलीफा ने कहा कि मुझे लगता है कि एक एडल्ट कंटेंट बनाने वाली प्रोडक्शन कंपनी के लिए कम से कम 21 साल की उम्र बढ़ा दी जानी चाहिए। यदि आप सेक्स वर्क उद्योग में प्रवेश करना चाहते हैं, तो हर तरह से इसे 18 वर्ष के बाद करें। यह कानूनी उम्र है, इसे कभी भी चैलेंज नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस इंडस्ट्री में उनके खट्टे-मीठे अनुभवों ने उन्हें पॉर्न कारोबार का विशेषज्ञ बना दिया है। ऐसे में वह इस इंडस्ट्री में सुधार के लिए इन सुझावों को प्रस्तावित कर रही हैं। मिया खलीफा ने कहा कि आपको सेक्स वर्कर्स को लेकर सुरक्षा और नैतिकता के बादे में यथार्थवादी बनना होगा। उन्होंने दावा किया कि यह दुनिया का सबसे पुराना पेशा है। मिया खलीफा ने कहा कि सबसे पुराना पेशा कभी खत्म नहीं होता है। उन्होंने कहा कि आप इस पर प्रतिबंधों को जितना कड़ा करेंगे, लोग उतना ही अधिक उन प्रतिबंधों से बचने का रास्ता भी खोज लेंगे। ऐसे में हमें इसे रेगुलेट करने की जरूरत है, ना कि इस इंडस्ट्री पर प्रतिबंधों का अंबार लगा दिया जाए। मिया खलीफा अपने बयानों के कारण अक्सर विवादों के घेरे में रहती हैं। इसी साल जुलाई में उन्होंने सेना को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि इंटरनेट पर अपना शरीर बेचना सैनिक होने की तुलना में ठीक है। क्योंकि एक सैनिक अपने शरीर को सबसे बुरी तरह बेचता है। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत के किसान आंदोलन को लेकर भी ट्वीट कर विवादों को हवा दी थी।

सोलह श्रृंगार के बाद रात में शादी और सुबह विधवा

पति अरावन का काट देते हैं सिर, मंगल सूत्र तोड़ देते हैं, रात के अंधेरे में निकालते हैं जनाजा

आपने बधाइयां गाते और ट्रेनों में ताली बजाकर पैसे मांगते किन्नरों को देखा होगा, लेकिन ये इनकी जिंदगी का सिर्फ एक पहलू है। इनके रहन-सहन व रीति-रिवाज भी अजब होते हैं। किन्नरों में

दिन में सोलह श्रृंगार। शाम को दुल्हन। रात में शादी और सुबह विधवा। सिंदूर मिटा दिया जाता है। चूड़ियां तोड़ दी जाती हैं, मंगलसूत्र छीन लिया जाता है। चडीगढ़ के 'किन्नरों का मंदिर'है।

देश के पुराने किन्नर मंदिरों में से एक। यहां बड़े-बड़े स्कॉलर किन्नरों पर रिसर्च के लिए आते हैं। यहां गद्दी पर किन्नरों की गुरु माता कमली विराजमान हैं। उनकी गद्दी के पास पीतल का कमंडल और पानपीक रखा है। चारों तरफ इत्र की खूशबू महक रही है। पीछे उनके चार गुरुओं की माला लगी तस्वीरें हैं। कुछ बच्चे सोए हैं। ये अनाथ बच्चे हैं। किन्नरों का मंदिर इनकी देखभाल करता है।

गुरु माता कमली के सामने कुछ किन्नर मंगलसूत्र बना रही हैं। आखिर इतनी संख्या में मंगलसूत्र क्यों बनाए जा रहे? पूछने पर गुरु माता कमली एक किन्नर से मिलवाती हैं। कहती हैं, 'ये किन्नर सुदीक्षा हैं। तमिलनाडु से आई हैं। इन दिनों काफी व्यस्त हैं। अप्रैल में इन लोगों की शादी है।'

सुदीक्षा बताती हैं, 'कोविड के चलते दो साल से उसकी शादी नहीं हो पाई। अगले साल अप्रैल में शादी होनी है। उसी की तैयारी में जुटी हूं। मेरे साथ दुनियाभर के करीब 50 हजार किन्नर शादी करेंगे। जिसके लिए हजारों मंगलसूत्र बनाए जा रहे हैं।' अगले साल मद्रास में शादी का कार्यक्रम है। सुदीक्षा को मैनेजमेंट की जिम्मेदारी मिली है। सुदीक्षा कहती हैं, 'तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में एक गांव है कुनागम। तमिल नववर्ष की पहली पूर्णमासी को किन्नरों का विवाहोत्सव शुरू होता है, जो 18 दिनों तक चलता है। यहां दुनियाभर से किन्नर जुटते हैं। इस दौरान भागवत कथा, गरबा, नृत्य और कई तरह के समारोह होते हैं। लगातार 17 दिनों तक सभी किन्नर और गांव वाले उपवास रखते हैं।

17वें दिन किन्नर श्रृंगार करती हैं, दुल्हन बनती हैं। फिर वो हाथ में पोटली लिए मंदिर जाती है। पोटली में नारियल, फूल, पत्तियां और मंगलसूत्र होता है। वे अपने आराध्य देव अरावन की पूजा करती हैं। इसके बाद पंडित उनके गले में मंगलसूत्र पहनाते हैं। माथे पर बिंदी और सिंदूर लगाते हैं। इस तरह किन्नरों की शादी हो जाती है।' भारतीय परंपरा में शादियां सात जन्मों के लिए होती हैं, लेकिन किन्नरों में शादी सिर्फ एक रात के लिए होती है। 18वें दिन अरावन की मूर्ति को सिंहासन पर बैठाकर गाजे-बाजे के साथ पूरे गांव में घुमाया जाता है। फिर पंडित अरावन का सांकेतिक रूप से सिर काटते हैं। इसके साथ ही सभी किन्नर विधवा हो जाती हैं। रोना-धोना मच जाता है।

किन्नरों की चूड़िया तोड़ दी जाती हैं, मंगलसूत्र काट दिए जाते हैं और सफेद साड़ी पहना दी जाती है। 19वें दिन सभी किन्नर उस टूटे मंगलसूत्र को भगवान अरावन को चढ़ाते हैं और नया मंगलसूत्र पहनते हैं। कई किन्नर तो उस टूटे मंगलसूत्र को अपने घर ले जाकर 11, 21, 41 या 51 दिनों तक विधवा लिबास में रहते हैं।'

अरावन कौन हैं? इसको लेकर माता कमली ने एक कहानी सुनाई-

'महाभारत युद्ध से पहले कौरवों से शर्त हारने के बाद अर्जुन को वनवास के लिए जाना पड़ा। उसी दौरान उनकी मुलाकात विधवा नाग राजकुमारी उलूपी से हुई। दोनों प्रेम विवाह कर लेते हैं। उनका एक पुत्र होता है अरावन। एक साल बाद दोनों को छोड़कर अर्जुन आगे बढ़ जाते हैं। इसके बाद महाभारत युद्ध की शुरुआत होती है। अर्जुन की मदद के लिए अरावन भी युद्ध के मैदान में आते हैं। जीत के लिए पांडव मां काली का अनुष्ठान करते हैं। इसमें उन्हें एक राजकुमार की बलि देनी होती है। अरावन बलि देने के लिए आगे आए, लेकिन उनकी मां ने रोक दिया। वे कहती हैं कि अरावन बिना शादी के बलि नहीं देंगे। सवाल उठा कि एक दिन की सुहागन होने के लिए अरावन से शादी कौन करेगा?

भगवान कृष्ण मोहिनी रूप धारण करते हैं और अरावन से शादी रचाते हैं। अगले दिन अरावन खुद अपना सिर काटकर मां काली के चरणों में चढ़ा देते हैं। मोहिनी रूप में कृष्ण विधवा बन जाते हैं। रोने-चीखने लगते हैं।' किन्नरों का मानना है कि कृष्ण ने पुरुष होते हुए औरत का रूप धारण करके शादी की। किन्नरों का भी जीवन वैसा ही है। इसलिए वे अरावन से शादी करते हैं।

किन्नर महंत मनिक्षा कहती हैं, 'डेरे में आने वाले किन्नर की गुरु से शादी कराई जाती है। इस तरह वह घर की बहू होती है। सारी रस्में निभाई जाती हैं। देशभर से बिरादरी के महंत और गुरु जुटते हैं। डेरे के गुरु उसे चुन्नी ओढ़ाते हैं। चुन्नी ओढ़ाना इस बात का प्रतीक होता है कि आज से तुम इस डेरे की इज्जत हो, तुम्हें बहू वाले सारे फर्ज निभाने हैं। इसके बाद गुरु उसका नामकरण करते हैं। उसे श्रृंगार का सामान, कपड़े, गहने और पैसे देते हैं। इस तरह वो किन्नर गुरु का शिष्य बन जाती है। शिष्य से वचन लिए जाते हैं कि वह डेरे की परंपरा का पालन करेगी, हमेशा गुरु की बात मानेगी। गुरु का आदेश ही उसके लिए आखिरी होगा।

घर की बहू बनने के बाद उस किन्नर का डेरे की बाकी किन्नरों से वैसा ही रिश्ता बन जाता है, जैसे किसी आम परिवार में होता है। यानी कोई उसकी ननद बनती है, कोई उसकी भाभी बनती है, कोई बहन तो कोई सास।'

शिष्य बन जाने के बाद किन्नर बधाई गाने जाते हैं। इस दौरान उन्हें जो भी पैसे या इनाम मिलता है, उसे वे अपने गुरु को दे देते हैं। अपने पास एक रुपए भी नहीं रखते। इस पैसे से गुरु डेरे का और बाकी शिष्यों का खर्च उठाता है। कोई भी किन्नर गुरु से गुस्ताखी नहीं कर सकता। अगर कोई जरा सा भी इधर-उधर करता है, तो बिरादरी की तरफ से उसे कड़ी सजा मिलती है।

माता कमली कहती हैं, 'पहले किन्नर कम्युनिटी के लोग उन घरों में जाते थे जहां उन्हें पता चलता था कि कोई थर्ड जेंडर का पैदा हुआ है। बाकायदा वे लोग लिंग देखते थे और घर से उठा लाते थे। बाद में इसका विरोध होने लगा। अब खुद ही किन्नर डेरे में आते हैं या उनके घर वाले सौंप जाते हैं। हम लोग जबरन किसी को नहीं लाते।' किन्नर सिर्फ बधाई गाने जाते हैं। ट्रेनों में जो पैसे मांगते हैं, वे नकली किन्नर हैं। असली किन्नर भीख नहीं मांगता।

गुरु का चुनाव कैसे होता है?

माता कमली बताती हैं, 'कुछ गुरु जीते जी अपने शिष्य को गद्दी सौंप देते हैं तो कुछ इस बात की घोषणा कर देते हैं कि मेरे बाद फलां को गद्दी देनी है। गुरु के मरने के बाद पूरी बिरादरी को बुलाया जाता है। इसके बाद नए गुरु के नाम की घोषणा की जाती है। सभी उसे स्वीकार करते हैं। चूंकि किन्नर गुरु के नाम का सिंदूर करते हैं। लिहाजा गुरु की मौत के बाद उन्हें सिंदूर मिटाना पड़ता है। सवा महीने तक विधवा की तरह सफेद कपड़े पहनने होते हैं। पूरी बिरादरी फिर से इकट्ठा होती है। पूजा-अनुष्ठान होते हैं। उस शिष्य को दुल्हन का हार-श्रृंगार चढ़ाया जाता है। दुल्हन की तरह सजाकर गुरुगद्दी पर बिठाया जाता है। सभी किन्नर उसे नेग, कीमती कपड़े और गहने देते हैं। गुरु की गद्दी पर बैठने वाला साल में एक बार अपने गुरु के नाम पर सामूहिक भोज कराता है।

क्या मौत के बाद किन्नरों को दफनाते हैं?

माता कमली कहती हैं, 'पहले डेरे में ही किन्नरों को समाधि दी जाती थी। बाद में सरकार ने इस पर रोक लगा दी। इसके बाद हमने अंतिम संस्कार के लिए अलग जगह की मांग की। हमें सरकार ने अंतिम संस्कार के लिए जगह दी। जहां तक दफनाने या जलाने की बात है, जो किन्नर जैसा चाहते हैं या उनका जो धर्म होता है, उसके मुताबिक उनका अंतिम संस्कार किया जाता है।' महंत मनिक्षा कहती हैं, 'किन्नर हर रात मरते हैं और सुबह जन्म लेते हैं। दुश्मन के बच्चे को भी भगवान किन्नर ना बनाए। इसलिए हम किन्नरों के जनाजे को पर्दे में छिपाकर ले जाते हैं या रात में अंतिम संस्कार करते हैं।' क्या किन्नरों के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ जा सकता है। इस पर जवाब मिला - बिल्कुल नहीं। हम किसी और को वहां आने की इजाजत नहीं दे सकते। माता कमली कहती हैं, 'किन्नर का वही धर्म होता है, जो उसके गुरु का होता है। साउथ के मंदिरों में ज्यादातर गुरु हिंदू होते हैं और उत्तर भारत के मंदिरों में ज्यादातर गुरु मुस्लिम होते हैं।'

डेरे में मुर्गे वाली माता की मूर्ति रखी है। ये कौन हैं, किन्नर इनकी पूजा क्यों करते हैं? तो माता कमली कहती हैं, 'गुजरात के मेहसाणा में बहुचारा माता मंदिर है। यह माता मुर्गे की सवारी करती हैं। किन्नर इन्हें अपनी कुलदेवी मानते हैं और अर्धनारीश्वर के रूप में पूजते हैं। इसलिए हर डेरे में हम मुर्गे वाली माता की मूर्ति रखते हैं।'

मेहसाणा में विशाल मंदिर, अंदर मुर्गे पर माता विराजमान हैं। कुछ किन्नर माता को चांदी के मुर्गे चढ़ा रहे हैं। मैं मंदिर के पुजारी तेजसभाई रावल बताते हैं, '1739 में वडोदरा के राजा मानाजीराव गायकवाड़ ने इस मंदिर को बनवाया था। पहले किन्नर माताजी को काला मुर्गा चढ़ाते थे। बाद में सरकार ने इस पर रोक लगा दी। इसके बाद से वे चांदी का मुर्गा चढ़ाते हैं। तेजसभाई रावल बताते हैं, 'चैत्र महीने की पूर्णिमा को यहां तीन दिन का मेला लगता है। जिसमें देशभर के किन्नर आते हैं। इस दिन पालकी निकलती है। किन्नर मंदिर की परिक्रमा करते हैं, माता को चांदी का मुर्गा चढ़ाते हैं, रथ यात्रा निकालते हैं। रात में वे विशेष पूजा करते हैं। इस पूजा में मंदिर के पुजारी को भी शामिल होने की इजाजत नहीं मिलती है।' तेजसभाई रावल इस मंदिर की कहानी बताते हैं, 'द्वापर युग में अज्ञातवास के दौरान अर्जुन एक साल तक बृहन्नला नाम की नारी के रूप में रहे थे। इस दौरान उन्होंने यहां अपने हथियार छिपाए थे। एक साल बाद जब वे वापस हथियार लेने आए तो उनकी शक्ति कम हो गई थी। पुरुषत्व कमजोर हो गया था। अर्जुन ने तपस्या की और माता जी ने खुश होकर अर्जुन को उनका पौरुष बल दिया। किन्नरों की आस्था है कि मंदिर में पूजा करने से अगले जन्म में उन्हें नर या नारी का पूर्ण रूप मिलेगा।' निर्मोही अखाड़े की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी कहती हैं, 'हम किन्नर खुद को अर्धनारीश्वर का रूप मानते हैं। यानी आधा नर और आधा नारी। जहां तक महिला वेश-भूषा की बात है, तो ये आदिकाल से परंपरा चली आ रही है। किन्नर नारी वेश में ही रहते हैं। अर्जुन ने भी अपने अज्ञातवास के दौरान किन्नर के रूप में महिला का रूप धारण किया था।' लंबे समय से किन्नर अपने लिए अखाड़े की मांग कर रहे थे। 2016 में सिंहस्थ महाकुंभ में पहली बार उज्जैन के दशहरा मैदान से किन्नरों ने पेशवाई निकाली। इसकी अगवानी किन्नर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने की। ये पहला मौका था जब लोगों ने हजारों किन्नरों को साधु के वेश में देखा। 2018 में किन्नरों को जूना अखाड़े के अंतर्गत एक अखाड़ा बनाने की इजाजत मिली।

राज्यपाल और हेमंत सरकार के बीच बढ़ेगा विवाद?

झारखंड सरकार के फैसले को राजभवन कर रहा है पलटने की तैयारी, टीएसी का गठन हो सकता है रद्द

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हेमंत सरकार द्वारा गठित की गयी ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) को राज्यपाल रद्द कर सकते हैं। खबर है कि राजभवन इसके कानूनी पक्षों पर विचार कर रहा है और जल्द ही इसे रद्द करने का आदेश जारी कर देगा। राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड सरकार की ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) के गठन पर सवाल खड़े किए थे। राजभवन का पक्ष है कि सरकार ने टीएसी के गठन में कानून का पालन नहीं किया। यह पांचवीं अनुसूची के प्रावधान के तहत नहीं है। इसी तर्क के साथ झारखंड सरकार द्वारा बनायी गयी टीएसी नियमावली को असंवैधानिक करार दिया जा सकता है। राज्यपाल ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल सहित सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील आत्माराम एनएस नाडकर्णी और झारखंड हाइकोर्ट के अधिवक्ता शुभाशीष रसिक सोरेन से सलाह मांगी है।अगर राज्यपाल इसे रद्द कर देते हैं, तो साल 2021 के बाद की बैठकों में लिये गये सभी निर्णय निरस्त हो जायेंगे। अगर टीएसी का गठन ही गलत है, तो इसके निर्णय पर सवालिया निशान लग जायेगा। राजभवन ने इस संबंध में सवाल किया था। राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी नितिन मदन कुलकर्णी ने मुख्य सचिव के माध्यम से सरकार से पूछा है कि आखिर

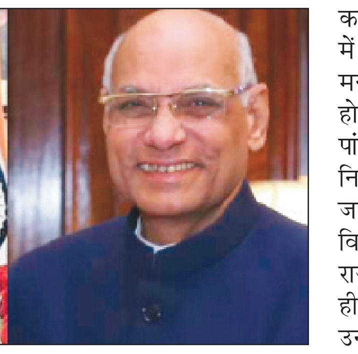

राजभवन की आपत्ति के बावजूद जवाब दिए बगैर कैसे टीएसी की बैठक आयोजित की गयी। अबतक इस मामले में सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। राज्यपाल ने इसे गंभीरता से लिया है और अब कार्रवाई का मन बना रहे हैं। राज्यपाल की बिना सहमति के 2021 में टीएसी गठन की अधिसूचना जारी करने पर राजभवन ने अटॉर्नी जनरल से कानूनी राय ली है। पांचवीं अनुसूची के तहत बनाया गया 2021 का नियम एक ऐसा मामला है, जो झारखंड में अनुसूचित जनजातियों के हितों को प्रभावित कर सकता है। इस मामले में एक्सपर्ट मानते हैं कि संविधान की पांचवीं अनुसूची के अनुसार टीएसी को राज्य में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और उन्नति से संबंधित मामलों पर राज्यपाल से सलाह लेना जरूरी है। यही वजह है कि इसमें दो सदस्य राज्यपाल मनोनित करते हैं। राज्यपाल के संदर्भ के बिना 2021 के नियमों की अधिसूचना संविधान के अनुच्छेद 166 (3) के तहत उल्लंघन है।

झारखंड सरकार ने टीएसी गठन से संबंधित फाइल स्वीकृति के लिए राजभवन भेजी थी। राजभवन ने इसे असंवैधानिक बताते हुए वापस कर दिया था और इसमें जरूरी संशोधन का निर्देश दिया था।

राज्य सरकार ने इसमें कोई संशोधन नहीं किया और टीएसी की बैठक बुला ली। पूरा विवाद इसे लेकर है। राज्यपाल ने टीएसी के गठन की फाइल कानूनी सलाह लेकर लौटायी थी, गठित नियमावली को असंवैधानिक बताते हुए राजभवन की तरफ से कहा गया था कि टीएसी के गठन में कम से कम दो सदस्यों का मनोनयन राजभवन की तरफ से होना चाहिए। इसके अलावा पांचवीं अनुसूची के तहत नियमावली पर भी उनकी स्वीकृति जरूरी थी। टीएसी के गठन का विवाद नया नहीं है तत्कालीन राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के समय से ही इसे लेकर विवाद चल रहा है। उन्होंने भी राजभवन से दो सदस्यों के मनोनयन नहीं होने पर सवाल उठाया था। सरकार ने उस वक्त भी इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब एक बार फिर इसे लेकर विवाद बढ़ रहा है।

झारखंड सरकार ने टीएसी के गठन को लेकर नई नियमावली गठित कर दी। इसमें स्पष्ट कर दिया कि फाइल राजभवन की स्वीकृति के लिए नहीं भेजी गई। नई नियमावली में अब टीएसी के गठन और सदस्यों की नियुक्ति में राजभवन का अधिकार नहीं होगा। इसे खत्म कर दिया गया।

टीएसी की बैठक को लेकर नयी नियमावली में मुख्यमंत्री की स्वीकृति से ही सदस्यों की नियुक्ति होगी। नयी नियमावली छत्तीसगढ़ की तर्ज पर बनाई गई, जहां सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार मुख्यमंत्री के पास है।

लव-जिहाद पर बवाल, पुलिसकर्मी के साथ धक्का-मुक्की

रायपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जशपुर में बीते तीन दिनों से जारी लव जिहाद का मामला शांत होता नहीं दिख रहा है। अब पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की बात सामने आई है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव साय ने शेयर किया है।

विष्णु देव साय ने ट्विटर पर लिखा- कथित लव जिहाद मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर जशपुर जिला मुख्यालय में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हिन्दू समाज के लोगों पर पुलिस प्रशासन की गुंडागर्दी कतई बर्दाश्त नहीं। अमानवीयकृत व्यवहार कर सौहार्द भड़काने वाले पुलिस अधिकारी तत्काल निलंबित होने चाहिए।

हिंदू लड़की और मुस्लिम लड़के के इश्क के बाद उपजे विवाद से जशपुर में तनाव है। माहौल इस कदर बिगड़ा है कि गुरुवार को जशपुर बंद कराना पड़ा। हिंदू प्रदर्शनकारियों ने शहर बंद करवाकर प्रदर्शन किया। इसी दौरान एक पुलिसकर्मी के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। जिसका वीडियो साय ने ट्वीट किया है। मामला मंगलवार से बिगड़ना शुरू हुआ। लोगों ने एसपी ऑफिस का घेराव कर दिया था।

पूरा विवाद लगभग 15 दिन पहले उस समय शुरू हुआ, जब कोतवाली थाना क्षेत्र की एक युवती घर से लापता हो गई।

खदान धंसने से 6 लोगों की मौत

मरने वालों में 5 महिलाएं और 1 पुरुष, 2 घायलों में 14 साल की लड़की भी शामिल

जगदलपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित एक छुई खदान धंसने से वहां काम कर रहे 6 मजदूरों की दबने से मौत हो गई। मृतकों में 5 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल है। दो घायलों में एक 14 साल की लड़की भी शामिल है। दोनों का नजदीकी अस्पताल में इलाज जारी है। दोनों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

मलबे के नीचे कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका के चलते रेस्क्यू टीम ने काफी देर तक मलबा हटाकर सर्चिंग अभियान चलाया। मलबा हटाने के बाद वहां कोई और लोगों के नहीं दबे होने की पुष्टि होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन बंद किया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके से रवना हो चुकी है।

जानकारी के मुताबिक खदान मालगांव में स्थित है। इस खदान में अवैध उत्खनन का काम चल रहा था। गांव के कुछ लोग खदान के नीच उतरकर मिट्टी निकाल रहे तभी अचानक जमीन धंस गई। वहां नीचे मौजूद लोग दब गए। पास में ही खड़े अन्य मजदूरों ने इसकी जानकारी फौरन प्रशासन को दी। मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया।

मलबे में दबे लोगों को निकालकर तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 7 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। दो घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। खदान में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका पर टीम लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है।

मुरुम खोद बनाई 10 फीट की सुरंग

दरअसल, मालगांव में जिस जगह पर हादसा हुआ है वहां पर ग्रामीणों ने मुरुम खोद कर करीब 10 फीट लंबी सुरंग बना दी थी। अंदर से रोज छुई मिट्टी निकालते थे। शुक्रवार की दोपहर भी गांव वाले मिट्टी निकाल रहे थे। इस दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। जिससे अंदर मौजूद ग्रामीण फंस गए और उनकी मौत हो गई।

शासकीय जमीन पर चल रहा था अवैध खनन

मालगांव में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से छुई मिट्टी निकालने उत्खनन जारी था। इलाके के लोग रोजाना यहां से मिट्टी निकालकर अपने घरेलू काम के लिए लेते थे। ऐसा बताया जा रहा है कि, इस जगह पर करीब सालभर से छुई मिट्टी निकालने का काम जारी था। इसकी जानकारी प्रशासन को भी नहीं थी। इस हादसे के बाद ग्रामीणों को खनन करने के लिए मना कर दिया गया है।

मंदिर के नाम पर अवैध अतिक्रमण हटाया गया

देर रात तक चला निगम का बुलडोजर कार्रवाई के दौरान लोगों ने किया जमकर हंगामा

भिलाई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भिलाई के नेहरू नगर जोन में निगम ने शनि मंदिर प्रांगन में तोड़फोड़ की। निगम अमला शनि मंदिर को तोड़ने जा रहा था। यह देख लोग आक्रोशित हो गए और विरोध पर उतर आए। इस पर जोन आयुक्त ने कहा कि मंदिर की आड़ में निगम की बेशकीमती जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। लोगों के विरोध को देखते हुए निगम अधिकारी ने मंदर को न तोड़ने की बात कही। इसके बाद उन्होंने मंदिर के आसपास किए गए निर्माण को तोड़ा और वहां से चले गए। नेहरू नगर जोन के आयुक्त राजेंद्र नायक ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली थी कि निर्माणाधीन ईएसआईसी हॉस्पिटल के पास कुछ लोग मंदिर की आड़ में कब्जा कर रहे हैं। निगम आयुक्त को यह भी बताया गया कि यदि वहां तोड़फोड़ करेंगे तो लोगों का विरोध होगा। इसे देखते हुए नायक ने इसकी जानकारी तहसीलदार और पुलिस को दी। इसके बाद निगम अमला वहां बुलडोजर लेकर पहुंचा। वह लोग शनि मंदिर को तोड़ने ही वाले थे कि वहां के पुजारी रामजीत तिवारी व अन्य लोग विरोध करने लगे। मामला बढ़ते देख सीएमओ ने कहा कि मंदिर को वह लोग नहीं तोड़ेंगे, लेकिन उसके अगल बगल जो निर्माण किया जा रहा है, उसे तोड़ना पड़ेगा। इस पर लोगों ने हामी भरी। गुरुवार देर शाम निगम अमले ने तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू, जो कि रात तक चली। मंदिर तोड़ने की बात को लेकर कुछ लोग इसे धार्मिक मुद्दा बना रहे थे। वह लोग बार बार निगम के बुलडोजर के सामने आ रहे थे। पुलिस ने उन्हें मना किया। जब वह लोग नहीं माने तो स्मृति नगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर गाड़ी में ले गई। कार्रवाई चलते तक उन्हें थाने में बैठाकर रखा गया, इसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया। विरोध में खड़े पंडित उत्कर्ष भट्ट ने बताया कहा कि शनि मंदिर कई सालों से यहां बना है।

निगम ने जानबूझ कर इसे तोड़ा है। उनका आरोप है कि इसी रोड में निगम की जमीन पर कुछ लोग दुकान बनाकर व्यवसाय कर रहे हैं। निगम उन अवैध दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई नहीं कर रहा है।

अवैध कोयला भंडारों पर जिला प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही

कोरबा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरबा कलेक्टर संजीव झा के निर्देश पर अवैध कोयला भंडारण पर जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने देर रात ताबड़तोड़ छापामार कार्रवाई की। राजस्व विभाग, खनिज विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई के दौरान 2 जगहों पर लगभग 40 टन कोयला जब्त किया गया। करतला में खान ढाबा के पीछे झाड़ियों के आस पास लगभग 10 टन और चांपा में विरेंद्र सिंह के आवासीय परिसर में लगभग 30 टन अवैध कोयला भंडारण पाया गया। करतला में जांच के दौरान मौका क्षेत्र में उपस्थित मजदूर मौके से फरार हो गए। करतला में कोयला से भरा हुआ एक गाड़ी और चार मोटरसाइकिले भी जब्त की गई। इसके अलावा मौका जांच में तौल कांटा बांट, कोयला खरीदी बिक्री, मजदूरों का भुगतान और पैसों के

40 टन कोयला जब्त

लेनदेन से संबंधित संबंधित रजिस्टर भी जप्त किया गया। दस्तावेजों को जांच के लिए खनिज कार्यालय भेजा गया तथा गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे को थाना करतला में सुरक्षार्थ रखा गया है। इसी प्रकार तहसील करतला के ग्राम चांपा में विरेंद्र सिंह के आवासीय परिसर में अवैध रूप से कोयले खनिज का भंडारण पाया गया। जांच में लगभग 30 टन कोयले का भंडारण पाया गया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा भी पाया गया। जमीन मालिक के पास उनके परिसर में भंडारित कोयले के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं पाया गया। मौके पर पाए गए कोयले और तौल कांटे को संयुक्त टीम द्वारा जब्ती की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के बाद माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। एसडीएम कोरबा सीमा पात्रे ने

बताया की करतला के खान ढाबा के पीछे जमीन में और ग्राम चांपा में अवैध कोयला भंडारण होने और कोयले की अवैध खरीदी बिक्री की सूचना पर छापामार कार्रवाई की गई। दोनों जगहों के निरीक्षण के दौरान कोयला भंडारण पाया गया। साथ ही कोयला खरीदी बिक्री के भी दस्तावेज पाए गए। एसडीएम ने बताया की दोनों जगहों पर कोयला के वैध खरीदी बिक्री और भंडारण के कोई साक्ष्य नहीं पाए गए। जमीन मालिकों द्वारा खनिज से संबंधित कोई वैध प्रमाण भी नही प्रस्तुत किया गया। एसडीएम ने बताया की दोनों जगहों पर की गई छापामार कार्रवाई के दौरान पाए गए कोयले को जब्ती कर विभागीय कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आसपास के लोगों से भी गतिविधियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। कार्यवाही में राजस्व विभाग से तहसीलदार श्री मुकेश देवांगन, नायब तहसीलदार श्री लखेश्वर सिदार, खनिज विभाग से खनिज निरीक्षक श्री जीत चंद्राकर एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम शामिल थी।

महिला पत्रकार को मारी गोली, घटना के पीछे का कारण अभी पता नहीं

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची में गुरुवार को एक महिला पत्रकार अपने पति के साथ विवाद में गोली लगने से घायल हो गई। पुलिस के अनुसार, पति-पत्नी के बीच कथित लड़ाई के बाद फायरिंग की घटना सामने आई है। महिला को अस्पताल ले जाया गया और रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में उसका इलाज चल रहा है।

रांची ग्रामीण के एसपी नौशाद आलम ने कहा कि एक महिला पत्रकार को गोली लगी है। उसका रिम्स, रांची में इलाज चल रहा है। पति से यह पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि पीड़ित ने खुद को गोली मारी या पुरुष ने महिला पर गोली चलाई।

वहीं घटना के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

सियासी सीजफायर के बाद पायलट खेमे की मांगों पर ब्रेक

नोटिस वाले तीन गहलोत समर्थक नेताओं के खिलाफ कार्रवाई टलने के आसार

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान आने से पहले सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट खेमों के बीच सियासी सुलह के बाद फिर समीकरण बदल गए हैं। इसके साथ ही अब सचिन पायलट खेमे की मांगों पर भी ब्रेक लग गया है। पायलट समर्थक लगातार मुखर थे, लेकिन अब शांत हैं। अब पूरा मामला आगे के लिए टल गया है।

25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने के मामले में नोटिस वाले तीन नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई टलने के आसार हैं। विधायक दल की बैठक के बहिष्कार मामले में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, जलदाय मंत्री महेश जोशी और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस का जवाब दिए दो महीने का वक्त बीत चुका है। कांग्रेस अनुशासन कमेटी के मेंबर तारिक अनवर ने पूरे मामले में फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं करने के संकेत दिए हैं। मौजूदा राजनीतिक हालात में कार्रवाई टलने के ही आसार बन रहे हैं।

गहलोत भी दे चुके संकेत

केसी वेणुगापोल की बैठक वाले दिन सीएम अशोक गहलोत ने कहा था कि जब राहुल गांधी ने कह दिया कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट एसेट हैं तो हैं। इसके मायने हैं कि दोनों नेताओं के फॉलोअर्स भी एसेट हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बयान के पीछे नोटिस वाले तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई टालने का संकेत है। जब फॉलोअर्स एसेट हैं तो नोटिस वाले तीनों नेताओं को भी इसी कैटेगरी में मानने की बात की जा रही है। एसेट माने हुए नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होना मुश्किल है।

तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई पायलट खेमे की पहली मांग

नोटिस वाले तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर पायलट खेमा शुरू से मुखर है। खुद सचिन पायलट ने भी कहा था कि जब नोटिस दिए हैं तो अब कार्रवाई होनी चाहिए। पायलट खेमे के मंत्री और विधायक भी इसे लेकर खूब बयानबाजी कर चुके हैं। अब इस मामले के ठंडे बस्ते में जाने के आसार बन गए हैं। अजय माकन 8 नवंबर को कांग्रेस अध्यक्ष को इस्तीफा भेज चुके हैं। माकन ने सियासी बवाल के जिम्मेदार तीनों नेताओं के खिलाफ एक्शन में देरी का मुद्दा उठाते हुए इस्तीफा दिया था। 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक के बहिष्कार से हुए विवाद के बाद 26 सितंबर को अजय माकन ने सोनिया गांधी से मिलकर रिपोर्ट दी थी, उसके बाद से माकन राजस्थान नहीं आए। जिस मुद्दे पर इतने दिनों तक विवाद चल रहा था, उस पर एक्शन नहीं होने से माकन ने राजस्थान से दूरी बना ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तक अब केसी वेणुगोपाल ही प्रभारी का काम देख रहे हैं। राहुल की यात्रा के बाद राजस्थान कांग्रेस में नए प्रभारी की नियुक्ति होना तय माना जा रहा है।

राहुल की यात्रा के बाद फिर दोनों मुद्दे उठने के आसार

अशोक गहलोत और सचिन पायलट के खमों के बीच केसी वेणुगापोल ने सुलह तो करवा दी है, लेकिन सियासी जानकार इसे अस्थायी मान रहे हैं। केसी वेणुगोपाल ने बयानबाजी करने वाले नेताओं को पदों से हटाने की चेतावनी देकर मामला शांत भले किया हो, लेकिन यात्रा के बाद नए साल में फिर से मुद्दा गर्माने के आसार हैं। पायलट खेमे की कई मांगें अभी भी पूरी नहीं हुई है, इसलिए यह खेमा यात्रा के बाद फिर से मुखर हो सकता है। पायलट को गद्दार कहने के बाद से कुछ नेता अंदरूनी तौर पर नाराज हैं।

मौजूदा शांति में गहलोत खेमा फायदे में

राहुल गांधी की यात्रा को देखते हुए गद्दार विवाद को शांत करवाया गया, लेकिन पायलट समर्थक अंदरूनी तौर पर खुश नहीं हैं। पायलट समर्थकों को लगता है कि इस मामले में गहलोत कैंप ही हावी रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस विवाद को जिस तरह शांत किया गया है, उसमें सीएम अशोक गहलोत खेमा फायदे में रहा है। पायलट पर सियासी हमले करके भी गहलोत खेमे के खिलाफ कुछ नहीं हआ, दूसरी तरफ तीनों नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई टल गई।

'हेल्थ मिनिस्टर का परसादी लाला का आरोप

सतीश पूनिया, गजेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र राठौड़ तीनों सरकार गिराने की साजिश में लगे

कोटा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हेल्थ मिनिस्टर परसादी लाल मीणा ने कोटा में सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।उन्होंने कहा कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र राठौड़ दलाल हैं।

तीनों ही दलाल कांग्रेस सरकार गिराने में लगे हुए हैं। उनको क्या इंटरेस्ट है कांग्रेस के आंतरिक मामलों में बोलने का। हमारे नेता बीजेपी के आंतरिक मामलों में नहीं बोलते। जब उनसे पूछा कि बीजेपी के नेता किन के साथ मिलकर सरकार गिराने में लगे हुए हैं, क्या कांग्रेस में कोई गद्दार है तो जवाब देते हुए कहा कि ये तो बीजेपी के तीनों नेता ही बता सकते है। किसके साथ मिलकर सरकार गिराने में लगे थे।मंत्री परसादी ने कहा अशोक गहलोत व सचिन पायलट को राहुल गांधी ने ऐस्ट्स कहा है। उनका आदेश सभी मानते है। राजस्थान की पार्टी में कोई विरोधाभास नहीं, सब एक हैं। राहुल गांधी सबके नेता है ।सब एक है, सब एक होकर यात्रा निकालेंगे। किसी तरह की कोई शंका नहीं है। पीछे के विवाद पीछे रहे। राहुल की यात्रा में सारी एकता रहेगी। सब एकजुट रहेंगे। राहुल गांधी ने पायलट को ऐस्ट्स बता दिया। पार्टी का हर नेता ऐस्ट्स है। जब उनसे पूछा कि मानेसर जाने वालों पर दिए गए बयान को वापस लेते है क्या?परसादी ने कहा ये सब बातें पीछे रह गई।

केवल भारत जोड़ो यात्रा की बात करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य में चुनी हुई सरकारों को गिरा रही है। ये कोई भारत जोड़ो है क्या? देश को अखंड रखने के लिए राहुल गांधी जोड़ो यात्रा निकल रहे है। देशभर में अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। लोग कांग्रेस की तरफ देख रहे है।

भारत जोडो यात्रा : राहुल के साथ चल कर वजन घटा रहे कांग्रेसी

यात्रा में तैनात राजस्थान पुलिस पहनेगी स्पोर्ट्स शूज

कोटा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण से शुरू हुई राहुल गांधी की यात्रा अब उत्तर के मध्य प्रदेश में है। 86 दिन की यात्रा पूरी कर चुके राहुल गांधी अब 4 दिसंबर को राजस्थान में एंट्री करेंगे। लेकिन, उससे पहले मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया जा रहा है कि राहुल गांधी के साथ यात्रा कर रहे कार्यकर्ताओं की सेहत पर भी असर पड़ा है। बताया जा रहा है कि भारत जोड़ो यात्रा में शामिल करीब 150 कार्यकर्ताओं पर सर्वे किया गया है, जिसमें ये सामने आया है कि उनका वजन 7-13 किलोग्राम तक वजन कम हुआ है। भारत जोड़ो यात्रा पूरे बंदोबस्त के साथ चल रही है। इस यात्रा के साथ एक मेडिकल टीम भी चल रही है, जो यात्रा में शामिल कार्यकर्तओं को मेडिकल मुहैया कराती है। इसके साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अब तक केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र होते हुए मध्म प्रदेश में प्रवेश कर चुकी है। इसके साथ ही ये यात्रा अपना 2250 किलोमीटर का सफर भी पूरा कर चुकी है। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल राजस्थान यूथ बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने बताया कि मैं पहले 78 किलोग्राम का था लेकिन अब 70 किलोग्राम का हो गया है। ऐसी लाइफ स्टाइल कभी नहीं रही। सुबह चार बजे ही उठ जाते हैं और रोज औसतन 25 किमी चलते हैं। लंच-ब्रेकफास्ट अच्छे से करते हैं। वहीं हल्का डिनर लेते हैं। इससे सेहत भी काफी अच्छी हो गई है।

वहीं भारत जोड़ो यात्रा में शामिल कोटा के विवेक भटनागर बताते हैं कि सभी का 5-13 किलोग्राम वजन घटा है। मेरा वजन 83 से 74 किलोग्राम पर आ गया है। तली और मसाले वाली चीजें नहीं खाते। 20-25 दिन तो सभी को दिक्कत आई। इतना चलने की आदत नहीं थी लेकिन अब सब नॉर्मल हो गया है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस शासित राजस्थान में पहुंचने से पहले तैयारियां जोरों पर है। इसके लिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। ये पहली बार होगा कि जब सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी बूट में नहीं बल्कि स्पोर्ट्स शूज में होंगे। इसके पीछे की वजह पुलिस बूट में पैदल चलना कठिन बताया जा रहा है।

राजस्थान में 600 जवान होंगे तैनात

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के लिए सुरक्षा में करीब 600 पुलिस के जवान और अफसर तैनात किए जाएंगे, जो स्पोर्ट्स शूज में नजर आएंगे। इसके लिए राजस्थान के कुछ अफसरों ने मध्य प्रदेश में जाकर यात्रा की तैयारियों को करीब से देखा और इसके बाद निर्णय लिया गया।

बाड़मेर-जैसलमेर अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर से भारत जोड़ो बाइक रैली की शुरुआत

बाड़मेर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की राजस्थान में एंट्री को लेकर जोर शोर से तैयारी की जा रही है। सरहदी बाड़मेर-जैसलमेर अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर से 400 किमी भारत जोड़ो बाइक रैली की गुरुवार को शुरुआत हुई। इस दौरान पंजाब कांग्रेस प्रभारी और पूर्व मंत्री हरीश चौधरी पूरी यात्रा में बाइक पर सवार होकर आमजन को भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ने का संदेश दिया। बाइक रैली के दौरान पंजाब कांग्रेस प्रभारी व पूर्व मंत्री हरीश चौधरी और यात्रा में सफर कर रहे लोगों का जगह-जगह फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान हरीश चौधरी ने कहा कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा का संदेश यह है कि भारत को बांटा नहीं जा सकता। ना ही यहां नफरत नहीं फैलाई जा सकती। यह यात्रा श्रीनगर में समाप्त होगी और हम यह संदेश देंगे कि भारत को बांटा नहीं जा सकता और नफरत नहीं फैलाई जा सकती। यात्रा का यही उद्देश्य है।

2 सगे भाई समेत परिवार के 4 बेटों की मौत

रिश्तेदारी में थी शादी, कपड़े खरीदने आए थे बानसूर; जीप से भिड़ी बाइक

बानसूर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सड़क हादसे में एक परिवार के 4 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में दो सगे भाई, बाकी दो ताऊ-चाचा के लड़के शामिल हैं। सभी की उम्र 17 से 19 साल के बीच बताई जा रही है। मामला अलवर जिले के बानसूर थाना क्षेत्र का है। रिश्तेदारी में एक शादी थी, इसलिए सभी युवक कपड़े खरीदने निकले थे। बाइक पर लौटते समय उनकी बाइक जीप से भिड़ गई और गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया।

इतनी जबरदस्त टक्कर, चारों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया

जानकारी के अनुसार कानपुरा गांव (दौलत सिंह की ढाणी) निवासी प्रदीप (18) पुत्र विजयसिंह राजपूत, ललित (19) पुत्र विजय सिंह राजपूत, राहुल (18) पुत्र ओमपाल राजपूत और नवीन (17) पुत्र धर्मपाल राजपूत रिश्तेदारी में होने वाली शादी के लिए कपड़े खरीदने बानसूर आए थे। यहां कपड़े खरीदने के बाद सभी बाइक पर गांव जा रहे थे। इस दौरान कोटपुतली रोड पर नई सड़क के पास रात करीब 8 बजे एक जीप से इनकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई।

शादी के 1 दिन बाद दूल्हे की मौत, दुल्हन गायब

4 लाख देकर शादी की, किसी फोटो में नहीं दिखा दुल्हन का चेहरा

नागौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। नागौर का युवक शादी के लिए यूपी गया था। वह घर का इकलौता था। परिजनों से शादी कराने वाले तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। 30 साल का युवक शादी करने कानपुर जाता है। वहां से 27 नवंबर को अपनी शादी की फोटो घरवालों को भेजता है। फोन करके बताता है- पत्नी को लेकर कानपुर से रवाना हो रहा हूं, एक-दो दिन में पहुंच जाऊंगा। सभी तैयारियां रखना। 28 नवंबर की रात उसकी लाश रेलवे ट्रैक पर मिलती है। सिर के अलावा शरीर पर कहीं भी चोट के निशान नहीं। जेब में मोबाइल, उसमें 37 मिस्ड कॉल। ये चौंकाने वाला मामला है नागौर के डेगाना थाना क्षेत्र के खेड़ी शीला का। युवक के परिजनों ने शादी कराने वाले 3 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है।

मुंबई में नौकरी छोड़ी, गोबर से ही 3 लाख की कमाई

सबसे महंगे गेहूं की खेती कर रहे; बादाम जितने कीमती शकरकंद चिप्स

जोधपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। महज 15 साल की उम्र में सिर से पिता का साया उठ गया। दुनिया को देखना और समझना शुरू ही किया था कि कंधों पर परिवार का बोझ आ गया। छोटी-मोटी नौकरी के लिए चेन्नई, हैदराबाद और मुंबई की खाक छानी। आखिरकार गांव का रुख किया तो रावल चंद ने खेतों की और खेतों ने उनकी किस्मत बदल दी। म्हारे देस की खेती में आज बात जोधपुर के किसान रावल चंद पंचारिया की।

जोधपुर शहर से करीब 100 किलोमीटर दूर है लोहावट तहसील, जिसमें छोटा सा गांव है नौसर। इस गांव में आप किसी से भी सफेद शकरकंद वाले किसान के बारे में पूछेंगे तो वह आपको रावल चंद का पता बता देगा। जब हम रावल चंद के पास पहुंचे तो उनके संघर्ष की कहानी सुनकर दंग रह गए। किसान रावल चंद अपने खेतों में ऑर्गेनिक सब्जी भी उगाते हैं। खुद की 30 बीघा जमीन है और 80 बीघा जमीन खेती के लिए ली है। 5 हजार की प्राइवेट जॉब करने वाले रावल चंद अब सिर्फ गोबर से ही 3 लाख तक कमाई कर लेते हैं।

छोटी उम्र में कंधों पर आ गया परिवार का बोझ

रावल चंद ने बताया कि उनके पिता घेवर चंद जोधपुर में ही एक फैक्ट्री में सुपरवाइजर का काम करते थे। 1998 की बात है। एक दिन अचानक पिताजी को अटैक आ गया। महज 42 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारियां मेरे कंधों पर आ गईं। तब गांव के पास ही भीकमकोर की सरकारी स्कूल में क्लास 9वीं में पढ़ रहा था। छोटा भाई भी पढ़ रहा था। मैंने पढ़ाई छोड़ी और नौकरी की तलाश में भटकने लगा।

दुकानों पर सेल्समैन की जॉब की, छोड़कर गांव आ गए

रावल चंद ने बताया- मैं जोधपुर के गुलाब सागर में एक स्टेशनरी की दुकान पर सेल्समैन का काम करने लगा। करीब डेढ़ साल यही करता रहा। इसके बाद चेन्नई और मुंबई में कपड़े की दुकानों पर सेल्समैन का काम किया। 19-20 साल की उम्र में ही बड़ों जैसी समझदारी आ गई थी। पैसा बचाने की बहुत कोशिश करता, लेकिन तीन-चार हजार की नौकरी में कुछ नहीं बचता था। लगने लगा कि नौकरी करके कुछ भी हासिल नहीं कर पाऊंगा। 2002 में मुंबई से 5 हजार की नौकरी छोड़कर अपने गांव नौसर लौट आया।

3 महीने बाद हाईकोर्ट पहुंचा कांग्रेस के 91 विधायक-मंत्रियों के इस्तीफे का मामला

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इसी साल 25 सितम्बर को कांग्रेस के 91 विधायकों के इस्तीफों का मामला अब उच्च न्यायालय में पहुंच गया है. विधानसभा में भाजपा के उप नेता राजेंद्र राठौड़ ने हाईकोर्ट के वकील हेमंत नाहटा के साथ उच्च न्यायालय में पहुंचकर इस संबंध में एक जनहित याचिका दायर की. इस याचिका में इस बात को आधार बनाया गया है कि विधानसभा अध्यक्ष डा. सी.पी.जोशी ने विधायकों के इस्तीफों पर 2 माह बाद तक कोई निर्णय नहीं लिया है. अब हाईकोर्ट को देखना होगा कि अनुच्छेद 212 का तो इस जनहित याचिका में तो नहीं हो रहा है।

25 सितंबर 2022 को प्रदेश में कांग्रेस सरकार समर्थित 91 विधायकों ने अपनी अपनी सीटों से स्वैच्छिक त्याग पत्र देने का निर्णय लेते हुए इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से सौंपा था लेकिन दो महीने पश्चात भी त्यागपत्रों को स्वीकार नही किया गया है. किसी भी विधानसभा सीट से स्वेच्छा से इस्तीफ़ा दिया जाना विधायकों का अधिकार होता है.

91 विधायकों से जबरन हस्ताक्षर कराए जाने या उनके त्याग पत्र पर किसी अपराधी द्वारा हस्ताक्षर कूट रचित कर दिए जाने की कोई सूचना अध्यक्ष के पास नहीं थी।

जी-20 शेरपा बैठक की तैयारी पूरी

नायडू बोले-उदयपुर में हो रहा इंटरनेशनल आयोजन सेट करेगा बेंचमार्क

उदयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में आयोजित होने वाली जी-20 शेरपा बैठक की तैयारियां जोरों पर हैं। विदेश सचिवालय के संयुक्त सचिव नगराज नायडू ने जी-20 शेरपा सम्मेलन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से युद्ध स्तर पर की जा रही तैयारियों के अंतिम चरण का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जी-20 शेरपा की पहली बैठक के लिए उदयपुर पूरी तरह से तैयार है।

संयुक्त सचिव नगराज नायडू, संभागीय आयुक्तालय में संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट और जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने जी 20 के संभागियों के लाइजनिंग अधिकारियों और स्थानीय जिला स्तरीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर तैयारियां की समीक्षा की। इस दौरान समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों ने अपने दायित्व और तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में नायडू ने कहा कि कहा कि टीम उदयपुर की मेहनत रंग लाई है। इस आयोजन के लिए वृहद स्तर पर की गई तैयारियों के लिए उन्होंने राजस्थान सरकार और जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। उनहोंने कहा कि जी-20 प्रसिडेंसी इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए तैयार है और उदयपुर में होने वाला यह इंटरनेशनल आयोजन बेंचमार्क सेट करेगा।

उदयपुर से मिलेगी आगामी आयोजनों की दिशा

नायडू ने कहा कि इस जी-20 इंटरनेशनल समिट की शुरूआत उदयपुर से होना गौरव की बात है और इस आयोजन के लिए उदयपुर एक टेम्पलेट बनेगा। इसके साथ ही 50 शहरों में होने वाली जी-20 बैठकों के लिए उदयपुर एक मिसाल बनेगा। नायडू ने कहा कि यह एक माइल्डस्टोन इवेंट है। यहां से हमारी जी-20 प्रेसीडेंसी को आगामी आयोजन के लिए दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि जी-20 आयोजन को लेकर उदयपुर की खूबसूरती बढ़ गई है। एयरपोर्ट से लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों को आकर्षक रूप दिया गया है। साथ ही उन्होंने शहरवासियों से उम्मीद की है कि विदेश भर से जो डेलीगेट्स यहां आने वाले हैं, उनके स्वागत सत्कार में आप भी सहयोग दें, जिससे मेहमान यहां से बेहतर छवि लेकर जाएं।

प्रोटोकॉल पर अधिकारियों का रहे विशेष ध्यान

बैठक दौरान नायडू ने जिला प्रशासन के लाइजन अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की और शेरपा बैठक के दौरान उनके दायित्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के साथ ही समय की पाबंदी और अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ख्याल रखा जाय। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि हर परिस्थिति में उच्चाधिकारियों और अतिथियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए दायित्वों को अंजाम दिया जाय।

बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने कहा कि इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए उदयपुर तैयार है और लेकसिटी दुल्हन की तरह सज चुकी है। सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं और जी-20 शेरपा बैठक का सफल आयोजन कर उदयपुर विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचाना बनाएगा। वहीं जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने आयोजन से जुड़ी तैयारियों और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही बैठक में मौजूद अन्य अधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रभा गौतम और समस्त लाइजनिंग ऑफिसर मौजूद रहे।

26/11 हमले से हैरान थी यूपीए सरकार

फैसले लेने में भी दिखी कमजोर, पूर्व कैबिनेट सचिव ने किया खुलासा

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मनमोहन सरकार में कैबिनेट सचिव रह चुके केएम चंद्रशेखर ने 26/11 मुंबई हमले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि हमले के समय केंद्र सरकार को पता ही नहीं था कि केंद्रीय स्तर पर क्या कदम उठाने हैं। इससे केंद्र सरकार में निर्णय लेने की क्षमता की कमी उजागर हुई थी। उन्होंने कहा है कि हमले के बाद कोई वास्तविक स्पष्टता नहीं थी कि केंद्रीय स्तर पर कौन क्या करेगा।

पूर्व कैबिनेट सचिव केएम चंद्रशेखर ने अपनी किताब 'मेरे वचन के अनुसार अच्छा है' में यूपीए सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की स्थिति के बारे में भी कई खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा है कि मुंबई हमले के बाद भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी।

सुरक्षा मुद्दों के प्रबंधन में था भ्रम

पूर्व कैबिनेट सचिव चंद्रशेखर ने अपनी किताब में लिखा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सरकार का सही निर्णय था। हालांकि, उन्हें सुरक्षा संबंधी मामलों में स्वतंत्र न रखा जाना भ्रम की स्थिति को पैदा करता था। चंद्रशेखर ने कहा, सरकार ने एनएसए और कैबिनेट सचिव के बीच जिम्मेदारियों और शक्तियों का बंटवारा कर दिया। इससे यह भ्रम उत्पन्न हो गया कि सुरक्षा संबंधित मामलों में एनएसए और कैबिनेट सचिव की भूमिका और अधिकार क्या हैं। उन्होंने कहा, 26/11 के हमलों ने एक गंभीर आपात स्थिति में निर्णय लेने में क्षमता पर कमजोरी को भी उजागर किया।

कैबिनेट सचिव नहीं पता होती जमीनी हकीकत

पूर्व कैबिनेट सचिव ने कहा, आम तौर पर खुफिया एजेंसियां किसी इलाके से मिली जानकारियों को गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय या सशस्त्र बलों के साथ साझा करती हैं। वह कैबिनेट सचिव को इसकी जानकारी नहीं देती हैं। ऐसे में कैबिनेट सचिव को उस क्षेत्र की जमीनी हकीकत के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। ऐसे में पर्याप्त जानकारी के बिना कैबिनेट सचिव कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। चाहे वह आतंकवादी हमला हो उग्रवादी हमला।

26/11 हमले के समय क्या हुआ?

केएम चंद्रशेखर ने अपनी किताब में लिखा जब मुंबई में आतंकवादी हमला हुआ तो तो केंद्रीय स्तर पर कौन क्या करेगा, इस बारे में कोई स्पष्टता ही नहीं थी। कानून और व्यवस्था भारतीय संविधान के तहत एक राज्य का विषय है और केंद्रीय हस्तक्षेप केवल संबंधित राज्य सरकार के अनुरोध पर ही हो सकता है।

हैदराबाद शी टीम्स को नवंबर में मिलीं 103 शिकायतें

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शी टीम्स को नवंबर के महीने के दौरान विभिन्न माध्यमों से महिलाओं से कुल 103 शिकायतें मिलीं। उनमें से 52 याचिकाकर्ताओं ने सीधे संपर्क किया, जबकि 34 ने व्हाट्सएप के माध्यम से और बाकी ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संपर्क किया। शी टीम के पदाधिकारियों के अनुसार सभी शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की गई और संबंधित थानों को रेफर कर 12 प्राथमिकी दर्ज की गईं. कुल 26 छोटे-मोटे मामले दर्ज किए गए और 98 लोगों को चेतावनी दी गई और उनकी काउंसलिंग की गई।

एक घटना में, एक पुरुष नर्स को एक 55 वर्षीय महिला को फंसाने और ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जिससे उसने अपने कोविड उपचार के दौरान संपर्क किया था। पीड़िता कोविड टेली-मेडिकल देखभाल ले रही थी और संदिग्ध, मोहम्मद गुलाम उसे मेडिकल फॉलो-अप के लिए बुलाता था और अतिरिक्त देखभाल दिखाने का नाटक करता था और उसके बारे में व्यक्तिगत बातें सीखता था। इसके बाद वह पैसे के लिए ब्लैकमेल करने लगा।

एक अन्य घटना में, एम.अर्जुन नाम के एक निजी कर्मचारी को एक 26 वर्षीय तलाकशुदा महिला को उससे शादी करने के लिए परेशान करने के आरोप में पकड़ा गया है।

उन्हें अदालतों में पेश किया गया और विभिन्न अवधियों के लिए कारावास की सजा सुनाई गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) और प्रभारी (शी टीम्स एंड भरोसा) ए.आर. श्रीनिवास ने महिलाओं से अपराध की रिपोर्ट करने के लिए साहसी होने को कहा। उन्होंने कहा कि चुपचाप पीड़ित होकर अपराधियों को प्रोत्साहित न करें।

नौकरी पाने के लिए अपने कौशल आधार में सुधार लाएं युवा : हरीश राव

सिद्दीपेट, 2 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश रावने सिद्दीपेट के बेरोजगार युवाओं से उपयुक्त नौकरी पाने के लिए अपने कौशल आधार में सुधार करने का आह्वान किया है। केसीआर नगर में एलएंडटी द्वारा स्थापित 5 करोड़ रुपये के कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने यह जानने के बाद एलएंडटी को कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया था कि कई बेरोजगार युवाओं के पास कोई कौशल आधार नहीं था। राव ने कहा कि प्रशिक्षण संस्थान केंद्र में 90 दिनों के प्रशिक्षण के बाद उन्हें प्लेसमेंट दिलाने में भी मदद करेगा। चूंकि कौशल वृद्धि केंद्र राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त था, उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद युवाओं को एक प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। राव ने कहा कि उम्मीदवारों को तीन महीने के लिए रहने और खाने की भी सुविधा दी जाएगी। मंत्री ने इसे युवाओं के लिए अपना करियर शुरू करने का एक बड़ा अवसर करार दिया।

नौ दिसंबर से होगी राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता : जोगू रमन्ना

आदिलाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक जोगू रमन्ना ने कहा कि इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में नौ से 11 दिसंबर तक राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाजी प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। स्टेट शूटिंग बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सैनी रवि कुमार के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए रमन्ना ने कहा कि आदिलाबाद पहली बार मेगा चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में 20 राज्यों के 600 खिलाड़ी और 100 अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत व्यवस्था की गई है और खिलाड़ियों को आवास प्रदान किया जाएगा। उन्होंने जनता और खेल प्रेमियों से सहयोग मांगा। संघ के महासचिव सोमा शेखर, कोषाध्यक्ष हरिचरण सहित कई अन्य उपस्थित थे।

एनएमडीसी ने नवंबर 2022 में अपना अबतक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बडे लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने नवंबर, 2022 के महीने में लौह अयस्क का 3.61 मिलियन टन उत्पादन और 3.04 मिलियन टन बिक्री दर्ज की। कंपनी ने नवंबर 2021 में अपने निष्पादन की तुलना में उत्पादन में 8% और बिक्री में 5.5% की वृद्धि दर्ज की है। सितंबर-अक्टूबर-नवंबर, 2022 की अवधि के लिए एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन कंपनी के इतिहास में इन महीनों में लगातार सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के रूप में दर्ज किया गया है। पिछले तीन महीनों में लौह अयस्क के असाधारण उत्पादन के साथ, खनन क्षेत्र का प्रमुख संगठन वित्त वर्ष 2023 में सभी रिकॉर्डों को पार करने की तैयारी कर रहा है।

कंपनी के सफल प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री सुमित देब ने कहा, "इस्पात की मांग में वृद्धि के साथ, हम उत्पादन बढ़ाने और लौह अयस्क की निरंतर बडी मात्रा में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। पिछले तीन महीनों में हमारेनिष्पादन में वृद्धि असाधारण रही है और यह नए बेंचमार्क स्थापित करके आत्मनिर्भर राष्ट्र के प्रति एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

वेमुलावाड़ा मंदिर का टैंक रविवार को श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा

राजन्ना-सिरसिल्ला, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर, वेमुलावाड़ा का धर्मगुंडम (मंदिर का तालाब) 34 महीने के अंतराल के बाद रविवार को भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। कोविड महामारी के कारण मार्च 2020 में बंद किया गया मंदिर का सरोवर रविवार की सुबह विशेष पूजा-अर्चना के बाद खोला जाएगा। जब भी मंदिर में विशेष प्रार्थना होती थी, मंदिर के अधिकारी टैंक खोल देते थे लेकिन भक्तों को अनुमति नहीं थी। तालाब बंद होने से श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, वे अतिथि गृहों में स्नान कर और पार्किंग स्थल पर नल की व्यवस्था कर इष्ट देवता के दर्शन कर रहे थे। धर्मस्व विभाग के आयुक्त के निर्देश के आधार पर, मंदिर के अधिकारियों ने धर्मगुंडम को खोलने का फैसला किया है और इसके लिए व्यवस्था कर रहे हैं। सिल्ट हटाकर टंकी की सफाई की गई है।

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 2 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के स्थानीय 4 क्षेत्रीय कार्यालय क्रमशः क्षेत्रीय कार्यालय पंजागुट्टा, सिकंदराबाद, कोटी, सैफाबाद द्ववारा संयुक्त एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। अंचल कार्यालय से वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा देवकांत पवार, उपभवन से वरिष्ठ प्रबंधक राभा अंगेश कुमार, एसटीसी हैदराबाद से सुश्री श्रुति पांडेय, सहायक प्रबंधक राभा भी सहयोगी संकाय के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस. प्रकाश बाबू, उप क्षेत्र प्रमुख सैफाबाद द्वारा की गई। श्रीमती उपासना सिरसैया, वरिष्ठ प्रबंधक (राभा) क्षेत्रीय कार्यालय, पंजागुट्टा, साहेबराव काम्बले, राजभाषा प्रभारी क्षेत्रीय कार्यालय कोटी, सुश्री श्वेता साव, राजभाषा प्रभारी क्षेत्रीय कार्यालय सिकंदराबाद, सुश्री श्वेता सिंह, क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद द्वारा विभिन्न सत्र लेकर कार्यशाला को सफल बनाया गया। कार्यशाला में चारों क्षेत्रीय कार्यालय के अधीन शाखाओं से नामित स्टाफ सदस्य शामिल हुए।

प्रगति महाविद्यालय के एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. टी.पी. सिंह को सेवारत्न पुरस्कार प्रदान करते हुए अभिनय सुधा कला वारिधि के सदस्य।

सिविल सर्विस में शामिल हो जनसंचार तभी पूर्ण होगा अमृतकाल : प्रो. केजी सुरेश

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमृतकाल में भारत अभ्युदय : चुनौतियाँ और संकल्प विषय पर तीन दिवसीय मीडिया चौपाल 2022 का नौवां संस्करण चंड़ीगढ़ के एनआईटीटीटीआर परिसर में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में सभाध्यक्ष के तौर पर प्रो. रामेश्वर मिश्र पंकज, वक्ता के तौर पर प्रो. केजी सुरेश, प्रो. बलदेव भाई शर्मा, प्रो. कुसुमलता केडिया मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ले.जे. (डॉ.) राजनंदन सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री गोलोक बिहारी राय, राष्ट्रीय महामंत्री रेशमा सिंह, आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक मालिक, प्रोफेसर अनिल सौमित्र सहित विभिन्न लोगों की गरिमामय उपस्थित रही। एनटीटीटीआर के निदेशक प्रो. श्याम सुन्दर पटनायक ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि चंडीगढ़ का चयन इस कार्यक्रम में किया जाना हमारे लिए गर्व की बात है। वक्ता के तौर पर प्रो. कुसुमलता केडिया ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमें पहले इस बात को समझना होगा कि हम किस भारत की बात कर रहे हैं। 1947 के बाद के भारत की, 1922 वाले भारत या 1850 के भारत की। उन्होंने अपने व्याख्यान में राजनीतिक भारत को चर्चा के केंद्र में रखा। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शिक्षक और पत्रकार किसी भी राष्ट्र के चैतन्य के प्रतीक होते हैं, इसलिए पत्रकार और मीडियाकर्मी होने के नाते हमारे सोचने के दृष्टि, सोचने की क्षमता, अध्ययनशीलता बढ़नी चाहिए।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि नागरिक पत्रकारिता आजकल ट्रेंड में है, लेकिन क्या यह शब्द प्रयोग सही है? जब सिटीजन डॉक्टर, सिटीजन इंजीनियर नहीं हो सकता तो सिटीजन पत्रकार कैसे सम्भव है? हमें पहले मीडिया में हस्तक्षेप करने की योग्यता निर्धारित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सिविल सर्विसेस में जनसंचार को एक विषय के रुप में शामिल किया जाना चाहिए, तभी यह अमृतकाल पूर्ण हो पाएगा।

कार्यक्रम के सभाध्यक्ष प्रो. रामेश्वर मिश्र पंकज ने कहा कि यह कार्यक्रम वर्तमान परिपेक्ष्य में बहुत ही प्रसांगिक है। उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न विषयों पर तीन तकनीकी सत्र आयोजित किये गये, जिसमें शिक्षाविद्, शोधार्थी, मीडिया जगत के विशेषज्ञों ने शोधपत्र प्रस्तुत किये। पहले तकनीकी सत्र का विषय "भारत के उत्कर्ष में संचार की भूमिका' रहा, जिसमें सत्र अध्यक्ष के तौर पर प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा और सह-अध्यक्ष डॉ. आनन्द पाटील रहे। वहीं, सत्र का संचालन डॉ. राविया गुप्ता तथा आभार प्रस्तुति आकांक्षा सिंह ने किया। इस सत्र में 8 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। स्वतंत्र लेखक एवं अखिल भारतीय राष्ट्रवादी लेखक संघ के कोषाध्यक्ष मेजर सरस त्रिपाठी ने सभी का स्वागत किया और संक्षिप्त में मीडिया चौपाल के संकल्प के बारे में बताया। मंच संचालन डॉ. कुंजन आचार्य ने किया। वहीं, आभार प्रदर्शन अशोक मलिक ने किया।

हैदराबाद अमेच्यूर रेस्लिंग एसोसियशन का चुनाव कल

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेच्यूर रेस्लिंग एसोसियशन द्वारा 4 नवंबर रविवार को सुबह 11.00 बजे से चुनाव होगा। एक प्रेस विज्ञाप्ति के अनुसार ओलंपिक भवन, फतेह मैदान एल.बी. स्टेडियम में आयोजित होने वाले चुनाव में संतोष पहलवान पैनेल में प्रेसिडेंट संतोष बगत यादव, जनरल सेक्रेटरी आई. अभिमन्यु यादव, ट्रीजर हबीब अबदुल्लह जिलानी, सिनियर वाइस प्रेसिडेंट नन्दू लाल यादव, वाइस प्रेसिडेंट ओमान मोहम्मद खान, ज्वाइंट सेक्रेटरी कट्टा लिंगम, ऑर्गनाइजर सेक्रेटरी का नाम शामिल है। पैनेल से उनका समर्थन करने की अपील की।

समग्र जाति संघ के सदस्यों ने मंत्री से की स्वाभिमान भवन बनाने की अपील

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल क्षेत्र के समग्र जाति संघ के सदस्यों ने आज मंत्री तलसानी श्रीनिवास से मुलाकात कर स्वाभिमान भवन बनाने की अपील की। इस अवसर पर मंत्री ने प्रतिनिधियों को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी तथा जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने बताया कि उनके समाज के विकास के लिए स्थानीय नेता एम. आनंद कुमार गौड़ काफी सहयोग दे रहे हैं। मंत्री ने यह सुझाव दिया कि इस संबंध में मंत्री गंगुला कमलाकर से बातचीत कर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। बेगमबाजार पार्षद शंकर यादव व आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में संघ के प्रतिनिधियों ने आज एक बार फिर मंत्री श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर जल्द से जल्द जगह आवंटित करने की मांग की। समुदाय के प्रतिनिधियों ने मंत्री आनंद कुमार गौड़ को जल्द ही आवंटन करने का आश्वासन देने के लिए धन्यवाद दिया। इस समग्र जाति संघ समाज के अध्यक्ष बी जानकी राम, कार्यकारी अध्यक्ष बी कृष्ण जी, महासचिव एम महेंद्र जी, उपाध्यक्ष जी प्रकाश, सचिव टी भारत भूषण, सचिव के राजेश, ईसी सदस्य के दुर्गा राज, सी राम चरण, एम तुलजा राम उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में के शिव कल्याण, बी. नारायण बाबा, एच. रघु, आर. शिवचरण, बी. विजय व अन्य ने भाग लिया।

एलआईसी आफ इंडिया ने की अपनी व्हाट्सएप्प सेवाएं लांच की

हैदराबाद, 2 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम, चेयरपर्सन एमआर कुमार ने एलआईसी आफ इंडिया से संबध्द अपनी व्हाट्सएप्प सेवाएं लांच की। इस संदर्भ में, एलआईसी आफ इंडिया, चेयरपर्सन एमआर कुमार ने मीडिया को बताया कि, एलआईसी ने अपने बीमाधारकों के साथ चुनिंदा परस्पर संवादात्मक सेवाएं(इंटरएक्टिव सर्विसेज) शुरु की हैं। पर इसका लाभ उन्हीं बीमाधारकों को होगा जिन्होंने एलआईसी पोर्टल पर अपनी पालिसियों को पंजीकृत किया है तथा उन्होंने आगे कहा कि, निम्न स्क्रीन के माध्यम से बीमाधारकों को ही निम्नलिखित सूचीबध्द सेवाओं का लाभ मिलेगा।इस हेतु बीमाधारकों को चाहिए कि, वे अपने व्हाट्सएप्प में मो. नं. 8976862090 पर जाकर "हाई' टाइप करें तथा तत्संबंधित सेवाओं चयन के लिए निम्नलिखित अपनी विकल्प संख्या चुनें, जिनमें प्रिमियम ड्यू, बोनस इन्फरमेशन, पालिसी स्टाटस, लोन एलिजीबीलीटी कोटेशन, लोन रिपेमेंट कोटेशन, लोन इंटरेस्ट ड्यू, प्रिमियम पेड सर्टिफिकेट, युलिप-स्टेटमेंट आफ युनिट्स, एलआईसी सर्विस लिंक्स, आप्ट. इन/आप्ट. आउट सर्विसेज तथा एन्ड कनर्वसेशन शामिल हैं।

सरस्वती शॉपिंग मॉल का शुभारम्भ किया गया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुचित्रा कुतबुलापुरम मैन रोड़ स्थित सरस्वती शॉपिंग मॉल के भव्य शोरुम का शुभारंभ बत्तौर मुख्यअतिथि कानाराम शर्मा, जाट समाज ट्रस्ट अध्यक्ष दूदाराम बाबल व सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर जाट समाज ट्रस्ट के सचिव बाबूलाल पूनिया, गौभक्त कानाराम बर्फा, अखिल भारतीय आर्दश जाट महासभा प्रदेशाध्यक्ष हनुमान छिंणग, भोनगिरी जिला अध्यक्ष सतपाल ढाढिया, धनराज, गुर्जर समाज अध्यक्ष बहादुरराम कालस, भीकाराम गुर्जर, कालूराम थारोल, उगमाराम पूनिया, महेन्द्र, अजीत खोड़, श्रवणकुमार, अणदाराम, पत्रकार परबत सोलंकी, व पधारे समाज बन्धुओं व सम्मानित ग्राहकों का शॉल से विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक गोपाल खोड़ ने पधारे सभी अतिथियों व सम्मानित ग्राहकों का आभार किया।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उपस्थित सीरवी समाज महिला मंडल उपाध्यक्षा भंवरीदेवी, छोगालाल सोलंकी, सुमन, युदित, सीरवी समाज कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, मोतीलाल सोलंकी, मांगीलाल देवड़ा, नारायणलाल, हीरालाल सोयल, पूनम महिला मंडल ग्रूप इन्चार्ज सुशीलादेवी देवड़ा व अन्य।

गुरु ज्ञान से संभव हरि दर्शन : साध्वी रितु भारती

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परम पूजनीय गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की कृपा से दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आज श्री आई माता मंदिर, पद्मराव नगर, हैदराबाद में श्री हरि कथा के द्वितीय दिवस आज साध्वी रितु भारतीजी ने भद्राचल रामदास प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि कहा भक्त रामदास ने न केवल भगवान के मंदिर का निर्माण करवाया बल्कि उनके जीवन में ईश्वर की खोज भी थी। ईश्वर दर्शन की तड़प ने उन्हें गुरु ज्ञान तक पहुंचाया और उन्होने हरि दर्शन को प्राप्त किया। साध्वी सिद्धयोगा भारती जी ने कहा कि आज समाज में अज्ञानता का अंधकार पसरा हुआ है। जिस तरह अंधेरे में दीपक की बातें करने मात्र से अंधेरा दूर नहीं हो सकता है, उसी तरह केवल बाहरी ज्ञान से, शब्दों की झड़ी लगाने से कोई भी मानव ज्ञान को प्राप्त नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि महापुरुष समय समय पर मनुष्य की अज्ञानता को दूर करने के लिए इस धरती पर अवतार धारण करते हैं। वह मनुष्य को ब्रह्मज्ञान से ईश्वर-दर्शन करवाकर उसे परम भक्ति प्रदान करते हैं और तभी मनुष्य अपना जीवन सफल बना सकता है।।

अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ (तेलंगाना) के प्रदेश अध्यक्ष गज्जू भाई कोलारिया का इंदौर आगमन पर उनका अभिनंदन करते हुए भाजपा नेता चेतन प्रजापत। साथ में हैं कृत्रिम अंग केंद्र के संचालक विनय जी जैन, युवा कार्यकर्ता अभिषेक पांडे, तुषार प्रजापत, विनय ठाकुर, राधे प्रजापत व अन्य।

गायकवाड का विजय हजारे में 12वां शतक

सौराष्ट्र के खिलाफ फाइनल में 108 रन की पारी खेली, महाराष्ट्र फिर भी मुश्किल में

पुणे, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। विजय हजारे ट्रॉफी सीजन 2022-23 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के बीच खेला जा रहा है। कप्तान ऋतुराज गायकवाड के शतक की बदौलत महाराष्ट्र ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 248 रन बनाए। जवाब में सौराष्ट्र ने 25 ओवर में बिना विकेट खोए 119 रन बना लिए हैं।

गायकवाड ने 131 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौके और 4 छक्के की मदद से 108 रन बनाए। हालांकि, महाराष्ट्र की ओर से कोई दूसरा बल्लेबाज हाफ सेंचुरी भी नहीं जमा सका। 37 रन बनाने वाले अजीम काजी दूसरे टॉप स्कोरर रहे। विजय हजारे ट्रॉफी में यह गायकवाड का अब तक का 12वां शतक है। वे इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। उन्होंने रॉबिन उथप्पा और अंकित बावने का रिकॉर्ड तोड़ा है। उथप्पा और बावने ने इस टूर्नामेंट में 11-11 शतक जमाए हैं।

पिछली पांच पारियों में चौथा शतक

गायकवाड ने इस सीजन में 5 मैचों में 220 की औसत से 660 रन बनाए। इसमें चार शतक शामिल हैं। उन्होंने सीजन के अपने पहले मैच में रेलवे के खिलाफ नाबाद 124 रन की पारी खेली। उसके बाद बंगाल के के खिलाफ 40 रन बनाए। यूपी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में नाबाद 220 रन बनाए। सेमीफाइनल में गायकवाड ने असम के खिलाफ 168 रन की पारी खेली। अब फाइनल में सौराष्ट्र के खिलाफ 108 रन बनाए हैं।

टीम इंडिया के लिए 1 वनडे और 9 टी-20 खेल चुके

गायकवाड अब तक 1 वनडे और 9 टी-20 इंटरनेशनल में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 1 वनडे में 19 रन बनाए हैं। जबकि 9 टी-20 मैचों में 16.87 की औसत से 135 रन बनाए हैं।

फाइनल में चिराग जानी की हैट्रिक

फाइनल मुकाबले में सौराष्ट्र के चिराग जानी ने 10 ओवर में 43 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने अपने एक ओवर में सौरभ नवाले, राजवर्धन हेंगेरकर और विक्की ओस्तवाल को लगातार 3 गेंदों पर आउट कर हैट्रिक पूरी की।

ऋतुराज का विजय हजारे के इस सीजन में प्रदर्शन

Vs	रेलवे	124 रन*
Vs	बंगाल	40 रन
Vs	यूपी	220 रन*
Vs	असम	168 रन
Vs	सौराष्ट्र	108 रन

इंग्लैंड ने 101 ओवर में बना दिए 657 रन

दूसरे दिन 151 रन बनाने में 6 बल्लेबाज आउट, जाहिद को 4 विकेट

हैरी ब्रूक रहे इंग्लैंड के टॉप स्कोरर
116 गेंद, 153 रन

रावलपिंडी, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 657 पर ऑलआउट हुई। इंग्लिश टीम ने सिर्फ 101 ओवर में इतना बड़ा स्कोर बना दिया। हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 153 रन की पारी खेली। पहले दिन के स्कोर 4 विकेट पर 506 रन से आगे खेलते हुए इंग्लैंड ने दूसरे दिन 151 रन बनाने में 6 विकेट गंवाए।

पाकिस्तान की ओर से पहला टेस्ट मैच खेल रहे लेग स्पिनर जाहिद महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। नसीम शाह को 3 और मोहम्मद अली को 2 विकेट मिले। 1 कामयाबी हारिस रउफ को मिली। जवाब में पाकिस्तान ने लंच तक अपनी पहली पारी में बिना विकेट खोए 17 रन बनाए हैं। इमाम उल हक और अब्दुल्ला शफीक नाबाद हैं। दूसरे दिन के खेल में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ही ओवर में नसीम शाह ने बेन स्टोक्स को बोल्ड कर पवेलियन भेजा। स्टोक्स ने 18 गेंदों पर 41 रन बनाए। बोल्ड होने से पहले स्टोक्स ने नसीम की गेंद पर छक्का भी जड़ा था। स्टोक्स के आउट होने के बाद लियाम लिविंगस्टोन (9) भी नसीम शाह का शिकार बने। ब्रूक ने दूसरे दिन अपने स्कोर में 52 रन का इजाफा किया। उनका विकेट भी नसीम ने लिया। इसके बाद आने वाले बल्लेबाजों में विल जैक्स ने 30 और ओली रॉबिनसन ने 37 रन बनाए। जैक लीच 6 रन बनाकर नाबाद रहे।

6.50 रहा इंग्लैंड का रन रेट

इंग्लैंड ने अपनी पारी में 6.50 रन प्रति ओवर की रफ्तार से बल्लेबाजी की। पाकिस्तान की ओर से बॉलिंग करने वाले 6 में से 4 गेंदबाजों की इकोनॉमी 6 से ज्यादा रही। हारिस रउफ ने 13 ओवर में 78 रन खर्च किए। जाहिद महमूद ने 33 ओवर में 235 रन दिए। आगा सलमान ने 5 ओवर में 38 और सउद शकील ने 2 ओवर में 30 रन लुटाए।

पहले मैच में ही खिलाड़ी के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने एक दिन रावलपिंडी टेस्ट में पाकिस्तान के गेंदबाजों की धुनाई का जो सिलसिला शुरू किया था, वो दूसरे दिन 657 रन पर जाकर रुका. इंग्लैंड ने रावलपिंडी टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी 657 रन पर खत्म की. इंग्लैंड ने इतने रन 101 ओवर में बनाए. पूरी पारी के दौरान पहले से आखिरी ओवर तक इंग्लैंड का रन रेट 6.5 से कम नहीं हुआ. इंग्लैंड के लिए पहली पारी में जिन 4 बल्लेबाजों ने 50 से अधिक रन का आंकड़ा पार किया, सबने आगे शतक जड़ा।

पूजा वस्त्राकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी गई है। पूजा वस्त्राकार चोट की वजह से सीरीज से बाहर हैं। ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम भारतीय दौरे पर आ रही है।

टीम को यहां 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर से खेला जाना है। सीरीज के लिए हरमनप्रीत कौर को टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। स्मृति मंधाना को वाइस कैप्टन बनाया गया है। पूजा वस्त्राकार के नाम पर नहीं किया गया विचार

बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चोटिल पूजा वस्त्राकार के नाम पर विचार नहीं किया गया है। वह सीरीज में टीम इंडिया की हिस्सा नहीं होंगी। उनकी इंजरी पर मेडिकल टीम नजर बनाए हुए है। ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की सीरीज के सभी मुकाबले मुंबई में खेले जाएंगे। पहल मुकाबला 9 दिसंबर को और दूसरा 11 दिसंबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। बाकी के तीन मुकाबले सीसीआई (क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया) में खेले जाएंगे। तीसरा 14, चौथा 17 और आखिरी मुकाबला 20 दिसंबर को होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, रेणुका सिंह ठाकुर, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, देविका वैद्य, एस मेघना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देओल

नेट गेंदबाज - मोनिका पटेल, अरुंधती रेड्डी, एसबी पोखरकर, सिमरन बहादुर।

रिकी पोंटिंग अस्पताल में भर्ती

पर्थ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग पर्थ में ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच के तीसरे दिन बीमार पड़ गए। इसके बाद उन्हें पर्थ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पोंटिंग इस मैच के लिए कमेंटेटर्स पैनल में शामिल हैं।

हालांकि, जब वे बीमार पड़े तब कमेंट्री नहीं कर रहे थे। पोंटिंग का इलाज कर रहे डॉक्टर्स ने बताया कि चिंता की कोई बात नहीं है। मामला सीरियस नहीं है। पोंटिंग तीसरे दिन के खेल के लंच टाइम से आसपास असहज महसूस करने लगे। फिर उन्होंने चैनल 7 के क्रू मेंबर्स को इसके बारे में बताया। इसके बाद उन्हें निजी वाहन से रॉयल पर्थ अस्पताल ले जाया गया। पोंटिंग इस समय भी डॉक्टर्स की निगरानी में बताए जा रहे हैं। पोंटिंग ने अस्पताल जाते वक्त साथी कमेंटटर्स से कहा कि वे ठीक महसूस कर रहे हैं और एहतियात के लिए अस्पताल जाकर चेकअप करवाना चाहते हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वे शनिवार को कमेंट्री के लिए वापस लौटेंगे या नहीं।

वर्ल्ड कप से पहले 18 वनडे खेलेगा भारत

पाकिस्तान में एशिया कप भी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले टीम इंडिया 18 वनडे, 9 टी-20 और 8 टेस्ट मैच खेलेगी। इस दौरान भारत को पाकिस्तान में 50 ओवर का एशिया कप भी खेलना है। टीम इंडिया पिछले दिनों न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हार गई।

सीरीज के 2 मैच बारिश में धुल गए, लेकिन टीम की खराब गेंदबाजी एक बार फिर उजागर हो गई। गेंदबाजी के अलावा टीम इंडिया के सामने और भी कई चुनौतियां हैं। जिन्हें हम इस खबर में बताएंगे, साथ ही बताएंगे कि टीम इंडिया किस तरह अपनी इन चुनौतियों से पार पा सकती है।

राउंड रॉबिन फॉर्मेट में होगा 2023 का वर्ल्ड कप

वर्ल्ड कप में 15 प्लेयर्स का स्क्वॉड रहेगा। जिनमें से 11 प्लेयर्स खेलेंगे। 2023 का वर्ल्ड कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट में होगा। यानी, 2019 में हुए वर्ल्ड कप की तरह सभी 10 टीमें एक-दूसरे 9 मैच खेलेंगी। फिर टॉप-4 पोजिशन पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल खेलेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीमें फाइनल खेलेंगी और फाइनल से विश्व विजेता का फैसला होगा।

वर्ल्ड कप के लिए 10 में से 7 टीमें आईसीसी सुपर लीग पॉइंट्स टेबल के आधार पर तय हो चुकी हैं। 3 टीमें तय होना बाकी है। नीचे के ग्राफिक में देखें वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुकीं टीमें कौन सी हैं।

कौन होंगे भारत के टॉप-15 ?

वर्ल्ड कप से पहले टीम सिलेक्शन टीम इंडिया के गले की हड्डी बना हुआ है। बल्लेबाज लगभग तय हैं, लेकिन ऑलराउंडर्स और गेंदबाज का सिलेक्शन भारत के लिए सिरदर्द बना हुआ है। जिनसे टीम इंडिया को पार पाना है।

टॉप ऑर्डर लगभग तय

टॉप ऑर्डर में कप्तान रोहित शर्मा के साथ शिखर धवन ओपनिंग करेंगे। विराट कोहली नंबर-3, श्रेयस अय्यर नंबर-4, लोकेश राहुल या ऋषभ पंत नंबर-5 पर रहेंगे। इन 6 प्लेयर्स के अलावा टीम इंडिया शुभमन गिल, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा को भी ट्राय कर रही है। बचे हुए 18 वनडे में प्रदर्शन के आधार पर इनमें से किसी एक प्लेयर को स्क्वॉड में जगह मिल सकती है। 6 और 7 नंबर पर टीम इंडिया हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा पर फिर एक बार भरोसा दिखा रही है। वहीं, इन पोजिशन के लिए वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, दीपक चाहर को भी ट्राय किया जा रहा है। परफॉर्मेंस के आधार पर इन तीनों में से भी किसी एक प्लेयर को स्टैंडबाय के रूप में टॉप-15 में जगह मिल सकती है।

गेंदबाज सबसे बड़ी समस्या!

50 ओवर का टूर्नामेंट जीतने के लिए भारत को कम से कम 8 नंबर तक अच्छी बैटिंग करने वाले गेंदबाजों की जरूरत है। जिनमें सुंदर, शार्दूल और दीपक चाहर का नाम सबसे ऊपर है। 9, 10 और 11 नंबर पर प्रॉपर बॉलर हो तो भी काम चलाया जा सकता है। टीम के पास जसप्रीत बुमराह के रूप में एक नॉन-बैटिंग बॉलर अवेलेबल है। लेकिन, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और युजवेंद्र चहल में से किन्हीं 2 नॉन-बैटिंग बॉलर्स का चुनाव करना सबसे कठिन होगा। भारत उमरान मलिक, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप सेन, यश दयाल, अर्शदीप सिंह जैसे बॉलर्स को भी इन दिनों ट्राय कर रहा है। ऐसे में बचे हुए 18 वनडे से बेस्ट बॉलर्स को चुनना सबसे मुश्किल लग रहा है।

वर्ल्ड कप 2023 से पहले कितने मैच खेलेगा भारत?

खिलाफ	कहां	मैच	कब
बांग्लादेश	बांग्लादेश	3 वनडे, 2 टेस्ट	दिसंबर 2022
श्रीलंका	भारत	3 वनडे, 3 टी-20	जनवरी 2023
न्यूजीलैंड	भारत	3 वनडे, 3 टी-20	जनवरी-फरवरी 2023
ऑस्ट्रेलिया	भारत	3 वनडे, 4 टेस्ट	मार्च 2023
वेस्टइंडीज	वेस्टइंडीज	3 वनडे, 2 टेस्ट, 3 टी-20	जुलाई 2023
एशिया कप	पाकिस्तान	मैच तय नहीं	सितंबर 2023
ऑस्ट्रेलिया	भारत	3 वनडे	सितंबर 2023
वनडे वर्ल्ड कप	भारत	9 ग्रुप मैच	अक्टूबर-नवंबर 2023

जापान ने उलटफेर किया और जर्मनी बाहर

जापान ने स्पेन को 2-1 से हराया; जर्मनी को पीछे छोड़ नॉकआउट में पहुंचा स्पेन

जर्मनी लगातार दो वर्ल्ड कप के फर्स्ट राउंड में बाहर

कतर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में गुरुवार को ग्रुप ई के खेले मैच में जापान ने बड़ा उलटफेर करते हुए स्पेन को 2-1 से हरा दिया। इसके साथ ही जापान ने 20 साल बाद टूर्नामेंट के नॉक आउट में अपनी जगह पक्की की। प्री क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला क्रोएशिया से होगा।

वहीं जापान के इस उलट फेर का खामियाजा चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को भुगतना पड़ा। खिताब का दावेदार मानी जा रही जर्मन टीम को ग्रुप स्टेज से ही बाहर होना पड़ा। फीफा वर्ल्ड कप के 92 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जर्मनी बैक टु बैक टूर्नामेंट के फर्स्ट राउंड से ही बाहर हो गई। इससे पहले 2018 में खेले गए वर्ल्ड कप में भी जर्मनी फर्स्ट राउंड से बाहर हो गई।

स्पेन शुरुआती बढ़त के बाद भी हारा

स्पेन ने शुरुआती बढ़त लेने के बाद भी पीछे रह गया। स्पेन के लिए शुरुआत में ही अल्वारो मोराटा ने हेडर के जरिये गोल कर स्पेन को 1-0 से जापान पर बढ़त दिला दी। फिर हाफ टाइम के बाद जापान ने वापसी की और लगातार 2 गोल कर स्पेन को 2-1 से हराया। जापान के लिए रित्सु डोन ने 48वां मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 की बारबरी की और उसके ठीक 3 मिनट बाद एओ तनाका ने गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। जापान से उलटफेर के शिकार होने के बावजूद स्पेन वर्ल्ड कप के नॉट आउट राउंड में पहुंच गया। वहीं जर्मनी को कोस्टारिका को 4-2 से हराने के बाद भी ग्रुप स्टेज में ही टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। जर्मनी को नॉकआउट में पहुंचने के लिए कोस्टारिका को ज्यादा गोल अंतर से हराने की जरूरत थी। टीम ने जीत तो हासिल की पर टीम स्पेन से गोल अंतर से पीछे रह गई और तीसरे स्थान पर रही।

जर्मनी और स्पेन के चार-चार अंक थे। पर स्पेन ने नौ गोल किए, जबकि उसके खिलाफ 3 हुए थे। जर्मनी ने 6 गोल किए और 5 उसके खिलाफ हुए। ऐसे में स्पेन का गोल अंतराल बेहतर था। जर्मनी के लिए ग्रेब्री (10वां मिनट), काई हावर्टज (73वां और 85वां), फुलक्रुग (89वां) ने गोल दागे। वहीं, कोस्टारिका के लिए तेजेदा (58वां) और जुआन (70वां) ने गोल किए।

स्पेन के खिलाफ जापान का विवादित गोल

दोहा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर में खेला जा रहा फीफा वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज से आगे बढ़कर नॉकआउट स्टेज में पहुंचने की ओर है। आज ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले खेले जाएंगे। गुरुवार को ग्रुप-ई के मुकाबलों में भारी ड्रामा देखने को मिला। स्पेन का मुकाबला जापान से और चार बार की चैंपियन जर्मनी का मुकाबला कोस्टा रिका से था।

विवादित गोल से मचा तहलका

जापान को राउंड ऑफ-16 में पहुंचने के लिए स्पेन के खिलाफ जीतना जरूरी था। वहीं, जर्मनी को भी कोस्टा रिका के खिलाफ जीत जरूरी थी, लेकिन साथ ही यह भी मनना था कि जापान स्पेन के खिलाफ हार जाए। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका और एशियाई टीम ने 2010 की चैंपियन स्पेन को 2-1 से हरा दिया। इस मैच में जापान का एक विवादित गोल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी गोल ने जर्मनी को विश्व कप से बाहर किया। जर्मनी की टीम ने तो कोस्टा रिका के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की, लेकिन स्पेन जापान को जीतने से नहीं रोक सका। स्पेन गोल डिफ्रेंस में जर्मनी से आगे निकल गया और विश्व कप के अगले राउंड में जगह बनाने में कामयाब रहा। जापान की जीत में वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर का अहम योगदान रहा। स्पेन ने मैच में शानदार शुरुआत की और 12वें मिनट में अल्वारो मोराटा ने बेहतरीन गोल दागा। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा, लेकिन हाफ टाइम के बाद यानी दूसरे हाफ में जापान ने काउंटर अटैक करना शुरू किया।सब्सटिट्यूट के रूप में मैदान पर आए रित्सू दोआन ने 48वें मिनट पर बराबरी का गोल दागा। इसके बाद एओ तनाका ने 51वें मिनट में गोल दाग जापान को 2-1 से आगे कर दिया।

इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल करने में असमर्थ रहीं। तनाका द्वारा किया गया जापान का दूसरा गोल विवाद का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर इसको लेकर खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, तनाका ने यह गोल काओरू मितोमा के पास पर किया था।

मेसी की पेनाल्टी पर उठे विरोध के सुर

ग्रीजमैन का गोल खारिज करने पर फ्रांस करेगा फीफा से शिकायत

दोहा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) के फैसलों पर विरोध के सुर उठने लगे हैं। ट्यूनीशिया के खिलाफ अंतिम कुछ सेकंड में फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन का गोल खारिज करने के वार के फैसले के खिलाफ फ्रेंच फुटबाल फेडरेशन ने फीफा से आधिकारिक शिकायत करने का फैसला लिया है। एक ही दिन में वार के दो फैसलों पर जमकर बवाल मचा और यह तकनीकि अचानक आलोचनाओं के घेरे में आ गई। ज्यादातर विशेषज्ञों ने अर्जेंटीना को पोलैंड के खिलाफ वार की ओर से दी गई पेनाल्टी के फैसले को भी गलत ठहराया। सोशल मीडिया पर तो यहां तक लिखा गया, आखिर कर्म सामने आया, मेसी उस पेनाल्टी पर गोल नहीं कर पाए जो नहीं दी जानी चाहिए थी।

फ्रेंच फुटबाल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उनकी ओर से ग्रीजमैन के गोल को गलत तरीके से खारिज किए जाने के खिलाफ फीफा को शिकायत की जा रही है। दरअसल ग्रीजमैन ने जब गोल किया तो गेंद ट्यूनीशियाई रक्षक से टकराते हुए गोल में गई। गोल करने के बाद रेफरी ने खेल को जारी रखा और मैच समाप्ति की सीटी भी बजा दी। मुकाबला 1-1 की बराबरी पर था। नियम कहते हैं कि रेफरी के खेल जारी रखने के बाद वार किसी फैसले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। लेकिन उसने ऐसा किया और रेफरी ने गोल को न सिर्फ खारिज किया बल्कि खेल को भी शुरू करा दिया। इसके बाद 40 सेकंड तक खेल हुआ, जबकि वह मैच समाप्ति की सीटी पहले ही बजा चुके थे।

नतीजन फ्रांस यह मुकाबला 1-0 से हार गया। फ्रेंच फुटबाल मैच के फैसले को भी बदलने की मांग करेगा।

गूटी रेलवे स्टेशन के पास बायपास लाइन चालू

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने हाल के दिनों में पूरे क्षेत्र में यात्री और मालगाड़ियों दोनों के सुचारू संचालन और आसान संचालन की सुविधा के लिए कई यातायात सुविधा कार्य किए हैं। बाईपास लाइनों का निर्माण उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जो ट्रेन की आवाजाही को आसान बनाने के लिए प्रमुख जंक्शनों पर किए गए हैं।

तदनुसार, 43 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ 3.2 किलोमीटर की दूरी के लिए गूटी जंक्शन पर एक बाईपास लाइन का निर्माण किया गया है। यह लाइन गूटी-धर्मवरम मुख्य रेलवे लाइन को गूटी-रेनिगुंटा मुख्य रेलवे लाइन से जोड़कर बनाई गई है ताकि गूटी जंक्शन को बायपास किया जा सके। गूटी स्टेशन आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित महत्वपूर्ण जंक्शन है जो बेंगलुरु, रेनिगुंटा, धोन, गुंतकल, वाडी की ओर प्रमुख दिशाओं में ट्रेनों का संचालन करता है। स्टेशन यात्री और मालगाड़ियों दोनों को संभाल रहा है। दक्षिण दिशा यानी धर्मावरम से आने वाली और रेणिगुंटा की ओर जाने वाली ट्रेनों को निश्चित रूप से गूटी स्टेशन पर इंजन रिवर्सल से गुजरना पड़ता है, जिससे स्टेशन पर ट्रेन के संचालन में बाधा उत्पन्न होती है। इस पर काबू पाने के लिए 43 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से गूटी में बाइपास लाइन स्वीकृत की गई है।

नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ गूटी साउथ और गूटी जंक्शन केबिन पहले से ही दो केबिन हैं। अब जो बायपास लाइन बनाई गई है वह जंक्शन केबिन के पास से शुरू होती है। जंक्शन केबिन अब गूटी जंक्शन बायपास केबिन के रूप में कार्य करेगा। तदनुसार, इस केबिन में ईआई प्रणाली को संशोधित किया गया है और मौजूदा मार्गों के साथ एकीकृत किया गया है। बाइपास लाइन भी गूटी टाउन के निकट स्थित है और ट्रेन संचालन और यात्रियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए उच्च स्तरीय प्लेफॉर्म के साथ एक नई इमारत का निर्माण किया गया है। नई बाइपास लाइन धर्मावरम की तरफ से रेणिगुंटा की तरफ और वाइस-वर्सा से ट्रेन संचालन की निर्बाध आवाजाही प्रदान करती है। मालगाड़ियां अब आसानी से बायपास लाइन से गुजर सकती हैं, जिससे अन्य ट्रेनों के लिए वृद्धिशील अवरोधन को कम करके सेक्शन क्षमता में वृद्धि हो सकती है। इसी तरह, यह ट्रेनों की औसत गति में सुधार करता है और पुट के माध्यम से बढ़ाता है और रोलिंग स्टॉक के उपयोग में सुधार करता है।

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग का हब बनेगा तेलंगाना : केटीआर

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामा राव ने कहा कि तेलंगाना यहां बनाए गए एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (एएम) समाधानों के लिए त्वरित अनुमोदन सुनिश्चित करेगा और स्टार्टअप्स को केवल सेवा प्रदाताओं के रूप में नहीं, बल्कि भागीदारों के रूप में मानेगा। यह कहते हुए कि राज्य प्रौद्योगिकी में प्रगति का समर्थन करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे दुनिया के लिए भारत में बनाए गए हैं।

हैदराबाद में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी (एएमटीईसीएच) एक्सपो के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग का हब बनने के लिए तैयार है, जो टूल और प्रोडक्शन पार्ट्स सहित कार्यात्मक घटकों को बनाने के लिए 3डी प्रिंटिंग का उपयोग है। उन्होंने बताया कि शहर स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने हाल ही में देश का पहला निजी रॉकेट लॉन्च किया था, ने इसमें 3डी प्रिंटेड इंजन का इस्तेमाल किया है। 3डी प्रिंटिंग का चिकित्सा उपकरणों, एयरोस्पेस और रक्षा में अत्यधिक उपयोग होगा। हैदराबाद में इन तीन पारिस्थितिक तंत्रों की उपस्थिति के कारण इस क्षेत्र को लाभ हो सकता है। यह क्षेत्र कुछ वर्षों में 65 अरब डॉलर तक बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने पहले ही उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के लिए राष्ट्रीय केंद्र (एनसीएएम) की स्थापना की है और पिछले एक साल में केंद्र ने कई परियोजनाओं पर काम किया है।

रामा राव ने कहा कि तेलंगाना सरकारी विभागों में विशेष रूप से इंजीनियरिंग और निर्माण खंड में 3डी प्रिंटिंग समाधानों को लागू करने पर विचार करेगा। टी-वर्क्स अब तक लगभग 1,500 स्टार्टअप लाभान्वित हो चुके हैं। शासन में नई तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में एक उभरती हुई प्रौद्योगिकी विंग भी है। एपीवीएस रेड्डी, सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्दीनेस एंड सर्टिफिकेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की एक प्रयोगशाला, प्रमाणन प्रक्रियाओं में बहुत सारे सुधार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रमाणन प्रक्रिया में प्रतिक्रियाशील होने के बजाय सक्रिय होने का प्रयास है, उन्होंने कहा कि यह एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग सेगमेंट में काम करने वाली कंपनियों को संभालने के लिए तैयार है। फोकस डिजाइन पर्याप्तता और परीक्षण पर्याप्तता पर है क्योंकि वे समग्र सुरक्षा से संबंधित हैं। उन्होंने कम टर्नअराउंड समय के लिए परीक्षण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए अधिक खर्च की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग को एक सनराइज सेक्टर कहा। आईटी और उद्योग के प्रधान सचिव जयेश रंजन ने कहा कि एएम तेलंगाना के लिए प्राथमिकता है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि हैदराबाद पारिस्थितिकी तंत्र और विकसित हो।

इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज की निदेशक एल रमा देवी ने कहा कि तेलंगाना ने पांच साल पहले 3डी प्रिंटिंग पर काम शुरू किया था। मांग काफी बढ़ रही है लेकिन एमएसएमई के बीच इसे बढ़ावा देने की जरूरत है। फोकस स्किलिंग, अफोर्डेबिलिटी और इनोवेशन पर होना चाहिए। सामग्री की उपलब्धता पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि कुछ को आयात करना पड़ता है और कुछ प्रतिबंधित सामग्री श्रेणी से संबंधित हो सकते हैं। इनमें अधिक समय लगेगा।

तेलंगाना में अशांति पैदा करने के लिए संयुक्त आंध्र के नेताओं द्वारा रची जा रही साजिशें : गुत्ता

नलगोंडा, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले एक साल में राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम का हवाला देते हुए, तेलंगाना राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में अशांति पैदा करने के लिए राष्ट्रीय दलों के साथ मिलकर आंध्र के एकजुट नेताओं द्वारा साजिश रची जा रही है। तेलंगाना के लोगों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने शुक्रवार को यहां मीडिया से कहा कि स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व ही राज्य को संयुक्त आंध्र के नेताओं की बुरी नजर से बचा सकता है।

सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि आंध्र प्रदेश में अपना अस्तित्व और महत्व खो देने के बाद, राजनीतिक झुंड अब तेलंगाना पर आक्रमण कर रहे हैं और राज्य को राजनीतिक साजिशों से लूटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक साल से हो रहे राजनीतिक घटनाक्रम के पीछे संयुक्त आंध्र की ताकतों की साजिश है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य तेलंगाना में परेशानी पैदा करना है। भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहा है।

तेलंगाना की प्रगति को पचा पाने में असमर्थ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर संभव अंतराल पर बाधाएं पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले ही आठ राज्यों में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों को भाजपा ने गिरा दिया था और भगवा पार्टी तेलंगाना में इसी तरह की रणनीति को दोहराने पर नजर गड़ाए हुए है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर राज्य को वित्तीय रूप से अस्थिर करने की साजिश के साथ तेलंगाना को धन का सही हिस्सा जारी करने में देरी कर रही है।

पूर्व सैनिकों के साथ ईसीएचएस सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेशन मुख्यालय, सिकंदराबाद ने पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) पॉलीक्लिनिक के कर्मचारियों और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के भूतपूर्व सैनिकों के साथ एक परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की। सिकंदराबाद के वरिष्ठ पूर्व सैनिकों ने बैठक में भाग लिया और पूर्व सैनिकों के चिकित्सा संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। ब्रिगेडियर के सोमशंकर, स्टेशन कमांडर ने भूतपूर्व सैनिकों को आश्वासन दिया कि ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक के माध्यम से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पूर्व सैनिकों को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

राजनीतिक माहौल को प्रदूषित कर रहे हैं सत्तासीन दल : टीपीसीसी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि टेलीफोन संदेशों और विधायकों के बीच हुई बातचीत से मिली जानकारी से पता चलता है कि सत्ता में बैठे राजनीतिक दल देश और राज्य में राजनीतिक माहौल को कैसे प्रदूषित कर रहे हैं।

यहां एक प्रेस नोट में टीपीसीसी नेता ने कहा कि शर्मनाक रवैया और सार्वजनिक जीवन में मूल्यों का ह्रास लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उनके बीच हुई बातचीत में अलग-अलग जिलों के 100 अलग-अलग पार्टी नेताओं के नामों पर चर्चा की गई और आकलन किया गया कि ये उनके लिए कैसे उपयोगी होंगे. यह राजनीति में अनैतिकता को बढ़ावा देता है।

निरंजन ने कहा कि जनता का विश्वास हासिल करने के लिए राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों और विचारधाराओं के माध्यम से लोगों तक पहुंचना चाहिए, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ताधारी दल अलोकतांत्रिक तरीके से लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि सीएम केसीआर ने राज्य में इस तरह की राजनीति के लिए बहुत पहले ही पर्दा उठा दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी भी उसी रास्ते पर जाना चाहेंगे।

टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बीजेपी की इस तरह की ओछी राजनीति बंद करनी चाहिए। यह उन्हें तय करना है कि देश में इस तरह की घिनौनी राजनीति को रोका जाए या प्रोत्साहित किया जाए।

जैसा कि मोदी खुद को मूल्यों के अवतार के रूप में दावा करते हैं, यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे लोगों में विश्वास जगाने के लिए इन खुलासों पर तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि आरएसएस, जो भाजपा के पीछे एक मुख्य ताकत है, को भी राजनीति में इस तरह के पतन पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

आज से भ्रष्टाचार विरोधी सप्ताह

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस (भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन) के मद्देनजर 3 दिसंबर से 9 दिसंबर तक भ्रष्टाचार विरोधी सप्ताह मनाएगा। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, भ्रष्टाचार विरोधी शपथ सप्ताह के दौरान दिलाई जाएगी और ब्यूरो के रेंज डीएस एंड पी जिला कलेक्टरों से अनुरोध करेंगे कि वे जिला/मंडल और मंडल स्तर पर सभी सरकारी कार्यालयों के प्रमुखों को संबंधित कार्यालयों में सिटीजन चार्टर का प्रदर्शन सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देश/परिपत्र जारी करें। इसके अलावा, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के सभी कार्यालयों में सफाई और वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। सप्ताह के दौरान ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन में सुधार लाने और उन्हें प्रेरित करने के उद्देश्य से कई अन्य गतिविधियां की जाएंगी। 1 जनवरी, 2022 से 28 नवंबर, 2022 तक के दौरान, ब्यूरो ने 66 मामले, आय से अधिक संपत्ति के 17 मामले, आपराधिक कदाचार के 13 मामले और भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के हिस्से के रूप में सात पूछताछ दर्ज की है। भ्रष्टाचार विरोधी सप्ताह मनाने का उद्देश्य आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करना है ताकि जनता के सक्रिय सहयोग से भ्रष्टाचार का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। ब्यूरो ने हाल ही में जनता की सुविधा के लिए शिकायत प्रबंधन दल की स्थापना की है। जनता से अनुरोध है कि एसीबी के टोल फ्री नंबर 1054 पर संपर्क करें। किसी लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग के मामले में व्हाट्सएप नंबर 9440446106, महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, टीएस के माध्यम से भी संपर्क करें।

आंध्र प्रदेश में सड़क हादसों में पांच की मौत, 20 घायल

अमरावती, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक तेज रफ्तार लॉरी राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर विपरीत दिशा में आ रही एक अन्य लॉरी से टकराकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना गुरुवार आधी रात के बाद प्रतिपादु में हुई। टक्कर के बाद एक केबिन में आग लगने से दो लॉरी के चालक और एक क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक अन्य व्यक्ति ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस घटना में दो ट्रक जलकर खाक हो गए। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण ओवर स्पीड है। आगे की जांच जारी है। इस बीच, शुक्रवार तड़के चित्तूर जिले के पलामनेरु में एक सड़क दुर्घटना में एक यात्री की मौत हो गई और करीब 20 अन्य घायल हो गए।

निजी बस बेंगलुरु से विजयवाड़ाके लिए जा रही थी जब वह सड़क से फिसल गई और पलट गई। मृतक यात्री की पहचान गुंटूर के रहने वाले के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने फोन पर बताया कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

स्कूलों में जल्द ही खुलेंगे सुरक्षा क्लब

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सभी सरकारी, स्थानीय निकाय और निजी स्कूलों में सुरक्षा क्लब स्थापित करने की योजनाएँ चल रही हैं। ये क्लब जिनमें शिक्षक, माता-पिता और छात्र शामिल हैं, स्कूली बच्चों के बीच अच्छे और बुरे स्पर्श, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करेंगे। क्लबों के माध्यम से स्कूली बच्चों को कानूनी साक्षरता भी प्रदान की जाएगी जैसे कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, अपराध और दंड, और आपात स्थिति में किससे संपर्क किया जाए। एक अधिकारी ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग हर मंडल, जिला और राज्य स्तर पर ऐसे सेफ्टी क्लब बनाने की योजना बना रहा है। स्कूलों में सुरक्षा क्लब स्थापित करने के लिए तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है। जल्द ही एक आदेश की उम्मीद है। विभाग द्वारा स्कूलों में सेफ्टी क्लब बनाने का कदम हाल ही में बंजारा हिल्स में स्कूल परिसर में एक स्कूल प्रिंसिपल के ड्राइवर द्वारा चार साल की बच्ची के कथित यौन उत्पीड़न के मद्देनजर उठाया गया है। इस घटना के बाद, राज्य सरकार ने सुरक्षा और सुरक्षा पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए सरकार के विशेष मुख्य सचिव, श्रम और रोजगार विभाग, सरकार के विशेष सचिव, डब्ल्यूसीडी और एससी, और अतिरिक्त डीजीपी (महिला सुरक्षा विंग),स्वाति लकड़ा की एक समिति का गठन किया स्कूलों में बच्चों की। हाल ही में हुई कमेटी की बैठक गाइडलाइंस तैयार कर रही है। हालांकि जीओ एमएस 36 स्कूल परिसर में सभी संवेदनशील बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरे लगाने को अनिवार्य करता है, लेकिन कई स्कूल प्रबंधन इस मानक की अनदेखी कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि सभी स्कूल जीओ एमएस 36 में जारी नियमों और विनियमों का कड़ाई से पालन करें। स्कूल परिसर के अलावा स्कूल बसों में बस के आगे और पीछे दोनों तरफ सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने की योजना बनाई जा रही है।

ट्रक ने सात साल के बच्चे को कुचला

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला में स्कूल बस का इंतजार कर रहे स्कूली बच्चों के एक समूह को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे एक सात साल के बच्चे की मौत हो गई और उसकी दादी घायल हो गईं।

बालक रूत्विक और उसका बड़ा भाई अभिलाष अपनी दादी यदम्मा के साथ गाँव में अनुरोध स्टॉप पर गए, जहाँ सभी बच्चे स्कूल बस का इंतज़ार कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि ट्रक चालक, जो तेज गति से चला रहा था, स्टीयरिंग व्हील से नियंत्रण खो बैठा और पहले सड़क किनारे पेड़ से टकराया और फिर बच्चों और उनके परिवार के सदस्यों के समूह पर चढ़ गया।

रूत्विक को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि यदम्मा मामूली रूप से घायल हो गई। अन्य लोग अस्वस्थ हैं। चेवेल्ला पुलिस जांच कर रही है।

बंसीलालपेट में जीर्णोद्धार विकसित बावड़ी का शुभारंभ करेंगे केटीआर : तलसानी

मंत्री ने बावड़ी व आसपास का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य एवं डेयरी उद्योग विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बंसीलालपेट में जीर्णोद्धार और अत्यधिक विकसित बावड़ी का उद्घाटन इस महीने की 5 तारीख को नागरिक प्रशासन मंत्री केटीआर द्वारा किया जाएगा। मंत्री श्रीनिवास यादव ने शुक्रवार को नगर निगम के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार के साथ बंसीलालपेट की बावड़ी व आसपास का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान बावड़ी, नवनिर्मित पर्यटक प्लाजा भवन, उसमें स्थापित बावड़ी का मॉडल, कुएं में जमा गाद निकालने के दौरान मिले विभिन्न प्राचीन औजारों का प्रदर्शन और उद्यान का निरीक्षण किया गया। मंत्री ने उद्घाटन के दिन की जाने वाली व्यवस्थाओं और किए जाने वाले उपायों पर अधिकारियों को कई निर्देश दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार का विचार प्राचीन इमारतों को संरक्षित करना और उन्हें आने वाली पीढ़ियों को प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि एचएमडीए के तत्वावधान में बंसीलालपेट बावड़ी का विकास कार्य नगर निगम मंत्री केटीआर की विशेष पहल से किया गया है। कहा जाता है कि इस कुएं का निर्माण निजाम काल में स्थानीय लोगों की पेयजल जरूरतों के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि उस समय इस कुएं को नागन्नाकुंटा के नाम से जाना जाता था। कहा जाता है कि विकास कार्य शुरू होने से पहले कुआं पूरी तरह से कचरे से भर गया था।

उन्होंने कहा कि जब गाद को पूरी तरह से हटाया गया तो यह 500 टन से अधिक थी और इसे हटाने में 6 महीने का समय लगा। ऐसा कहा जाता है कि यह तलछट हटाने के बाद पानी में मिल जाता है। ऐसा कहा जाता है कि कुएं की मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्यों के पूरा होने के साथ पूर्व गौरव आया है। साथ ही कुएं को पर्यटन स्थल बनाने की सोच से आसपास के क्षेत्र में कई विकास व निर्माण कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में जहां 44 कुएं हैं, वहीं 6 कुओं के विकास व संरक्षण का कार्य किया गया है. इनमें सबसे पहले काम पूरा हो चुका है और बंसीलालपेट बावड़ी शुरू होने को तैयार है। इस मौके पर जोनल कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी, साहे चैरिटी मैनेजर कल्पना, सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र प्रभारी तलसानी साई किरण यादव, पार्षद हेमलता, माहेश्वरी, पूर्व पार्षद अरुणा गौड़, एसई अनिल राज, ईई सुदर्शन, वाटर वर्क्स के जीएम रमना रेड्डी, इलेक्ट्रिकल डीई श्रीधर मौजूद थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.